शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

प्रज्वल का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने के अनुरोध पर केंद्र ने अभी तक नहीं ... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 23 मई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-143

रोहिंग्याओं ने हिंदुओं और बौद्धों के 5 हजार घर फूंक डाले

1600 हिंदू और 120 बौद्ध पहले से हैं रोहिंग्याओं के बंधक

रोहिंग्याओं के इस्लामिक आतंक पर सधी है शातिराना चुप्पी

म्यांमार के रखाइन प्रांत में सैन्य नेतृत्व वाले जुंटा और जातीय विद्रोही समूहों के बीच झड़पें तेज होने के बाद वहां सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई है। रोहिंग्याओं ने हिंदुओं और बौद्धों के 5000 घरों को जला दिया है। इस घटना के बाद कई लोग इलाका छोड़ भाग गए। जो लोग बचे थे उन्हें रोहिंग्याओं ने वहां से जबरन हटा दिया। और उनके सामने ही उनके घरों को लूट लिया गया।

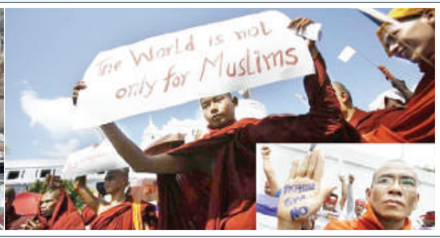

सिलसिलेवार विध्वंस की घटना को 11 अप्रैल से 21 अप्रैल के बीच बांग्लादेश सीमा से सिर्फ 25 किमी दूर स्थित बुथिदौंग क्षेत्र में अंजाम दिया गया। 2018 की जनगणना के अनुसार बुथिदौंग में मिली-जुली आबादी वाले मात्र 3000 घर थे। बाद में संख्या बढ़ी और घरों की गिनती 10000 हो गई। इन 10 हजार में से अधिकांश घर अब रोहिंग्या मुस्लिमों के हैं। बचे हुए हिंदुओं और बौद्धों पर हमले हो रहे हैं और उन्हें भगाया जा रहा है।

बुथिदौंग से ही खबर है कि वहां रोहिंग्याओं ने 1600 से भी अधिक हिंदुओं एवं 120 बौद्ध समाज के लोगों को बंधक बना कर रखा है। धर्म को आधार बना कर नरसंहार की साजिश रची जा रही है। दुखद यह है कि बंधक बनाए गए हिंदुओं और बौद्धों पर हो रहे मानवीय अत्याचार के खिलाफ अब तक किसी भी राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय संस्था की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) एवं अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं तो छोड़िए, जिनका काम ही मानवाधिकारों की रक्षा करना है, उसके हित में काम करना है और जो छोटी-छोटी बातों को भी कई बार तूल देकर वैश्विक रूप देने एवं किसी के भी खिलाफ माहौल बनाने में महारत रखती हैं, वह संस्थाएं भी इस विषय पर शातिराना चुप्पी साधे बैठी हैं, जैसे कि हिंदू और बौद्धों के साथ होनेवाला अत्याचार उनके लिए कोई खबर ही न हो।

पहले भी जब 2017 में रोहिंग्या आतंकी समूहों ने रखाइन राज्य में महिलाओं और बच्चों सहित 99 हिंदुओं का नरसंहार किया था, तब भी चुप्पी सधी हुई थी।

▶8पर

रोहिंग्याओं से कई देश परेशान पाकिस्तान दे रहा ट्रेनिंग

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। म्यांमार से भागे रोहिंग्या मुसलमान बांग्लादेश, भारत समेत 6 एशियाई देशों की परेशानी का सबब बन गया है। रोहिंग्याओं के चलते इन देशों में सारे अपराध बढ़ रहे हैं। भारत में इनके तार घुसपैठ से लेकर आतंकी गतिविधियों तक जुड़े हुए हैं। कुछ ही अर्सा पहले बिहार पुलिस ने खुलासा किया कि कट्टरपंथी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) अपने संगठन में भर्ती करने के लिए रोहिंग्या मुस्लिमों और बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए आधार कार्ड बनवा रहा है।पीएफआई नई पहचान बनाने के लिए रोहिंग्याओं और बांग्लादेशी घुसपैठियों को कर्नाटक समेत अन्य राज्यों में दिहाड़ी मजदूरों के रूप में भेज रहा है। रोहिंग्याओं से सबसे ज्यादा परेशान बांग्लादेश की सरकार है। ▶8पर

हाईकोर्ट से मांगी गई भारत सेवाश्रम संघ आश्रम की सुरक्षा

ममता के उकसावे पर हुआ रामकृष्ण मिशन आश्रम पर हमला

कोलकाता/जलपाईगुड़ी, 22 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बेजा टिप्पणी के बाद रामकृष्ण मिशन आश्रम पर हमले की शर्मनाक घटना हुई। जलपाईगुड़ी में मिशन परिसर में घुसकर हथियारबंद बदमाशों ने सीसीटीवी कैमरे तोड़े, गाड़ियों में तोड़फोड़ की और साधु-संन्यासियों को बंदूकें दिखाकर डराया धमकाया। हमलावरों ने संन्यासियों को तुरंत जगह छोड़ कर जाने को कहा है, ऐसा नहीं करने पर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। रविवार को हुई इस घटना के करीब तीन दिन बीत जाने के बाद भी किसी एक हमलावर की भी गिरफ्तारी नहीं हुई है। इसके खिलाफ बंगाल में आम लोगों में काफी रोष है।

उल्टा संन्यासियों पर ही दर्ज कर दिया गैर जमानती धाराओं में केस

24 मई को साधु-संत नंगे पैर चल कर करेंगे ममता-शाही का विरोध

रामकृष्ण मिशन बंगाली समुदाय के लिए असीमित अहमियत रखता है। मिशन के एक अधिकारी ने बताया कि करीब दस हथियारबंद युवक तड़के तीन बजे आश्रम में घुसे और पहले तल पर जाकर संतों के साथ 8 लोगों को बंदूक का भय दिखाते हुए परिसर छोड़कर चले जाने की धमकी दी। युवकों ने परिसर में तोड़फोड़ की और सीसीटीवी कैमरे तोड़ कर मुख्य द्वार पर ताला लगा दिया। बाद में पुलिस वालों ने ताला तोड़ा तथा संतों एवं कर्मियों बचाया। भक्तिनगर थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई गई है।

भाजपा की आईटी शाखा के प्रमुख अमित मालवीय ने आरोप लगाया कि संभवतः यह ममता बनर्जी द्वारा पश्चिम बंगाल के साथ किया गया सबसे निकृष्टतम आचरण है। उन्होंने कहा, उनके द्वारा खुले मंच से रामकृष्ण मिशन, भारत सेवाश्रम संघ और इस्कॉन को धमकी देने के बाद जलपाईगुड़ी के कोतवाली क्षेत्र में हथियार से लैस बदमाश रामकृष्ण मिशन के आश्रम में घुस गए, उन्होंने संतों पर हमला किया, सीसीटीवी तोड़ डाले, साधुओं को बंधक बनाया और उन्हें धकेल कर सड़क पर पहुंचा दिया।

▶8पर

ममता के खिलाफ नंगे पैर पदयात्रा निकालेंगे साधु-संत

कोलकाता, 22 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छठे चरण के मतदान से पहले उत्तरी कोलकाता में रोड-शो करने वाले हैं। उनके आगे-आगे साधु-संत नंगे पैर उसी रास्ते से पदयात्रा करेंगे। रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ जैसे प्रतिष्ठित धार्मिक संस्थाओं के खिलाफ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टिप्पणी के विरोध में यह पदयात्रा होगी। छठे चरण के मतदान से ठीक पहले शुक्रवार 24 मई को साधु-संत उत्तर कोलकाता के गिरीश एवेन्यू से विवेकानंद के जन्मस्थान तक मार्च निकालेंगे। इस यात्रा को संत स्वाभिमान यात्रा नाम दिया गया है। ▶8पर

पश्चिम बंगाल के कांथी में विशाल रैली में बोले अमित शाह

भाजपा की 30 सीटें आईं तो ममता सरकार की विदाई तय

बंगाल में राजनीतिक हिंसा ने लोकतंत्र को खत्म कर दिया

कोलकाता, 22 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज पश्चिम बंगाल में हुंकार भरी। उन्होंने कांथी में एक रैली को संबोधित करते हुए बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत सभी विपक्षी पार्टियों को घेरा। अमित शाह ने कहा कि बंगाल में भाजपा की 30 सीटें आईं तो ममता सरकार की विदाई हो जाएगी। उन्होंने ममता बनर्जी पर राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं को रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर निशाना साधते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा ने लोकतंत्र को खत्म कर दिया है। विशाल रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने राज्य में हिंसा के मामलों पर ममता सरकार को घेरा। उन्होंने कहा, बंगाल में राजनीतिक हिंसा ने लोकतंत्र को लगभग समाप्त कर दिया है। यहां पंचायत के चुनाव हुए, जिनमें 200 से ज्यादा लोग मारे गए। मगर मैं आपसे कहना चाहता हूं कि इस बार आप मत डरना, क्योंकि पांच चरण के चुनाव में ममता के गुंडे किसी ▶8पर

दीदी का मकसद अपने भतीजे को सीएम बनाना

पुरुलिया, 22 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, जो घमंडिया गठबंधन बना है उसमें न नेता है, न नीति। अगर इनकी सरकार बनती है तो क्या ये पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दे सकते हैं? क्या घुसपैठ रोक सकते हैं? क्या गायों की तस्करी रोक सकते हैं? इनके पास कोई नेता नहीं है। दीदी का मकसद सिर्फ और सिर्फ अपने भतीजे को मुख्यमंत्री बनाना है।

पश्चिम बंगाल के घाटल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, एक ओर नरेंद्र मोदी हैं जो 23 साल से मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहें लेकिन उन पर 25 पैसे का भी ▶8पर

कोलकाता बना इस्लामिक कट्टरपंथियों का अड्डा

भारत आए बांग्लादेशी सांसद की हत्या

इलाज कराने आए थे, कोलकाता से गायब कर दिया गया

कोलकाता, 22 मई (एजेंसियां)। भारत में इलाज कराने के लिए आए बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम की कोलकाता में हत्या कर दी गई। वे 11 मई को इलाज कराने पश्चिम बंगाल पहुंचे थे। इसके बाद वे अचानक ही गायब हो गए। पुलिस का कहना है कि उनका अपहरण कर उन्हें गायब कर दिया गया था। सांसद अजीम की आखिरी ज्ञात लोकेशन कोलकाता के राजरहाट स्थित संजीवा गार्डन्स की थी। कोलकाता पुलिस इस मामले में शिकायत मिलने पर गुमशुदगी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। लेकिन बुधवार को बांग्लादेश के गृह मंत्री असदुज्जमा खान ने बताया कि सांसद अनवारुल अजीम की हत्या हुई है। इस मामले में बांग्लादेश पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। हालांकि सांसद की लाश अब तक बरामद नहीं हो पाई है। असदुज्जमा खान ने बताया कि अवामी लीग के सांसद अनवारुल अजीम की कोलकाता में एक फ्लैट में हत्या कर दी गई। ▶8पर

यूपी के बस्ती में हुई प्रधानमंत्री मोदी की विशाल जनसभा

राममंदिर पर 'बाबरी-ताला' लटकाना चाहते हैं शहजादे

बस्ती (यूपी), 22 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि कांग्रेस के शहजादे राममंदिर को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटना चाहते हैं और राममंदिर पर बाबरी-ताला लटकाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा देश 500 साल से राममंदिर की प्रतीक्षा कर रहा था, मगर इंडी गठबंधन वालों को राममंदिर और श्रीराम से परेशानी है। सपा के बड़े नेता कहते हैं कि राम मंदिर बेकार है और रामभक्त पाखंडी हैं। उन्होंने कहा कि ये वो लोग हैं जो सनातन धर्म के विनाश की बात करते हैं और इनकी आका है कांग्रेस पार्टी। कांग्रेस के शहजादे तो फिर से रामलला को टेंट में भेजना चाहते हैं। इनपर वोट से करारी चोट होनी चाहिए। पीएम मोदी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने यूपी को गर्त से बाहर निकालने में अपनी सरकार के साथ बहुत मेहनत की है।

आपातकाल लादने वाली कांग्रेस संविधान की सीख देती है

▶8पर

इंडी को वोट गया तो वह देश के कोई काम नहीं आएगा

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बुधवार को दिल्ली के द्वारका में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रैली की। इससे पहले प्रधानमंत्री ने उत्तर पूर्वी दिल्ली में पहली जनसभा को संबोधित किया था। मंच पर पीएम मोदी के पहुंचने के बाद समर्थकों ने मोबाइल टॉर्च जलाकर उनका जोरदार स्वागत किया। जोरदार नारों के कारण पीएम ▶8पर

कलकत्ता हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

ममता सरकार द्वारा जारी ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द

किसी भी रोजगार प्रक्रिया में इस्तेमाल नहीं किया जाएगा

कोलकाता, 22 मई (एजेंसियां)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने तृणमूल सरकार द्वारा जारी राज्य के सभी ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द कर दिए हैं। हाईकोर्ट ने बुधवार को कहा कि फैसला सुनाए जाने के बाद रद्द किए गए प्रमाणपत्र का इस्तेमाल किसी भी रोजगार प्रक्रिया में नहीं किया जा सकता है। हाईकोर्ट के इस आदेश के परिणामस्वरूप करीब पांच लाख ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द कर दिए गए। हालांकि, हाईकोर्ट ने कहा कि इस प्रमाणपत्र के जिन उपयोगकर्ताओं को पहले मौका मिल चुका है, उन पर इस फैसले का असर नहीं होगा। कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा कि 2010 के बाद जारी किए गए सभी ओबीसी प्रमाणपत्र रद्द कर दिए जाएंगे। तृणमूल कांग्रेस 2011 से राज्य में सत्ता में आई। यानी, हाईकोर्ट का आदेश तृणमूल के समय में जारी ओबीसी प्रमाण पत्र पर प्रभावी होगा।

कलकत्ता हाईकोर्ट का कहना है कि 2010 के बाद जितने भी ओबीसी सर्टिफिकेट बनाए गए हैं, वे कानून के मुताबिक ठीक से नहीं बनाए गए हैं। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 23^0

मलयालम सुपरस्टार ममूटी का जेहादी कनेक्शन!

हिंदुओं को बदनाम करने के लिए बनाई गई फिल्म 'पूझू'

दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में सिनेमा और राजनीति एक-दूसरे में घुले-मिले हैं। तमिलनाडु के सीएम रहे अन्नादुरई, एमजी रामचंद्रन (एमजीआर), एम करुणानिधि, जानकी रामचंद्रन और जे जयललिता फिल्म अभिनेता से नेता बने थे। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे नंदमुरी तारक रामाराव (एनटीआर) फिल्म उद्योग से थे। हालांकि, केरल की राजनीति में फिल्म अभिनेताओं का प्रत्यक्ष प्रवेश देखने को नहीं मिलता है। लेकिन केरल की फिल्मों में राजनीति का प्रत्यक्ष हस्तक्षेप जरूर दिखता है। केरल के मलयालम फिल्म उद्योग से जो फिल्में बनती हैं उनमें से अधिकांशतः ईसाई एजेंडा और इस्लामिक एजेंडा का पोषण करती हैं और हिंदू धर्म के खिलाफ मीठा जहर बोती हैं। जबकि मलयालम फिल्म उद्योग के अभिनेताओं ममूटी, मोहनलाल, जयराम और सुरेश गोपी जैसे सुपरस्टार्स को हिंदी दर्शकों का भी अपार प्रेम मिला है। आज दिलकीर सलमान और फहाद फासिल जो सुर्खियां बटोर रहे हैं, वह व्यापक हिंदी दर्शकों के प्रेम का ही नतीजा है। लेकिन इन अभिनेताओं ने हिंदुओं और हिंदी भाषा के खिलाफ अपनी विकृति ही प्रदर्शित की है।

पिछले 53 वर्षों से मलयालम फिल्म उद्योग में सक्रिय अभिनेता ममूटी के जेहादी कनेक्शन उन्हें गंभीर विवाद में ले आए हैं। उनके प्रशंसक उन्हें मम्मूक्का भी कहते हैं। चेन्नई के कारोबारी एवं सीपीआईएम नेता मोहम्मद शरशाद बनियांदी ने सुपर मेगास्टार ममूटी को लेकर कुछ ऐसे खुलासे किए हैं, जो धर्मनिरपेक्ष, उदार और लोकतांत्रिक व्यवस्था में यकीन रखने वालों को हैरान करने वाले हैं। हालांकि, लेफ्ट और कांग्रेस ममूटी को जेहादी बताए जाने का विरोध कर रही है।

राठीना पीटी पर फिल्म के निर्देशन के लिए डाला गया दबाव

हर्षद नाम से फिल्मी कहानियां लिखता है इस्लामी कट्टरपंथी

मोहम्मद शरशाद बनियांदी ने कहा है कि उनकी पूर्व-पत्नी राठीना पीटी और स्क्रिप्ट लेखक हर्षद ने मिल कर एक हिंदू विरोधी और सवर्ण विरोधी फिल्म बनाने की साजिश रची, जिसमें ममूटी मुख्य अभिनेता थे। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि राठीना पीटी पर दबाव बनाया गया था कि हिंदुओं को बदनाम करने के लिए वो इस फिल्म का निर्देशन करें। मामला 2022 में रिलीज हुई फिल्म पूझू से जुड़ा है, जिसे ममूटी की होम प्रोडक्शन कंपनी वे-फेयरर फिल्म्स द्वारा बनाया गया था।

इस फिल्म का डिस्ट्रीब्यूशन सोनीलिव ने किया था। इस फिल्म में ममूटी ने एक उच्च जाति के आईपीएस अधिकारी का किरदार निभाया है, जो अपनी बहन से इसीलिए नफरत करता है क्योंकि वह अपने दलित प्रेमी के साथ भाग गई थी। ▶8पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 76,300/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 95,250/-
(प्रति किलोग्राम)

हत्याएं और आत्महत्याएं कांग्रेस सरकार की उपलब्धियां: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व राज्य मंत्री सीटी रवि ने मुख्यमंत्री से सवाल किया कि क्या हत्याएं और आत्महत्याएं कांग्रेस सरकार की उपलब्धि हैं। मल्लेश्वरम में भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एक साल पूरा होने का जश्न मनाया है।

उन्होंने कहा कि वे मुख्यमंत्री से दर्जनों सवाल पूछना चाहते हैं। उन्होंने आपत्ति जताई कि इस सरकार ने सत्ता में आने की शुरुआत में जैन मुनियों की हत्या से शुरुआत की और प्रति माह हत्या-आत्महत्याओं में शतक का आंकड़ा पार कर लिया। उन्होंने पूछा कि क्या एक हजार से ज्यादा हत्याएं, एक हजार से ज्यादा आत्महत्याएं सरकार की उपलब्धि है। राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो के रिकॉर्ड के मुताबिक, पिछले 4 महीनों में कर्नाटक में 430 से ज्यादा हत्याएं हुई हैं। सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 10 महीने में 700 से ज्यादा किसानों ने आत्महत्या की है। उन्होंने सवाल किया कि क्या यही आपकी सरकार की उपलब्धि है। राज्य के गृह मंत्री का कहना है कि हर हत्या का एक कारण होता है। हालांकि, उन्होंने पूछा कि सरकार ऐसी स्थितियों में कैसा व्यवहार करती है और सरकार पर असंवेदनशील होने का आरोप लगाया। उन्होंने आपत्ति जताई कि आपकी सरकार ने दलबदल की साजिश रची है। जब यह सरकार सत्ता में आई तो 40 फीसदी कमीशन को लेकर सेवानिवृत्त जज नागमोहनदास की एक कमेटी बनायी गयी। साथ ही एक माह में रिपोर्ट देने को कहा गया। एक साल हो गए, लेकिन, आपके जज ने रिपोर्ट नहीं दी है। आपने बीबीएमपी के कार्यों की जांच के लिए इस समिति को जिम्मेदारी दी थी। वह रिपोर्ट अभी तक नहीं आई है। देरी का कारण क्या है। इस सरकार को नागमो-हनदास कमेटी पर बहुत भरोसा है। सभी के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश नागमो-हनदास को नियुक्त किया गया है। कोविड अवैधता की जांच के लिए एक और समिति नियुक्त की गई है। 3 महीने में रिपोर्ट मांगी गई। वह रिपोर्ट प्राप्त हुई क्या? जून 2023 में आपने ग्रामीण विकास विभाग में जलजीवन मिशन के तहत तृतीय पक्ष निरीक्षण का आदेश दिया था। 10 महीने हो गये। क्या रिपोर्ट आ गयी। क्या आपने इस मिशन के लिए ठेकेदार को भुगतान किया? अगर भुगतान हुआ तो कितना दिया गया।

एक शाम गुरु शांति के नाम का आयोजन

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
अरसीकेरे के जाजूर स्थित दक्षिण शांतिसूरि धाम मध्ये श्री शांतिगुरु भक्त परिवार बेंगलूरु के तत्वावधान में आयोजित एक शाम गुरु शांति के नाम का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। गोल उम्मेदाबाद निवासी हाल बेंगलूरु रहवासी संघवी श्रीपाल खांटेड परिवार मुख्य प्रायोजक एवं प्रायोजक के रूप में बेंगलूरु निवासी राजेश बंदामुथा तथा महावीर मेहता परिवार के साथ अनेक परिवारों ने आयोजन में लाभ लिया।

स्थानीय कोडीमठ के पीठाधीश्वर श्री शीवानन्दस्वामीजी की निश्रा में विश्व शांति एवं लोक कल्याण हेतु योगीराज शांतिसूरिश्वर भगवंत की शोभायात्रा गांव के वासुपूज्य मन्दिर से प्रारंभ होकर घोड़े, वाहन, उमंग बैंड सहित अनेक वाद्यवृन्द, अरसीकेरे की नारी शक्ति मंडल तथा दक्षिण शांतिसूरि महिला मंडल, बेंगलूरु की नारी शक्ति मंडल के साथ हजारों की तादात में एकत्रित भक्तों के जयकार के साथ प्रमुख

राजमार्गो से गुजरता हुआ धाम पहुंचा। दोपहर में नाकोडा जैन कान्फ्रेंस द्वारा भैरव चालीसा एवं भक्ति का अनूठा कार्यक्रम रहा। संध्या भक्ति का संचालन बेंगलूरु निवासी मीठालाल पावेचा ने किया। सर्व प्रथम उपस्थित विशेष अतिथि बेंगलूरु के कुमारपाल सिसोदिया, प्रकाश राठोड, चेतनप्रकाश डुंगरवाल, रमेश हरण, राजेश राठोड, मुंबई से भरत कोठारी, छत्तीसगढ रायपुर से सौरभ लोढा ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम शुरू किया। राजनंदगाव से मांडोली रत्न परम गुरुभक्त भावेश बैद ने अपनी मधुर कंठ से एकत्रित जन सैलाब का मन मोह लिया। प्रायोजक, सभी सहयोगी परिवार, विशेष अतिथियों के साथ जय जिनेन्द्र के लाभार्थी अशोक कुमार, विजय कुमार, कमलेश कुमार सुराना परिवार एवं भोजन मंडप के लाभार्थी पंचकेसरी बडेरा परिवार के मदनराज एवं माणकचंद बडेरा का बहुमान गुरुभक्त परिवार के संयोजक विनोद कुमार मुणोत, सह संयोजक डॉ.विजय कुमार सुराना, कार्यकारिणी महावीर चुत्तर, उदय सिंघवी, चेतनप्रकाश झारमुथा, प्रसन्न चंडालीया, डॉ. पृथ्वीराज मेहता, धर्मीचंद ओस्तवाल, नवरतन पुनमीया और पंकज श्रीमाल ने किया।

आचार्य महाश्रमण जी का दीक्षा कल्याणक महोत्सव आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
संयम सम्राट महातपस्वी आचार्य श्री के संयम पर्याय के 50 वर्ष की संपन्नता पर साध्वी सिद्धप्रभाजी एवं साध्वी उदितयशा के सान्निध्य में राजाराजेश्वरी नगर तेरापंथ सभा भवन में बड़े हर्ष एवं उल्लास के साथ दीक्षा कल्याणक महोत्सव मनाया गया। महामंत्रोच्चार के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। महिला मंडल एवं कन्या मंडल की बहनों ने 50 के अंक में अव-स्थित होकर महाश्रमण अष्टकम का संगान किया।

तेरापंथ सभा, युवक परिषद एवं महिला मंडल ने सामूहिक गीत प्रस्तुत किया। ज्ञानशाला, कन्या मंडल एवं महिला मंडल ने अष्टकम पर आधारित जीवन के कुछ रोचक प्रसंगों की प्रस्तुति डेमों के रूप में दी। साध्वी संगीतप्रभा जी ने आचार्य महाश्रमणजी की उत्कृष्ट साधना के कुछ रोमांचित करने वाले प्रसंगों की चर्चा करते हुए उनके पवित्र आभावलय का राज प्रकट कर लोगों को संकल्पित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लहर सिंह सिरोया (राज्यसभा सांसद) ने जैन समाज में तेरापंथ का एक विशिष्ट स्थान बताते हुए आचार्य भी महाश्रमणजी को एक महान संत के रूप में बताया। तेरापंथ की एकता व उनके विधान की चर्चा करते हुए अपने आपको सौभाग्यशाली बताया। आचार्य महाश्रमणजी के साथ हुए वार्तालाप का भी जिक्र किया। साध्वी उदितयशा जी ने महाश्रमण बनने के रहस्य बताते हुए कहा संयम के द्वारा अपने आपको रुपान्तरित करने की कोशिश करने वाला ही महाश्रमण बन सकता है। आचार्य श्री ने रूपान्तरण की प्रक्रिया को अपनाया। छोटी अवस्था में ही उन्होने अपने जीवन की दिशा को मोड़ने वाला निर्णय लिया। साध्वी सिद्धप्रभा जी ने कहा आज का दिन नवमी साध्वी प्रमुखा के चयन से भी जुड़ा है। जो साधक समय का अंकन करना जानता है वही सफलता को प्राप्त होता है। तेरापंथी सभा के अध्यक्ष छतरसिंह सेठिया ने सबका स्वागत किया। प्रथम अध्यक्ष कमलसिंह दूगड़ ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। मुख्य अतिथि लहरसिंह सिरोया को साहित्य एवं जैन पट्ट द्वारा सम्मानित किया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा, सभा के मंत्री हेमराज सेठिया, तेयुप अध्यक्ष विकास छाजेड़, तेममं अध्यक्षा सुमन पटावरी ने इस विशिष्ट कार्यक्रम की संयोजना हेतु चारित्रात्माओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। बेंगलूरु के तेरापंथ समाज की सभी संस्थाओं के पदाधिकारीगण एवं श्रावक समाज की अच्छी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के संयोजक सरोज आर बैद, गुलाब बाँठिया ने व्यवस्थित संयोजन किया। आभार ज्ञापन ट्रस्ट के मंत्री विक्रम महेर ने किया।

दीक्षा कल्याण महोत्सव समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल टी. दासरहल्ली द्वारा युगप्रधान आचार्य महाश्रमण जी के 50 वर्षों की परिसंपन्नता पर दीक्षा कल्याण महोत्सव समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूज्यचरणों में आध्यात्मिक भेंट अर्पित करने के लिए आराधना आराध्य की महाश्रमणोस्तु मंगलम् के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रम स्थानीय भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र से हुई। तत्पश्चात् प्रेरणा गीत का संगान किया। अध्यक्ष नेहा चावत ने गुरुदेव के प्रति अभिनंदन कर पधारे हुए सभी का स्वागत व आभार प्रकट किया। महाश्रमण अष्टकम् का संगान सामूहिक रूप से बहनों द्वारा किया गया। कार्यक्रम सकुशल आनंद के साथ संपन्न हुआ।

एमएलसी ने कर्नाटक सरकार पर विकास गतिविधियों के लिए फंड रोकने का लगाया आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
एमएलसी और भाजपा नेता शशिल नमोशी ने आरोप लगाया कि राज्य में कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने के बाद विकास कार्यों के लिए धन जारी करना बंद कर दिया है, क्योंकि वह अपने चुनाव पूर्व वादों को पूरा करने में मुश्किल स्थिति में है। बुधवार को कलबुर्गी में एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए, नमोशी ने कहा कि राज्य सरकार गारंटी योजनाओं को लागू करने के लिए आत्म-प्रशंसा में अपनी पीठ थपथपा रही है। हालांकि, इन योजनाओं का कार्यान्वयन विकास की कीमत पर हुआ था।

शिक्षा, ग्रामीण विकास और पंचायत राज, कृषि, समाज कल्याण, पशुपालन और पर्यटन जैसे प्रमुख विभागों को भी कोई धनराशि जारी नहीं की जा रही है। किसी भी राज्य के स्वामित्व वाले बोर्ड या निगम को पैसा नहीं मिल रहा है। विकास गतिविधियाँ रुक गई हैं क्योंकि सरकार गारंटी योजनाओं को लागू करने के लिए धन का उपयोग कर रही थी। ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार अपने कर्मचारियों को वेतन देने वाली एक एजेंसी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को अस्वीकार करने के लिए सिद्धरामैया सरकार की आलोचना करते हुए, नमोशी ने कहा कि इस निर्णय से छात्रों के भविष्य पर असर पड़ेगा। कर्नाटक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने वाला पहला राज्य था। बाद में सत्ता संभालने वाली कांग्रेस सरकार ने कार्यान्वयन रोक दिया। अब, छात्र अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं क्योंकि न तो सरकार और न ही विश्वविद्यालयों और शैक्षिक विश्वविद्यालयों के पास अगली कार्रवाई के बारे में कोई स्पष्टता है। नमोशी ने कहा कि केंद्रीय संसदीय कार्य, कोयला और खान मंत्री प्रल्हाद जोशी गुरुवार को कलबुर्गी का दौरा करेंगे और विधान परिषद के उत्तर पूर्व स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए भाजपा उम्मीदवार अमरनाथ पाटिल के लिए वोट मांगने के लिए दो बैठकों को संबोधित करेंगे।

मैसूरु में संदिग्ध एलपीजी सिलेंडर रिसाव के कारण एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मैसूरु के यार्गनहल्ली में संदिग्ध एलपीजी सिलेंडर रिसाव के कारण एक ही परिवार के चार लोग अपने घर में मृत पाए गए। मृतकों में 45 वर्षीय कुमारस्वामी, 39 वर्षीय उनकी पत्नी मंजुला और उनके बच्चे 19 वर्षीय अर्चना और 17 वर्षीय स्वाति शामिल हैं। वे एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होने के लिए चिक्कमगलूर गए थे। बाद में वापस लौट आए थे। यह घटना बुधवार को सामने आई क्योंकि कुमारस्वामी ने उन रिश्तेदारों द्वारा की गई कॉल रिसीव नहीं की, जिनसे वे कुछ दिन पहले मिलने गए थे। उनके रिश्तेदारों ने मैसूरु में अपने संपर्कों और दोस्तों से कुमारस्वामी की भलाई का पता लगाने का अनुरोध किया। उनमें से दो विग्नेश और भरत, कुमारस्वामी के घर गए। उन्होंने दरवाजा अंदर से बंद पाया। जबरदस्ती खिड़की खोलने पर उन्हें चार शव मिले।

घटनास्थल का दौरा करने वाले आयुक्त रमेश भनोट सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को संदेह है कि एलपीजी सिलेंडर रिसाव के कारण दम घुट गया, क्योंकि घर में उचित वेंटिलेशन का अभाव था। कुमारस्वामी कपड़े धोने और प्रेस करने का काम करके अपना गुजारा करते थे। उन्होंने हीटिंग के लिए एक लोहे के बक्से का इस्तेमाल किया, जो एलपीजी सिलेंडर से जुड़ा था। जिस कमरे में शव मिले वह छोटा था। इसके अलावा खिड़की बंद थी, जिससे गैस रिसाव का असर और बढ़ गया होगा।

पुलिस और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) के कर्मी, जिन्होंने घटनास्थल का दौरा किया, उनका स्वागत गैस की तीखी गंध और सड़ते शवों की दुर्गंध से हुआ। शवों की स्थिति के आधार पर, पुलिस को संदेह है कि कुमारस्वामी और उनके परिवार की मृत्यु 20 मई की रात को हुई थी। कमिश्नर ने बताया कि कमरे में तीन सिलेंडर थे। पुलिस को शक है कि इनमें से ही किसी ने लीक किया है। अलनहल्ली पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को शहर में बारिश से प्रभावित क्षेत्रों की समस्या को हल करने के लिए शहर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नयंदहल्ली और कोडिचिक्कनहल्ली में राजकालुवे, बीटीएम मेट्रो स्टेशन के पास मेलुसेतुवे रोड और डबल डेकर 2 टायर प्रणाली, जहां दोनों मेट्रो लाइनें शीर्ष पर हैं, का निरीक्षण किया। इस दौरान वहां के लोगों ने सीएम को बीटीएम से बनशंकरी, राघवेंद्रस्वामी मंदिर सर्कल, जयनगर 5वें ब्लॉक तक जाने वाली सड़क पर सुगम यातायात के लिए अंडरपास के निर्माण की बढ़ती मांग के बीच इन हिस्सों में अंडरपास बनाने का सुझाव दिया। इस मौके पर राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार समेत अन्य नेता भी मौजूद थे।

भक्ति संगीत संध्या का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरी नगर द्वारा आयोजित बेंगलूरु स्तरीय आचार्य श्री महाश्रमण जी की संतता के 50 वर्षों की परिसंपनता पर दीक्षा कल्याण महोत्सव के उपलक्ष में मेरे महाश्रमण भगवान भक्ति संगीत संध्या का आयोजन साध्वी सिद्ध प्रभाजी एवं साध्वी उदितयशाजी के सानिध्य में तेरापंथ भवन राजराजेश्वरी नगर में किया गया। उपाध्यक्ष विक्रम मेहर ने पधारे सभी लोगों का स्वागत अभिनंदन किया। बेंगलूरु क्षेत्र से भजन मंडलियों को आमंत्रित किया गया। तुलसी संगीत सुधा, प्रेक्षा संगीत सुधा, तुलसी स्वर संगम, विजय स्वर संगम आदि मंडलियों ने महाश्रमण जी पर बहुत ही सुंदर गीतों की प्रस्तुति कर वातावरण को महका दिया। साथ ही श्रावक समाज से भी एकल प्रस्तुति का संगान किया गया। सभी साध्वियों द्वारा भी बहुत सुंदर भजनों का संगान किया गया। इस अवसर पर तेरापंथ सभा अध्यक्ष छतर सेठिया, ट्रस्ट अध्यक्ष मनोज डागा, महिला मंडल अध्यक्षा सुमन पटावरी, तेयुप मंत्री धर्मेश नाहर, पदाधिकारीगण, कार्यसमिति सदस्य, किशोर मंडल, कन्या मंडल, संघीय संस्थाओं के पदाधिकारीगण एवं श्रावक समाज उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन तुलसी संगीत सुधा संयोजक प्रवीण बैद ने किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी सेवा ट्रस्ट मागडी द्वारा श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी जयंती के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी की विशेष पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा दी।

हासन यौन शोषण मामला

प्रज्वल का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने के अनुरोध पर केंद्र ने अभी तक नहीं दिया जवाब: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि जारी गिरफ्तारी वारंट के आधार पर महिलाओं के यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने के अनुरोध पर केंद्र की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। उन्होंने कहा कि राजनयिक पासपोर्ट रद्द कर कानून के दायरे में मदद मुहैया कराना केंद्र का कर्तव्य है। सांसद के खिलाफ सिलसिलेवार यौन शोषण के आरोपों की जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने उनके राजनयिक पासपोर्ट को रद्द करने के लिए विदेश मंत्रालय को लिखा था। परमेश्वर ने कहा अभी भी (केंद्र से) कुछ नहीं आया है, केंद्र को भी हमारी मदद करनी चाहिए, हम यही आग्रह कर रहे हैं। केवल आलोचना करने का

कोई मतलब नहीं है, कानून के दायरे में केंद्र को भी हमारी मदद करनी चाहिए। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर (प्रज्वल रेवन्ना का) राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने की मांग की थी, लेकिन हमें इसका कोई जवाब नहीं मिला। अब जब अदालत ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है, एसआईटी ने एक पत्र लिखकर आधिकारिक चैनलों के माध्यम से इसकी सूचना दी है कि उनके खिलाफ वारंट जारी होने के बाद उनका पासप-ोर्ट रद्द करना केंद्र सरकार का कर्तव्य है। केंद्र सरकार को हमारी मदद करनी है, यह रेवन्ना या प्रज्वल रेवन्ना का सवाल नहीं है, यह कानून का सवाल है। उन्हें सहयोग करना होगा। कानून की रक्षा करना केंद्र सरकार का भी कर्तव्य है। 33 वर्षीय प्रज्वल, जो जद (एस) के संरक्षक और पूर्व प्रधान मंत्री एचडी देवेगौड़ा के पोते हैं और हासन लोकसभा क्षेत्र से एनडीए के उम्मीदवार हैं, उन पर महिलाओं के यौन शोषण के कई मामलों का आरोप है। कथित तौर पर प्रज्वल हासन के मतदान के एक दिन बाद 27 अप्रैल को जर्मनी के लिए रवाना हो गए और अभी भी फरार हैं। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के माध्यम से एसआईटी के अनुरोध के बाद, इंटरपोल द्वारा उसके ठिकाने के बारे में जानकारी मांगने वाला एक ब्लू कॉर्नर नोटिस पहले ही जारी किया जा चुका है। निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए एक विशेष अदालत ने एसआईटी द्वारा दायर एक आवेदन के बाद शनिवार को प्रज्वल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

सरकार ने सभी बातों को ध्यान में रखा

जद (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी के इस बयान पर कि उप मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार और भाजपा नेता देवराजे गौड़ा के बीच प्रज्वल से जुड़े स्पष्ट वीडियो के लीक होने के बारे में कथित बातचीत का कथित ऑडियो इस बात का सबूत है कि इस वीडियो को प्रसारित करने के पीछे उप मुख्यमंत्री का हाथ है, परमेश्वर ने कहा कुमारस्वामी हर चीज के बारे में बोल रहे हैं, लेकिन कानून के दायरे में और एसआईटी के आदेश के अनुसार, जो भी करना होगा (जांच), जांचकर्ता करेंगे। सरकार ने सभी बातों को ध्यान में रखते हुए (एसआईटी बनाने का) फैसला किया। हर दिन कुमारस्वामी आल-ोचना में शामिल हो रहे हैं, एक तरह से ऐसा लगता है कि वह एक निश्चित तरीके से (जांच की जाने वाली) दिशा दे रहे हैं।

कांग्रेस सरकार ने 8 माह से किसानों को नहीं दी दुग्ध प्रोत्साहन राशि : आर.अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि राज्य के विभिन्न दुग्ध संघों को दूध की आपूर्ति करने वाले 26 लाख से अधिक किसानों का 703 करोड़ रुपये बकाया है। किसान विरोधी इस कांग्रेस सरकार ने पिछले 8 महीने से किसानों का बकाया प्रोत्साहन राशि रोक रखा है। उन्होंने अपनी आधिकारिक सोशल नेटवर्किंग साइट पर पोस्ट कर कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने चुनाव के दौरान नंदिनी के नाम पर राजनीति की और अब अमृत जैसे दूध किसानों का जहर निचोड़ने का पापपूर्ण काम कर रहे हैं, क्या आप ही हैं, जो कहते थे कि हमारे नंदिनी ब्रांड को बचाएं? आपकी सरकार के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों को प्रायोजित करने के लिए पैसा है, लेकिन नंदिनी ब्रांड को उगाने, बढ़ाने और खिलाने वाले डेयरी किसानों को समय पर प्रोत्साहन देने के लिए पैसे नहीं हैं? एक अन्य ट्वीट में उन्होंने अफसोस जताया कि सरकार कावेरी जल मुद्दे पर कर्नाटक के हितों की रक्षा करने में एक बार फिर विफल रही है, सूखे के बावजूद मई के महीने में तमिलनाडु को 2.5 टीसीएम पानी जारी करने में एक बार फिर आत्मसमर्पण कर दिया। सीएम , जो कई बार राज्य की ओर से वैध तर्क पेश करने के लिए तैयार रहने की चेतावनी को नजरअंदाज कर रहे थे, अब कावेरी की गोद खाली करके कन्नडिगाओं के साथ गलत किया है।

सेक्स पेन ड्राइव स्कैंडल मामला

जेडीएस ने राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कराया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सेक्स पेन ड्राइव स्कैंडल मामले में जेडीएस हासन सिटी इकाई ने राज्य के पुलिस महानिदेशक से कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का आग्रह किया है। जेडीएस शहर इकाई के अध्यक्ष एच एम रमेश गौड़ा, एमएलसी के ए थिप्पेस्वामी और अन्य नेताओं ने बुधवार को डीजीपी से मुलाकात की और रायचूर और शिवमोग्गा में अपने सार्वजनिक भाषणों में यह दावा करने के लिए राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज करने की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपा कि प्रज्वल रेवन्ना ने 400 महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार किया था। जेडीएस के ज्ञापन में कहा गया है कि एक जिम्मेदार नेता द्वारा सार्वजनिक सभाओं को संबोधित करते हुए और मीडिया के सामने पार्टी के हासन सांसद प्रज्वल रेवन्ना द्वारा सामूहिक बलात्कार के संबंध में 'अपमानजनक' दावे करना एक आपराधिक अपराध है और मांग की गई कि आईपीसी की धारा 1860 के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज किया जाना चाहिए। ज्ञापन में कहा गया है कि हासन सेक्स स्कैंडल में सरकार द्वारा गठित एसआईटी और यौन शोषण की स्पष्ट तस्वीरों वाली पेन ड्राइव का प्रसार 'पूरी तरह से एकतरफा' था और इसका इस्तेमाल 'जेडीएस कार्यकर्ताओं और नेताओं को निशाना बनाने और परेशान करने के लिए किया गया।

मुख्यमंत्री में विकास के मुद्दे पर हमारी आलोचना करने की नैतिकता नहीं: कुमारस्वामी

मैसूरु के विकास में सिद्धरामैया अपना यो-गदान बताएं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कांग्रेस सरकार पर नफरत की राजनीति करने और विरोधियों को परेशानी देने का आरोप लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री में विकास के मुद्दे पर हमारी आलोचना करने की नैतिकता नहीं है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया अपने राजनीतिक जीवन के अंतिम पड़ाव पर हैं। उन्होंने मैसूरु के विकास में सिद्धरामैया के योगदान के बारे में बताने की मांग की। चामुंडेश्वरी विधानसभा क्षेत्र में दूषित पानी पीने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस निर्वाचन क्षेत्र का चार बार प्रतिनिधित्व कर चुके सिद्धरामैया की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि इससे पता

चलता है कि उन्होंने कैसे काम किया है। कांग्रेस का काम भाजपा पर आरोप लगाना है। हालांकि राज्य के कई हिस्सों में फसलें बर्बाद हो गई हैं, लेकिन सरकार बयान तक ही सीमित है। प्रदेश में किसानों की आत्महत्याएं थम नहीं रही हैं। इस मामले पर सरकार का ध्यान गया या नहीं, इसकी जानकारी नहीं है। मद्दूर और गदग में किसानों ने आत्महत्या की है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार उनके घर जाकर उन्हें सांत्वना देने का काम नहीं कर रही है। सरकार के प्रायोजन के तहत 30 मई को हासन में एक विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया जा रहा है और अधिकारियों को आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को विरोध प्रदर्शन में लाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि अगर उन्होंने मुझे बताया होता तो मैं कुछ महिलाओं को विरोध प्रदर्शन के लिए भेज देता। इससे पहले कुमारस्वामी ने कहा था कि सांसद प्रज्वल रेवन्ना, जो अभी भी आरोपी हैं, को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पहले ही अपराधी करार दे चुके हैं। प्रज्वल रेवन्ना, जो पूर्व प्रधान मंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते और कुमारस्वामी के भतीजे हैं, कर्नाटक में सेक्स वीडियो कांड के मुख्य आरोपी हैं, जो फिलहाल फरार हैं। यहां पत्रकारों से बात करते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि प्रज्वल रेवन्ना अभी भी मामले में आरोपी हैं। क्या उनका अपराध साबित हो गया है? जांच टीम ने मीडिया में जानकारी लीक कर दी कि कथित वीडियो में किसी व्यक्ति का कोई चेहरा नहीं दिख रहा है। क्या सीएम को यह नहीं पता? नैतिकता बनाए रखने के लिए, प्रज्वल रेवन्ना को पार्टी से निलंबित कर दिया गया था, जब उनके खिलाफ आरोप सामने आए। हमने सीएम सिद्धरामैया की तरह अहंकार नहीं दिखाया है। उनके अहंकार के कारण, सीएम के बेटे का मामला दबा दिया गया था। एक वीडियो में उन्हें फोन पर पूछते हुए दिखाया गया कि सूची में छठा नाम क्यों था, जबकि उन्होंने केवल पांच नाम दिए थे।

उनके बेटे की भूमिका पर सवाल उठाए गए

जब ट्रांसफर माफिया में उनके बेटे की भूमिका पर सवाल उठाए गए, तो उन्होंने कहा कि बातचीत सीएसआर फंड के संबंध में थी। राज्य के लोग इसके बारे में जानते हैं। मुख्यमंत्री ने साबित कर दिया है कि सत्ता का दुरुपयोग करके सबूतों को तोड़ा-मरोड़ा जा सकता है। फिलहाल वो इसी काम में लगे हुए हैं। पेन ड्राइव बांटने वाले आरोपी को आज तक नहीं छुआ जा सका है। कुमारस्वामी ने दावा किया कि सीएम को हल्की टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। वह मेरे सवालों से बच रहे हैं। मामले का इस्तेमाल राजनीतिक प्रचार के लिए किया जा रहा है। विशेष जांच दल (एसआईटी) बर्बादी के अलावा कुछ नहीं है।

बेंगलूरु कैफे विस्फोट मामला

एनआईए ने हुब्बल्ली स्थित सॉफ्टवेयर इंजीनियर और उसके भाई से की पूछताछ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के रामेश्वरम कैफे में हुए विस्फोट की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गिरफ्तार संदिग्ध हमलावर और मास्टरमाइंड के साथ उनके कथित संबंधों के लिए हुब्बल्ली शहर के एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर और उसके भाई से पूछताछ की। सूत्रों ने बुधवार को बताया कि एनआईए ने हुब्बल्ली शहर के घौसिया टाउन में तकनीकी विशेषज्ञ के आवास पर छापेमारी की। छापेमारी के बाद, तकनीकी विशेषज्ञ और उसके भाई को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया गया और देर रात तक उनसे पूछताछ की गई। सॉफ्टवेयर इंजीनियर और उसके भाई से एनआईए आगे की पूछताछ कर रही है। जांच संदिग्ध हमलावर मुसाविर हुसैन शाजिब और मास्टरमाइंड अब्दुल मथीन ताहा के साथ उनके संबंधों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। गिरफ्तार संदिग्धों के पैसे के लेनदेन की जांच एनआईए को सॉफ्टवेयर इंजीनियर और उसके भाई तक ले गई। सूत्रों के मुताबिक, बेलगावी शहर में तकनीकी विशेषज्ञ की पत्नी के आवास पर भी तलाशी ली गई। ऐसा माना जाता है कि तकनीकी विशेषज्ञ और उसके भाई ने कोड भाषा का उपयोग करके संदिग्ध आतंकवादियों के साथ बातचीत की। बेंगलूरु के कैफे में बम विस्फोट के बाद, संदिग्ध हमलावर मुसाविर कथित तौर पर हुब्बल्ली गया, जहां उसे तकनीकी विशेषज्ञ से मदद मिली। मुसाविर ने कथित तौर पर तकनीकी विशेषज्ञ से पैसे प्राप्त किए और फिर छिपने के लिए पश्चिम बंगाल चला गया। मंगलवार को एनआईए ने बेंगलूरु के बनशंकरी और कुमारस्वामी लेआउट में चार आवासों पर छापेमारी की। एनआईए ने संदिग्ध हमलावर मुसाविर हुसैन शाजिब और मास्टरमाइंड अब्दुल मथीन ताहा को अप्रैल में कोलकाता से गिरफ्तार किया था। संदिग्ध आतंकवादियों का लक्ष्य तकनीकी विशेषज्ञों को निशाना बनाना और सॉफ्टवेयर पेशेवरों के बीच डर पैदा करना था। उनका मानना था कि ऐसी घटना से भारत की वैश्विक छवि को नुकसान पहुंचेगा। मुसाविर ने 1 मार्च को बेंगलूरु के कैफे का दौरा किया और परिसर में कम तीव्रता वाला इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस लगाया। विस्फोट में कई कर्मचारी घायल हो गए, जिनमें से कुछ गंभीर रूप से घायल हो गए, जिससे संपत्ति को व्यापक नुकसान हुआ।

एक पुलिस कांस्टेबल ने अपनी प्रेमिका के साथ लगाई फांसी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

यहां के गमानागट्टी में अपनी प्रेमिका के साथ एक पुलिस कांस्टेबल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने वालों की पहचान महेश शेषनूर (32) और विजयलक्ष्मी (30) के रूप में हुई है। महेश शेषनूर, जो धारवाड़ ट्रैफिक पुलिस स्टेशन में कांस्टेबल के रूप में कार्यरत थे, का पहले से शादीशुदा होने के बावजूद विजयलक्ष्मी के साथ रिश्ता था। विजयलक्ष्मी 15 दिन पहले से ही गमानागट्टी में किराए के मकान में रह रही थीं। घर से दुर्गंध आने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मामले की जानकारी होने पर नवीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़ा तो दोनों को फांसी पर लटका पाया। जब शुरुआती जांच की गई तो पता चला कि महेश हर्समूर का पुलिस कांस्टेबल था। जब महेश घर नहीं आया तो लोगों को लगा कि वह कहीं चला गया होगा, लेकिन अब इस घटना ने चिंता बढ़ा दी है। नवीनगर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

फोन टैपिंग पर विपक्ष के आरोपों को किया खारिज

भाजपा की कार्रवाइयों का विवरण उपलब्ध: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्षी भाजपा और जेडीएस नेताओं के खिलाफ कांग्रेस सरकार द्वारा फोन टैपिंग के आर-ोपों को खारिज करते हुए, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि सरकार के पास भाजपा शासन के दौरान सभी गतिविधियों का विवरण है और वह उन्हें जनता के साथ साझा करने के लिए तैयार है। अपने आवास के पास मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि भाजपा के विपक्षी नेता आर अशोक, जिन्होंने बीएस येदियुरप्पा सरकार के तहत गृह मंत्री के रूप में कार्य किया था, को मीडिया के सामने अस्पष्ट बयान देने के बजाय अपने आरोपों पर सरकार को पत्र लिखना चाहिए।

उन्होंने कहा हम जानते हैं कि उनके (भाजपा) शासन के दौरान क्या हुआ, उसका विवरण हमारे पास है। जब अशोक गृह मंत्री थे, तब कुछ अन्य (येदियुरप्पा और बसवराज बोम्मई) ने मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया था। आरोप लगाने के बजाय, उन्हें एक पत्र लिखना चाहिए। जब जेडीएस नेता

एचडी कुमारस्वामी के दावों के बारे में पूछा गया कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के आसपास के लोगों ने विपक्षी नेताओं के फोन टैपिंग के बारे में विवरण प्रस्तुत किया है, तो शिवकुमार ने उन्हें उन सभी लोगों के नाम सूचीबद्ध करते हुए एक हलफनामा दायर करने की चुनौती दी, जिन्होंने उन्हें जानकारी प्रदान की थी। शिवकुमार ने कहा कि सभी मंत्रियों के लिए आयोजित रात्रिभोज बैठक में हम लोकसभा चुनावों और जल्द ही स्थानीय निकायों के चुनाव कराने के बारे में भी चर्चा करेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या जिन मंत्रियों ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस पार्टी के चुनाव अभियान के दौरान अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, वे अपना मंत्री पद खो देंगे, उन्होंने कहा मैं इन सभी चीजों पर सार्वजनिक रूप से चर्चा नहीं कर सकता।

उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ शहर का दौरा कर विभिन्न वार्डों में मानसून की तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा हम किसी भी अप्रिय घटना से बचना चाहते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि वह अच्छे मानसून के लिए प्रार्थना करेंगे ताकि किसान खुश रहें।

स्वाति मालीवाल ने मुख्यमंत्री केजरीवाल पर किया प्रहार

मेरे खिलाफ गंदी बातें बोलने का सबको दिया है टास्क

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट के मामले को लेकर दिल्ली में जबरदस्त सियासत चल रही है। जहां एक तरफ आम आदमी पार्टी इसे भाजपा की साजिश बता रही है वहीं दूसरी तरफ भाजपा के नेता भी इस मामले को लेकर आप को घेरने में लगे हैं। वहीं, स्वाति मालीवाल भी लगातार आम आदमी पार्टी पर हमलावर हैं। मालीवाल ने आम आदमी पार्टी पर बडा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आपा नेताओं पर उनके खिलाफ बयान देने का बहुत दबाव है। कार्यकर्ताओं को उनके खिलाफ अलग-अलग टास्क दिए जा रहे हैं।

स्वाति मालीवाल ने कहा, कल पार्टी के एक बड़े नेता का फोन आया। उसने बताया कैसे सब पर बहुत ज्यादा दबाव है, स्वाति के खिलाफ गंदी बातें बोलनी हैं, उसकी पर्सनल फोटोज लीक करके उसे तोड़ना है। ये बोला जा रहा है कि जो उसको सपोर्ट करेगा उसको पार्टी से निकाल देंगे। किसी को प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की तो किसी को ट्वीट्स करने की ड्यूटी मिली है। किसी की ड्यूटी है अमेरिका में बैठे वॉलंटियर्स को फ़ोन करके मेरे खिलाफ कुछ निकलवाना। आरोपी के कुछ करीबी बीट रिपोर्टर की ड्यूटी है कुछ फर्जी स्टिंग ऑपरेशन बनाकर लाओ।

स्वाति ने कहा, तुम हजारों की फौज खड़ी कर दो, अकेले सामना करूंगी। क्योंकि सच मेरे साथ है। मुझे इनसे कोई नाराजगी नहीं है, आरोपी बहुत शक्तिशाली आदमी है। बड़े से बड़ा नेता भी उससे डरता है। किसी की हिम्मत नहीं उसके खिलाफ स्टैंड ले पाए। मैं किसी से उम्मीद भी नहीं करती। दुख इस बात का लगा कि दिल्ली की महिला मंत्री (आतिशी मारलेना) कैसे हंसते-मुस्कुराते पार्टी की एक पुरानी महिला साथी का चरित्र हरण कर रही है। मैंने अपनी स्वाभिमान की लड़ाई शुरू की है, इंसाफ मिलने तक लड़ाई लड़ती रहूंगी। इस लड़ाई में मैं पूरी तरह अकेली हूं, पर हार नहीं मानूंगी।

आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल केस में गिरफ्तार विभव कुमार को दिल्ली पुलिस मुंबई से वापस ले आई है। मुख्यमंत्री आवास पर राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट करने के मामले की जांच के लिए मंगलवार को पुलिस टीम विभव कुमार को मुंबई ले गई थी। बताया जा रहा है कि मुंबई में बिभव को दिल्ली पुलिस द्वारा तीन स्थानों पर ले जाया गया, सभी तीन स्थानों पर उसके फोन की लोकेशन ट्रैक की गई। पुलिस ने कुछ लोगों के बयान भी दर्ज किए हैं।

भाजपा और कांग्रेस दोनों को चुनाव आयोग की नोटिस

चुनाव प्रचार में मर्यादा बनाए रखें नेतागण

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के बीच राजनीतिक दलों के नेताओं की बयानबाजी का सिलसिला भी जारी है। चुनाव आयोग द्वारा लगातार ऐसे मामलों पर कार्रवाई भी की जा रही है। इस बीच चुनाव आयोग ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को निर्देश दिए हैं। दोनों नेताओं से कहा गया है कि अपने स्टार प्रचारकों को कोई भी बयान देते समय सावधानी बरतने और मर्यादा बनाए रखने के निर्देश दें।

चुनाव आयोग द्वारा चुनाव प्रचार के गिरते स्तर को देखते हुए ये आदेश दिए गए हैं। आयोग ने जाति, समुदाय, भाषा और धर्म के आधार पर प्रचार करने के लिए भाजपा और कांग्रेस दोनों को आड़े हाथों लिया। आयोग ने भाजपा को निर्देश दिए हैं कि पार्टी के नेता अपने भाषणों के दौरान धार्मिक और सांप्रदायिक बयानबाजी न करें। यह भी कहा गया है कि समाज को बांटने वाले बयानों से बचें। चुनाव आयोग ने इस बात पर भी जोर दिया कि चुनाव के समय सत्तारूढ़ दल पर अतिरिक्त जिम्मेदारी होती है।

चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेताओं से कहा है कि आधारहीन बयानबाजी न करें। मुख्य रूप से संविधान को खत्म करने और अग्निवीर योजना खत्म करने वाले बयान न देने के आदेश दिए गए हैं। कांग्रेस प्रचारकों और उम्मीदवारों को साफ निर्देश दिए गए हैं कि वे रक्षा बलों पर राजनीति न करें। साथ ही रक्षा बलों की सामाजिक और आर्थिक संरचना को लेकर विभाजनकारी भाषण न देने का आदेश दिया है।

कश्मीरियों का रुख अब सरसों की फसल उगाने की ओर

जम्मू, 22 मई (ब्यूरो)। कश्मीर के बारामुला के किसान अब्दुल मजीद खान ने एक दशक से अधिक समय से सरसों की फसल उगाना छोड़ दिया था। कड़ी मेहनत और धान के भारी उत्पादन को देखते हुए, उन्होंने अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए चुनिंदा फसलों पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया था।

पर पिछले तीन वर्षों से, खाना पकाने के तेल की कीमतें आसमान छूने के बाद से उन्होंने फिर से सरसों की फसल की ओर रुख किया है। खान के बकौल, हालांकि इस फसल को उगाने के लिए अत्यधिक मेहनत की आवश्यकता होती है, सरसों उगाने से न केवल स्थिर आय सुनिश्चित होती है बल्कि हमें शुद्ध और स्वस्थ खाना पकाने का तेल भी मिलता है।

अब्ध्दुल मजीद खान कोई अकेला मामला नहीं है कश्मीर में क्योंकि उनके गांव के सभी किसानों ने फिर से सरसों उगाना शुरू कर दिया है, जिसे विभिन्न कारणों से वर्षों से टाला जाता रहा है। कीमतों में उतार-चढ़ाव और बाजार में मिलावटी खाना पकाने के तेलों की मौजूदगी पर चिंताओं के बीच, कश्मीरी किसान पारंपरिक सरसों की खेती की ओर लौट रहे हैं, जो इस क्षेत्र में एक बार प्रमुख फसल के पुनरुद्धार का संकेत है।

हाल के वर्षों में, कश्मीर में आयातित खाद्य तेलों में वृद्धि देखी गई है, जो अक्सर मिलावट के कारण कीमतों में उतार-चढ़ाव और गुणवत्ता संबंधी चिंताओं के साथ आते हैं। इससे उपभोक्ताओं के बीच अविश्वास बढ़ गया है और स्थानीय स्तर पर उत्पादित विकल्पों में दिलचस्पी फिर से बढ़ गई है। जानकारी के लिए अब सरसों, कश्मीर की कृषि में एक प्रमुख फसल है, जो क्षेत्र की जलवायु में अपनी बहुमुखी प्रतिभा और लचीलेपन के लिए जानी जाती है। इन बीजों से निकाला गया सरसों का तेल न केवल कश्मीरी व्यंजनों में एक महत्वपूर्ण घटक है, बल्कि सांस्कृतिक महत्व भी रखता है। इसी तरह से पुलवामा के किसान मोहम्मद हनीफ की सुनें तो आयातित तेलों की कीमतों में अस्थिरता और मिलावट के खतरनाक मामलों ने हमें अपनी खेती के तरीकों पर पुनर्विचार करने के लिए प्रेरित किया है।

आंकड़ों के मुताबिक, 2020-21 में कश्मीर में सरसों की खेती का क्षेत्रफल 30,000 हेक्टेयर था। वर्ष 2023-24 के दौरान तिलहन की खेती के अंतर्गत लाया जाने वाला कुल क्षेत्रफल बढ़कर 140000 हेक्टेयर हो गया। और अब सरसों की खेती की ओर बदलाव को विभिन्न सरकारी पहलों और कृषि कार्यक्रमों द्वारा भी समर्थन दिया जा रहा है, जिसका उद्देश्य टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना और क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा को बढ़ाना है। एक सरकारी अधिकारी के मुताबिक, कश्मीर में सरसों की खेती का पुनरुत्थान खाद्य तेल उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। स्थानीय किसानों को सरसों उगाने के लिए प्रोत्साहित करके, हम क्षेत्र की कृषि अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित कर रहे हैं।

अब सबकी नजरें राजौरी-अनंतनाग सीट पर

महबूबा की इज्जत दांव पर भाजपा लड़ रही प्रॉक्सी

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 22 मई। प्रदेश में अंतिम चरण के चुनाव में पुनर्निधारित किए गए संसदीय क्षेत्र राजौरी-अनंतनाग में 25 मई को मतदान होना है जहां भाजपा का एक अच्छा खासा वोट बैंक तो है पर वह सीधे तौर पर मैदान में नहीं है। यही कारण था कि भाजपा द्वारा इस संसदीय क्षेत्र से प्राक्सी मुकाबला करने से पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की इज्जत दांव पर है।

श्रीनगर और बारामुला निर्वाचन क्षेत्रों ने 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने मतदान प्रतिशत के साथ जब इतिहास रचा तो अब सबका ध्यान कश्मीर के अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र पर केंद्रित है, जो राजनीतिक महत्व और साजिश से भरी सीट मानी जा रही है। अनंतनाग-राजौरी सीट, जिस पर 25 मई को लोकसभा चुनाव के छठे और अंतिम चरण में मतदान होगा, 2022 में इसकी चुनावी सीमाएं फिर से निर्धारित होने के बाद क्षेत्र के राजनीतिक परिदृश्य को आकार देने में और भी अधिक महत्व प्राप्त हो गया है।

तत्कालीन जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के लिए यह एक बड़ी चुनौती है क्योंकि 2022 में परिसीमन से पहले अनंतनाग सीट पीडीपी का गढ़ हुआ करती थी। 65 वर्षीय मुफ्ती ने अनुच्छेद 370 हटने से पहले 2004 और 2014 में यह सीट जीती थी। उनके पिता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री, दिवंगत मुफ्ती मोहम्मद सईद ने 1998 में यह सीट जीती थी। जबकि नेकां ने 2019 में (हसनैन मसूदी) और 2009 (महबूब बेग) में सीट जीती।

अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और अपने राजनीतिक मानचित्र को फिर से तैयार करने के बाद पहले चुनाव में अनंतनाग-राजौरी सीट वर्तमान में तीन-तरफा मुकाबले के लिए युद्ध का मैदान है। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख, महबूबा मुफ्ती, नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) के मियां अल्ताफ और अपनी पार्टी के जफर इकबाल मन्हास के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं, जिससे इस चुनाव का परिणाम बेहद अप्रत्याशित हो गया है।

हालांकि पीडीपी को अपने भारतीय ब्लाक साझेदार नेकां से समर्थन की उम्मीद थी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बजाय, फारूक अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली नेकां ने मुफ्ती के खिलाफ अपना उम्मीदवार खड़ा किया। याद रहे दोनों दलों ने जम्मू क्षेत्र की दो सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों का समर्थन किया है।

कश्मीर घाटी में सीट के क्षेत्र में गैर-अनुसूचित जनजाति (एसटी) मुसलमानों का वर्चस्व है, जो कश्मीरी जातीयता के हैं। जम्मू क्षेत्र के इस क्षेत्र में गुज्जर और बकरवाल मुस्लिम समुदायों का वर्चस्व है जिन्हें एसटी के रूप में वर्गीकृत किया गया है, न कि कश्मीरी जातीयता के। जम्मू क्षेत्र में पहाड़ी जातीय समूह की भी बड़ी आबादी है, जिसमें गैर-गुज्जर मुस्लिम, हिंदू और सिख शामिल हैं।

शायद इन जनसांख्यिकीय मजबूरियों के कारण, नेकां ने अनंतनाग-राजौरी सीट से मियां अल्ताफ को मैदान में उतारा है। पचपन वर्षीय अल्ताफ मध्य कश्मीर के गांदरबल के रहने वाले हैं और जम्मू कश्मीर के आदिवासी समुदाय पर राजनीतिक और आध्यात्मिक प्रभाव रखने वाले परिवार से आते हैं। अल्ताफ के परिवार ने 1967 के बाद से नौ विधानसभा चुनाव जीते हैं और राजौरी में कुछ प्रभावशाली आदिवासी परिवारों के साथ निकटता से जुड़े हुए हैं, यह क्षेत्र परिसीमन के बाद सीट में शामिल है।

वर्ष 2022 तक, दक्षिण कश्मीर के निर्वाचन क्षेत्र, जिसे पहले अनंतनाग के नाम से जाना जाता था, में केवल कश्मीर के जिले शामिल थे। हालांकि, घाटी में अनंतनाग क्षेत्र और जम्मू क्षेत्र के राजौरी और पुंछ को मिलाकर एक अनंतनाग-राजौरी सीट बनाई गई, जिससे परिसीमन के माध्यम से सीट की जनसांख्यिकी बदल गई। नई सीट में 18 विधानसभा क्षेत्र हैं - 11 कश्मीर क्षेत्र के शोपियां, कुलगाम और अनंतनाग जिलों में और 7 पीर पंजाल रेंज में जम्मू के पुंछ और राजौरी जिलों के।

जनसांख्यिकी में बदलाव के बाद, अनंतनाग-राजौरी निर्वाचन क्षेत्र का गठन क्षेत्रीय दलों-नेकां और पीडीपी के साथ अच्छा नहीं रहा। दोनों पार्टियों ने 2004 से संसद में इस सीट का आपस में प्रतिनिधित्व किया है। चिंता की बात यह थी कि यह कदम, विशेष रूप से जम्मू के क्षेत्रों को शामिल करते हुए, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कश्मीर में राजनीतिक पैठ बनाने में मदद करना था।

हीट वेव से जूझ रहा कश्मीर जम्मू में भी पारा 43 पार

जम्मू, 22 मई (ब्यूरो)। प्रदेश सरकार एक बार फिर अपने वादे से मुकर गई है। स्मार्ट मीटर लगाने के साथ ही 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति का उसका वादा कश्मीर में पहली बार हीट वेव के बीच तारकोल में ही पिघल कर गुम हो गया है। हालत यह है कि जम्मू संभाग में 43 डिग्री तापमान के बीच 5 से 15 घंटों की जिली कटौती जान निकाल रही है।

बिजली की बदहाली रुलाए जात है

जम्मू संभाग में प्रचंड गर्मी के बीच लगभग सभी शहरों का अधिकतम तापमान 43 के पार हो गया है। लू का प्रकोप बना हुआ है, जिस कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल है लेकिन कश्मीर संभाग में तापमान सामान्य से ऊपर रहने के बावजूद अभी भी सभी शहरों में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे ही चल रहा है। हालांकि कश्मीर में अगले पांच दिनों के दौरान पहली बार हीट वेव की चेतावनी जारी की गई है।

मंगलवार को पारा तक 42.2 डिग्री गया। जम्मू संभाग के मैदानी इलाकों में प्रचंड गर्मी से राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर ने 28 मई तक जम्मू संभाग के मैदानी इलाकों में लू चलने की चेतावनी जारी की है। जम्मू में 43 डिग्री के पार पहुंचे पारे के बीच जम्मू संभाग में छोटी-बड़ी कुल मिलाकर 40 जगहों पर आग लगने की घटनाएं हुईं हैं। राजौरी के दहराल में तीन दिन बाद जंगल फिर धधक उठा। पुंछ के मेंढर में एलओसी पर स्थित कृष्णा घाटी सेक्टर में सीमा पार से लगी आग भारतीय क्षेत्र में आ पहुंची है। इससे बुधवार को लगातार चौथे दिन बारूदी सुरंगों में धमाके होते रहे।

रविवार देर शाम को जिले के कृष्णा घाटी सेक्टर में भारत पाकिस्तान नियंत्रण रेखा के अग्रिम क्षेत्र स्थित जंगलों को पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्र से लगाई गई आग ने चपेट में ले लिया था। इस कारण पिछले काफी दिनों से बने हुए खुष्क मौसम के चलते आग तेजी से बढ़ते हुए एलओसी पर दुश्मन की घुसपैठ को रोकने के लिए बनाई गई माइन फील्ड तक पहुंच गई थी।

इससे वहां दबाई गई बारूदी सुरंगें आग की गर्मी से फटने लगी थी और उनमें जोरदार विस्फोट होने लगे थे, जिनकी आवाजें एलओसी के आस पास के क्षेत्रों में सुनाई दे रही थी।

कल देर शाम को इस पार आई आग आज देर शाम तक बदस्तूर जारी रही। इसके चलते आज भी दर्जनों बारूदी सुरंगों में विस्फोट हुआ।

परंतु सेना एवं वन विभाग ने कड़े प्रयासों से आग पर काबू पाने में सफलता हासिल कर ली।

फर्रुखाबाद में छापा मारने पहुंची आबकारी विभाग की टीम पर हमला, कार क्षतिग्रस्त

फर्रुखाबाद , 22 मई (एजेंसियां)। फर्रुखाबाद जिले के कमालगंज में ताड़ी उतार कर बेचने की सूचना पर आबकारी विभाग की टीम छापा मारने पहुंची तो 12 से अधिक लोगों ने हमला बोल दिया। टीम पर जमकर पथराव किया गया। इसमें एक कार क्षतिग्रस्त हो गई और सिपाही भी घायल हो गया। मामले में 14 ग्रामीणों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

थाना क्षेत्र के भूलनपुर चिरपुरा गांव में अवैध रूप से पेड़ों से ताड़ी उतारने की शिकायत मंगलवार को एसपी व थानाध्यक्ष से की गई थी। बुधवार सुबह करीब 11:30 बजे आबकारी निरीक्षक सचिन त्रिपाठी, राजेश कुमार चौबे व कुमार गौरव सिंह तीन गाड़ियों से पुलिस बल के साथ छापा मारने भूलनपुर पहुंचे। गांव से करीब आधा किलोमीटर पहले निर्माणाधीन पानी की टंकी के पास पेड़ों से मटके बांधकर ताड़ी उतारी जा रही थी। टीम ने पेड़ों के हत्थे काटने की कार्रवाई शुरू कर दी। टीम के आने की भनक लगते ही करीब 12-13 लोग मौके पर पहुंचे।

गाली गलौज करने लगे। टीम ने जब इसका विरोध किया तो ग्रामीणों ने हमला कर ईंट-पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। शीशा तोड़कर कार क्षतिग्रस्त कर दी। हमले के दौरान सिपाही विपिन कुमार घायल हो गए। टीम ने दो लोगों को पकड़ लिया। पुलिस ने घायल सिपाही विपिन का सीएचसी में मेडिकल कराया। थानाध्यक्ष थानाध्यक्ष राजेश राय ने बताया कि आबकारी निरीक्षक की तहरीर पर 14 लोगों के खिलाफ सरकारी काम में बाधा डालने, हमला करने आदि की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

कमालगंज थाना क्षेत्र के भूलनपुर चिरपुरा गांव में पेड़ों से ताड़ी उतारने की शिकायत पर पहुंची आबकारी टीम पर ईंट-पत्थरों से हमला करने के मामले में देर शाम 14 लोगों पर मुकदमा दर्ज कराया गया। आबकारी निरीक्षक ने बताया कि काम रुकते ही ग्रामीणों ने हमला कर दिया।

आबकारी निरीक्षक सचिन त्रिपाठी ने भूलनपुर चिरपुरा निवासी सुखपाल, देवेंद्र उर्फ देव सिंह, सुनील, प्रभु दयाल व 10 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। इसमें कहा कि वह टीम के साथ अभियान के अंतर्गत अवैध ताड़ी कारोबार की रोकथाम के लिए भोजपुर चौकी पुलिस के साथ भूलनपुर गांव से 500 मीटर पहले पहुंचे।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सपा वाले भीख मांगने भी जाएंगे तो माताएं बहनें चप्पल लेकर दौड़ा लेंगी: योगी

भदोही और मछलीशहर लोकसभा सीट के लिए योगी ने किया प्रचार

जौनपुर, 22 मई (एजेंसियां)।

राम का विरोध करते-करते रामद्रोही भारत, हिंदुओं, दलितों- पिछड़ों और आमजन का विरोध करते हैं। यह वही लोग हैं, जो बेटी-व्यापारी की सुरक्षा में सेंध लगाते थे। रामभक्तों पर गोली चल-वाते हैं और माफिया के मरने पर मातम मनाते हैं।

माफिया के मरने पर प्रदेशवासियों को लगा कि बला समाप्त हुई, लेकिन सपा के लोग आंसू बहा रहे थे। मैंने एक सपा नेता से पूछा कि तुम्हें जनता, गरीबों, किसानों, दलितों, पिछड़ों, वंचितों के लिए आंसू बहाते नहीं देखा तो उन्होंने कहा कि यह माफिया हमारे कारिंदे थे, जिनके कारण हम वसूली करते थे।

आप वसूली के हमारे सारे अड्डे ध्वस्त कर देंगे तो हम भीख मांगते दिखाई देंगे। मैंने कहा कि तुम्हें तो कोई भीख भी नहीं देगा, क्योंकि तुम्हारे कारनामे ऐसे हैं कि जिस घर में जाओगे, वहां मां, बहन-बेटी, जूता-चप्पल लेकर दौड़ाएगी। कोई तुम पर विश्वास भी नहीं करने वाला है।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने जौनपुर के मेला मैदान रामपुर, मड़ियाहूं में जनसभा कर मछलीशहर से सांसद व प्रत्याशी बीपी सरोज तथा भदोही से विनोद बिंद को जिताने की अपील की। सीएम योगी ने कहा कि फिर एक बार मोदी सरकार को लेकर देश में उमंग है। अबकी बार-400 पार कहने पर क्षेत्रीय दलों, सपा व कांग्रेस समेत इंडी गठबंधन को चक्कर आता है।

न सपा-कांग्रेस 400 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और टीएमसी 400 सीटों पर चुनाव लड़ने लायक है। आपने तो टीएमसी का नाम पहली बार सुना होगा। टीएमसी के लोग कहते हैं कि साधु-संतों को मारकर भगा देना चाहिए। विश्वामित्र की यज्ञ साधना का विध्वंस करने यह मारीच और सुबाहू कहां से आ गए हैं। इन्हें तो राम-लक्ष्मण ने त्रेतायुग में ही स्वाहा कर दिया है।

सीएम योगी ने कहा कि कल आपने सपा का नजारा देखा होगा। 2014, 2017, 2019, 2022 में हारे और 2024 में हारने जा रहे हैं। उनकी उद्दंडता और अनुशासनहीनता को देखा होगा। जैसा सपा का नारा, वैसा ही नजारा आपने देखा होगा।

सपा का था यही नारा कि खाली प्लॉट है हमारा। मार्च 2017 में भाजपा व मोदी जी ने जैसे ही मुझे प्रदेश का सीएम बनाया। मैंने 24 घंटे का समय दिया और कहा कि इस अवधि में अवैध कब्जा नहीं हटा तो बाप-दादा की संपत्ति से भी वंचित होना पड़ेगा।

फिर 24 घंटे में सपाई गुंडों के सारे कब्जे हट गए थे। कल इन लोगों की मंच पर ही कुश्ती हो रही थी। जो पार्टी अपने नेता और छोटे का ख्याल-बड़ों का लिहाज नहीं रखती हो, वह सभ्य समाज का हिस्सा नहीं हो सकती। जो कारनामे यहां समाजवादी पार्टी के थे, वही पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस का है। इनके नाम भर अलग हैं, लेकिन कारनामे एक हैं। इनके डीएनए कांग्रेस से मिलते-जुलते हैं।

सीएम ने कहा कि सपा के कारण नौजवानों को लोग उप्र के बाहर कमरा तक देने से मना कर देते थे, लेकिन अब देश में लोग कहते हैं कि आप अयोध्या-काशी, मां विंध्यवासिनी की धरती यूपी से हैं। प्रदेश के बाहर यूपी वालों को लोग अब गले से लगाकर सिर आंखों पर बैठाते हैं। सपा ने पहचान का संकट दिया तो भाजपा ने सम्मान बढ़ाया। भाजपा की सरकार है तो भदोही की कालीन दुनिया में धूम मचा रही है। मां विंध्यवासिनी के नाम पर विश्वविद्यालय, मेडिकल कॉलेज दिया है।

इधर काशी विश्वनाथ और इधर मां विंध्यवासिनी धाम शोभा बढ़ा रहे हैं। अयोध्या धाम का भी कार्य हो गया है। अब यदि यदुवंशी जागरूक हो जाएं तो हम यदुवंश कुलभूषण भगवान श्रीकृष्ण की की जन्मभूमि की तरफ भी बढ़ें। सपा अध्यक्ष का मथुरा के मुद्दे पर मुंह बंद हो जाता है। खुद को यदुवंशी कहेंगे, लेकिन श्रीकृष्ण की जन्मभूमि की बात आएगी तो इन्हें वोट बैंक की चिंता होने लगती है। आस्था की कीमत पर वोट बैंक की राजनीति करने वालों की जमानत जब्त कराइए।

सीएम ने कहा कि सपा-कांग्रेसी आतंकियों, माफिया और अपराधियों के सामने घुटना टेकने वाले लोग हैं। पाकिस्तान को अब पता है कि नए भारत को छेड़ने पर वह पाताल लोक से निकालकर जहन्नुम की तरफ भेज देगा। कांग्रेस और सपा वाले आपसे वोट मांगते हैं और कहते हैं कि सरकार बनते ही विरासत टैक्स लगा देंगे यानी उसकी कीमत पर वे आपके पूर्वजों की संपत्ति में से आधी हड़प लेंगे, फिर मुसलमान घुसपैठियों को बांट देंगे। इनके अंदर औरंगजेब की आत्मा घुस गई हैं। औरंगजेब ने काशी विश्वनाथ मंदिर और मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर तोड़ा था। आगरा का ताजमहल बनवाने वाले अपने पिता शाहजहां को कैद कर दिया था।

जनसभा में विधायक अवधेश सिंह, विपुल दुबे, दीनानाथ भास्कर, बेदीराम, आरके पटेल, विधान परिषद सदस्य ब्रजेश सिंह प्रिंसू, भाजपा के क्षेत्रीय मंत्री आशीष सिंह, मछलीशहर के जिलाध्यक्ष रामविलास पाल, भदोही के जिलाध्यक्ष दीपक मिश्र, पूर्व सांसद गोरखनाथ पांडेय, पूर्व मंत्री रंगनाथ मिश्र, पूर्व विधायक सुषमा पटेल, रविंद्र नाथ त्रिपाठी, अनिरुद्ध त्रिपाठी आदि मौजूद रहे

सपा की रैलियों में रोज हो रही भगदड़ मारपीट और अराजकता: योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जौनपुर में की जनसभा

जौनपुर, 22 मई (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव के पांच चरण संपन्न हो चुके हैं। पूरे देश में एक ही स्वर है, फिर एक बार मोदी सरकार, अबकी बार 400 पार। यह सुनते ही समाजवादी पार्टी की स्थिति बहुत बुरी हो जाती है। यह क्षेत्रीय पार्टी 60-62 सीटों पर ही चुनाव लड़ रही है। मध्य प्रदेश के खजुराहो में इनके प्रत्याशी ने नामांकन ही गलत भर दिया। कोई लड़ने के लिए नहीं मिला। जब सपा व कांग्रेस के लोग सत्ता के कोसों दूर हैं, तब भी अपने नेता का सम्मान नहीं कर पा रहे हैं। समाजवादी पार्टी में अभी रोज भगदड़, मारपीट, अराजकता व नूराकुश्ती दिख रही है। जब यह सत्ता में रहे होंगे तो कैसे उत्तर प्रदेश की जनता का खून चूसकर शोषण किया होगा, यह किसी से छिपा नहीं है। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने राजकीय इंटर कॉलेज मुंगराबाद-शाहपुर, जौनपुर में जनसभा को संबोधित किया। सीएम ने बुधवार को पहली रैली में जौनपुर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार कृपाशंकर सिंह को चुनाव चिह्न कमल के फूल पर 25 मई को वोट देने की अपील की।

सीएम योगी ने कहा कि एक तरफ रामभक्त हैं, जो राम के लिए सर्वस्व न्योछावर करते हुए भारत को ताकतवर बनाना चाहते हैं, दूसरी तरफ रामद्रोही राम के साथ ही भारत का विरोध कर रहे हैं। यह कहते हैं कि पाकिस्तान को धमकी मत दीजिए, उसके पास एटम बम है। दाने-दाने के लिए मोहताज पाकिस्तान की धमकी भारत जैसे उस बड़े देश को देते हैं, जो सबसे बड़ी उभरती अर्थव्यवस्था है। सपा-कांग्रेस नेताओं को ऐसा कहते तनिक भी संकोच नहीं होता है। रामद्रोही जातिवादी-परिवारवादी राजनीति करते हैं। यह आपको जाति के नाम पर भी लड़ाएंगे।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने ढूंढ-ढूंढकर दागी, भ्रष्ट व परिवारी दलों के साथ गठबंधन कर देश में अव्यवस्था और अराजकता का ठेका ले लिया है। मोदी जी के नेतृत्व में बदलते भारत में विकास व गरीब कल्याण के अनेक कार्य हो रहे हैं। मोदी जी के नेतृत्व में भारत 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन दे रहा है तो 23 करोड़ पाकिस्तान वाले भूख से मर रहे हैं। पाकिस्तान का राग अलापने वालों का बोरिया बिस्तर चार जून को बांध दीजिए और कहिए कि भारत पर बोझ न बनो, पाकिस्तान जाकर भीख मांगो। इस बार सत्ता में आने पर मोदी सरकार 70 वर्ष से ऊपर के हर व्यक्ति को आयुष्मान भारत के तहत पांच लाख उपचार की सुविधा मिलेगी। देश में चार करोड़ गरीबों के मकान बन गए हैं, शेष बचे गरीबों के मकान भी इस बार बन जाएंगे।

जब सांसद था, तब भी माफिया को मार-मारकर दौड़ाता था: योगी

डुमरियागंज लोकसभा सीट से जगदंबिका पाल को जिताने की अपील

सिद्धार्थनगर, 22 मई (एजेंसियां)।

सपा सरकार के समय प्रदेश के सभी गुंडे-माफिया एकजुट होकर सरकार में शामिल होते थे और प्रदेश को लूटते थे। अनाचार व अव्यवस्था फैली थी। बेटी-व्यापारी असुरक्षित थे। गरीब भूख से मरता था, किसान आत्महत्या करता था, नौजवान पलायन करता था। सपा का था एक ही नारा था, खाली प्लॉट पर कब्जा हमारा। इनके कब्जों को हटाने, माफिया और गुंडों को ठीक करने के लिए हमने बुलडोजर दिया। मैं जब गोरखपुर में सांसद था तो अकेले माफिया को चैलेंज करता था। गोरखपुर में इन्हें मार-मारकर दौड़ाता था। व्यापारियों से कहता था कि जूता-चप्पल लेकर इन्हें दौड़ाओ। जहां मिल जाएं, घरों में चढ़कर हिम्मत तोड़कर भगा दो। 1996 से हमने गोरखपुर में एक भी व्यापारी से रंगदारी वसूली नहीं होने दी। माफिया कोई रहा भी, उसे औकात में रखा। इसलिए गोरखपुर का विकास हुआ और अब ऐसा लगता है कि बाबा गोरक्षनाथ साक्षात प्रकट होकर इस नगरी को आशीर्वाद दे रहे हैं। यही हाल अयोध्या का भी है।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने गोपाल कृष्ण गोखले शिक्षा सदन शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर में जनसभा को संबोधित किया। यहां उन्होंने डुमरियागंज के सांसद व लोकसभा प्रत्याशी जगदंबिका पाल को फिर से सदन में भेजने की अपील की। सीएम योगी ने कहा कि सपा के समय दंगे होते थे। शोहरतगढ़ हो या डुमरियागंज, इटवा हो या कपिलवस्तु, कपिलवस्तु के विशुनपुर में दो यादव मारे गए थे। सपा सरकार में भी एफआईआर तक दर्ज नहीं हो रही थी तब मैं गोरखपुर में सांसद था और वहां से आकर एफआईआर करवाया था। डुमरियागंज में दिव्यांग बालिका से दुराचार हुआ था, तब सपा के लोग बेशर्मी से आरोपियों को बचा रहे थे। हमने तब भी आंदोलन कर परिवार को न्याय दिलाया था, लेकिन आज कोई दुराचारी अनाचार नहीं कर सकता। उसे पता है कि बेटी-व्यापारी और राहगीर की सुरक्षा पर खतरा हुआ तो शाम तक उसकी रामनाम सत्य की यात्रा भी निकल जाएगी। सीएम योगी ने कहा कि गोरखपुर से एक माफिया को लोगों ने लात मारकर भगाया है। अब वह यहां से आकर चुनाव लड़ रहा है। उसके साथ कोई भी शरीफ नहीं होगा, बल्कि सभी माफिया और गुंडे होंगे। यह लोग जनता की गाढ़ी कमाई पर डकैती डालते हैं। सैकड़ों करोड़ रुपये इन लोगों ने खुर्द-बुर्द कर दिया, पैसा ही गायब हो गया। इनके काले कारनामों के कारण पिछले दिनों सीबीआई और ईडी ने छापेमारी कर संपत्ति जब्त की। यह पेशेवर माफिया हैं। गरीबों का खून चूसते हैं, व्यापारी का उत्पीड़न करते हैं और शरीफों का जीना दुश्वार करते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि इन गुंडों और माफिया के खिलाफ कार्रवाई कर हम आमजन को सुरक्षा प्रदान करते हैं। इन्हें किसी भी महत्वपूर्ण पद पर भेजकर भस्मासुर न पैदा करें। देश का भविष्य और वोट आपका, फैसला आपका, इसलिए आपको ही भावी पीढ़ी का भविष्य तय करना है। एक भी अपराधी, माफिया-गुंडा, देशद्रोही, रामद्रोही को आपका वोट नहीं मिलना चाहिए। स्वाभिमानी समाज माफिया व अपराधी को चुनकर भेजता है तो भावी पीढ़ी को अंधकारमय करता है।

सीएम ने कहा कि भाजपा शासन में विकास की देन है कि शोहरतगढ़ से गोरखपुर, बलरामपुर मार्ग, बढ़नी समेत सभी मार्ग चलने लायक हो गया है। भाजपा के अध्यक्ष रहे माधव प्रसाद त्रिपाठी के नाम पर सिद्धार्थनगर में मेडिकल कॉलेज बना। गोरखपुर में एम्स, फर्टिलाइजर शुरू हुआ। कपिलवस्तु को भी विकसित किया जा रहा है।

नमामि गंगे मिशन से बढ़ रहा गांगेय डॉल्फिन का कुनबा

गंगा और उसकी सहायक नदियों में लगभग 4000 डॉल्फिन मौजूद

लखनऊ, 22 मई (एजेंसियां)।

गंगा को स्वच्छ और निर्मल बनाने के लिए डबल इंजन सरकार के साथ ही नमामि गंगे मिशन द्वारा किए जा रहे अभूतपूर्व प्रयासों के फलस्वरूप गंगा नदी में डॉल्फिन का कुनबा बढ़ रहा है। विशेषज्ञ इसे पर्यावरण के लिए अच्छा संकेत बता रहे हैं। इससे पता चलता है कि गंगा में डॉल्फिन को अनुकूल वातावरण मिल रहा है और गंगा का पानी भी साफ है। आने वाले समय में डॉल्फिन की संख्या और बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा है। भारतीय वन्यजीव संस्थान के मुताबिक, इस समय गंगा और उसकी सहायक नदियों में लगभग 4000 डॉल्फिन मौजूद हैं।

एक अनुमान के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में गांगेय डॉल्फिन की संख्या 2000 तक होने की उम्मीद है, जोकि भारत में पाई जाने वाली कुल गांगेय डॉल्फिन की संख्या का आधे से अधिक है। ऐसे में इनके संरक्षण और संवर्धन की सर्वाधिक जिम्मेदारी भी उत्तर प्रदेश की ही बनती है। इसके मद्देनज़र उत्तर

प्रदेश ने राज्य के लिए नई पर्यटन नीति लागू कर चंबल सेंचुरी में डॉल्फिन सेंचुरी क्षेत्र की घोषणा की थी। आज चंबल क्षेत्र में लगभग 111 डॉल्फिन की मौजूदगी दर्ज की गई है।

मालूम हो कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा प्रोजेक्ट डॉल्फिन की घोषणा किए जाने के बाद आम लोगों में इस अनोखे और दुर्लभ स्तनपायी जीव के प्रति उत्सुकता बढ़ी है। दूसरा पहलू यह भी है कि एक बड़ी आबादी अभी इस करिश्माई मेगा-फौना से अपरिचित है। इसलिए गांगेय डॉल्फिनों के संरक्षण से न केवल इस प्रजाति के संरक्षण को लेकर जागरूकता आएगी बल्कि गंगा की निर्मलता और अविरलता के प्रयासों को भी बल मिलेगा।

नमामि गंगे की योजनाओं में जागरूकता और जनभागीदारी मुख्य बिंदु हैं। इस आधार पर वर्ष 2030 तक गांगेय डॉल्फिन की आबादी में स्थिरता लाने और अधिक खतरे वाली प्रजातियों की संख्या दोगुनी करने का लक्ष्य रखा गया है। इस कवायद में स्वच्छ गंगा मिशन ने राज्य सरकारों, विशेषज्ञों, गैर सरकारी संगठनों और स्थानीय लोगों से बेहतर तालमेल बनाने में सफलता पाई है। नमामि गंगे परियोजना के प्रदूषण कम करने के उपायों, आर्द्र भूमि के बचाव और प्रवाह बेहतर करने की पहलों से गांगेय डॉल्फिनों की आबादी को उपयुक्त पर्यावास मिला है। उल्लेखनीय है कि नदी डॉल्फिन भारतीय उपमहाद्वीप की अतिविशेष मेगा-फौना है, जिसे वैश्विक स्तर पर लुप्तप्राय की श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है।

भस्मासुर है इंडी गठबंधन, वोट देकर अपना नुकसान न करें : योगी

सुल्तानपुर लोकसभा सीट के लिए हुई चुनावी जनसभा

सुल्तानपुर, 22 मई (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस और सपा पर हमलावार रुख जारी रखते हुए कहा है कि ये और इनका इंडी गठबंधन भस्मासुर की तरह है, जिन्हें वोट देना और ताकतवर बनाने का मतलब है अपना ही नुकसान करना। ये विरासत टैक्स के जरिए न केवल संपत्ति पर आधा अधिकार जताना चाहते हैं बल्कि एससी, एसटी, ओबीसी के आरक्षण के अधिकार में भी सेंध लगाकर उसे मुसलमानों में बांट देना चाहते हैं। सीएम योगी बुधवार को कादीपुर में सुल्तानपुर लोकसभा सीट से पार्टी प्रत्याशी मेनका गांधी के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

अपने संबोधन के शुरुआत में ही मुख्यमंत्री ने सुल्तानपुर के बीजेपी कार्यकता रामशृंगार निषाद की दु:खद मृत्यु पर संवेदना व्यक्त की और कहा कि पूरी पार्टी इस दु:ख की घड़ी में उनके परिजनों के साथ खड़ी है। सीएम योगी ने कहा कि 55 दिन से देश की जनता जो

उत्साह दिखा रही है, उसका जितना भी अभिनंदन किया जाए वह कम है। उन्होंने कहा कि मगर, सुल्तानपुर में उत्साह होना ही चाहिए, क्योंकि 500 साल का इंतजार खत्म हुआ है। सीएम ने कहा कि आज जनता में एक ही नारा गूंज रहा है, फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार चार सौ पार। इसे सुनकर ही सपा चारों खाने चित हो जाती है। समाजवादी पार्टी तो पहले तय ही नहीं कर पाई थी कि यहां से टिकट किसे दें। एक के बाद एक टिकट बदला और फिर जब किसी को नहीं दे सकी तो गोरखपुर से ठुकराए गये व्यक्ति को यहां पर लाकर रख दिया है। मगर देश की जनता कहती है कि चाहे जितना जोर लगा लो, जीतेंगे तो मोदी ही और आएंगे तो मोदी ही। देश को कह रहा है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे, क्योंकि ये चुनाव रामभक्त और रामद्रोहियों के बीच सिमट गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रामद्रोही षडयंत्रों में लगे हैं। पहले देश को बांटा, फिर क्षेत्र, भाषा और जातियों के आधार पर बांटने का काम किया है, मगर हमें विकसित भारत के लिए कमल खिलाना है। उन्होंने कहा कि हमारी पीढ़ी सौभाग्यशाली है। आज का नया भारत आतंकवाद और नक्सल-वाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्य कर रहा है। पहले आतंकी हमलों पर सरकार मौन रहती थी, अयोध्या, काशी में हमला होता था तो भी सरकार मौन रहती थी। अब तो पटाखा भी जोर से फट जाए तो पाकिस्तान सफाई देने लगता है, क्योंकि उसे पता है कि ये नया भारत किसी को छेड़ता नहीं और कोई छेड़ दे तो उसे छोड़ता भी नहीं।

मुख्यमंत्री ने सुल्तानपुर में हुए विकास कार्यों को गिनाते हुए कहा कि आज यहां अत्याधुनिक ट्रेनें चल रही हैं, अयोध्या, लखनऊ और प्रयागराज के साथ बेहतरीन हाईवे के साथ सुल्तानपुर जुड़ गया है। यहां मेडिकल कॉलेज की सुविधा मिली है, जिसके बारे में कभी किसी ने सोचा भी नहीं होगा। सीएम योगी ने कहा कि एक तरफ श्रीरामलला विराजमान हुए, उधर प्रदेश के माफिया सरगनाओं का रामनाम सत्य भी हो गया। जो बाकि बचे हैं उनके घर में खलबली मची होगी, वो अपने छिपने का ठिकाना ढूंढ रहे होंगे। सीएम ने कहा कि सपा और कांग्रेस का गठबंधन जब भी हुआ है, अनर्थकारी हुआ है। रोज इनकी सभाओं में भगदड़ मच रही है। ये गुंडे सत्ता में आकर क्या करेंगे, जब अभी इनके मंच टूट रहे हैं, इनके नेता और मंच धराशाई हो रहे हैं। ये अपने ही नेता को धक्का देकर गिरा दे रहे हैं, फिर मंच पर कब्जा जमा ले रहे हैं। यही समाजवादी पार्टी का संस्कार हो गया है। इनका मेनिफेस्टो भी खतरनाक बातों से भरा पड़ा है। ये एससी, एसटी, ओबीसी के आरक्षण में सेंध लगाना चाहते हैं। विरासत टैक्स लगाना चाहते हैं। सीएम ने कहा कि ये लोग भस्मासुर जैसे हैं, जिन्हें वोट देना खुद को ही नुकसान पहुंचाने के समान है। कहा कि यूपी में दो लड़कों की जोड़ी बहुत खतरनाक है। इन्हें पता ही नहीं कि क्या करना है। एक तो 11 बजे सोकर उठना है, फिर जल्दी जल्दी उन्हें तैयार करके प्रचार में भेजा जाता है। इन्हें पता ही नहीं क्या, कब और कहां कहना है। सीएम ने अपील की कि जिन लोगों ने सुल्तानपुर को मेडिकल कॉलेज के लिए तरसाया, राममंदिर पर हमला कराया, गरीबों को भूखों मरने और तड़पने के लिए छोड़ा था उनकी जमानत जब्त कराने की आवश्यकता है।

डिंपल भी कुछ कहता है...

मुस्कराते या हंसते समय गालों में गड्ढ़े यानी डिंपल पड़ते हैं उन्हें ब्यूटी स्पॉट के तौर पर देखा जाता है। वैसे तो ये गड्ढ़े लड़के और लड़कियों के समान रूप से पड़ते हैं लेकिन लड़कियों के बारे में शास्त्रों और पुराणों के हैरान करने वाले मत हैं। विष्णु पुराण में बताया गया है हंसते वक्त जिन कन्याओं की गालों में गड्ढ़े पड़ते हैं वे सुखी वैवाहिक जीवन व्यतित करती हैं। पति-पत्नी के संबंधों में लव, केयर और रोमांस हमेशा बना रहता है लेकिन ससुराल से संबंधित एक मामले में डिंपल अशुभ माना जाता है। पुराणों में वर्णित है गालों में गड्ढ़े पड़ने वाली लड़की की

सास स्वर्गवासी होती है और अगर हो भी तो सास-बहू का साथ अधिक दिनों तक नहीं रहता। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार शुक्र अर्थात वीनस को स्त्री, विवाह सुख, आभूषण, भौतिक सुख सुविधाओं का कारक ग्रह माना जाता है। ज्योतिष में शुक्र ग्रह से लव रिलेशनशिप, परफ्यूम, इत्र, अच्छे कपड़े, सुन्दरता, सजावट, नृत्य, संगीत, गाना बजाना, विलासिता, कलात्मक गुण, आदि गुण देखे जाते हैं। लाइफ पार्टनर से सुख कुंडली में शुक्र की स्थिति पर निर्भर करता है। शुक्र का शुभ प्रभाव व्यक्ति को रोमांटिक बनाता है। ज्योतिषशास्त्री कहते हैं कि जन्म से ही गालों में गड्ढे होने से शुक्र मजबूत स्थिति में होता है।

किस दिन कैसे मोजे पहने...?

शास्त्रों में शनि को सबसे असाधारण ग्रह कहा गया है। जो समय आने पर व्यक्ति को रंक से राजा और राजा से रंक बना देता है। कई ज्योतिषविदों और दर्शन शास्त्रीयों ने शनि को क्रूर, पापी निर्दयी ग्रह कहकर संबोधित किया है लेकिन शिव भक्त शनिदेव भगवान शंकर द्वारा निहित जगत के न्यायाधीश हैं जो व्यक्ति को उसके कर्म अनुसार फल देते हैं। शास्त्रों ने शनि की कृपा प्राप्त करने के लिए कुछ सरल और आसान उपाय बताएं हैं जिसके पीछे बहुत गहन अध्ययन और वैज्ञानिक कारण भी हैं। कुछ विशेष उपाय अपनाकर शनि कृपा पाई जा सकती है

- शनिवार को पांव में काले मोजे पहनने से शनि का प्रभाव सातवें भाव में आ जाता है।
- बुधवार के दिन नीले मोजे पहनने से शनि का प्रभाव भाग्य को प्रबल कर देता है।
- मंगलवार के दिन सफेद मोजे शनि के प्रभाव में तेजी लाते हैं और कारोबार में बढ़ौतरी होती है।
- रविवार को खाकी मोजे पहनने से व्यक्ति को अकस्मात अर्थिक लाभ मिलता है।
- सोमवार को लाल मोजे पहनने से शनि व्यक्ति को आत्मशांति प्रदान करते हैं।
- गुरूवार के दिन हरे मोजे पहनने से व्यक्ति चिंताओं से मुक्ति पाता है।
- शुक्रवार को ग्रे रंग के मोजे पहनने से व्यक्ति को दलाली के कामों में सफलता मिलती है।

> अगर आप सच के साथ हैं तो आप हमेशा आराम में रहते हैं और अगर आप झूठ के साथ हैं तो आपको हरदम, रात-दिन मेहनत करनी पड़ती है। आपको अपना झूठ नींद में भी याद रखना पड़ता है। सपने में भी आप वही देखते हैं, क्योंकि अगर आपने इसे हर पल याद नहीं रखा तो वह मिट जाएगा और सच सामने आ जाएगा। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। अगर यह किसी चीज का जाल होता तो आप उससे जूझकर उससे आगे निकल जाते, लेकिन यह झूठ का जाल तो ऐसी चीजों का बना है, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है।

ईमानदार होना मुश्किल क्यों...?

कई ऐसे सच होते हैं, जिनके दूसरों के सामने आने से हम डरते हैं। कभी-कभी तो खुद भी स्वीकार नहीं करते। ये राज भीतर ही भीतर हमें खाए जाते हैं। हम दोहरी जिंदगी जीते चले जाते हैं। बात छोटी हो या बड़ी, ये छोटे-बड़े झूठ हमें मुक्त नहीं होने देते, हमें डराते हैं, हमें कमजोर बनाए रखते हैं। बहुत से लोग हैं, जो दोहरी जिंदगी जीते हैं और बनावट की चादर ओढ़कर खुद में घुटते रहते हैं। एक कहावत आपने सुनी ही होगी- 'सच छिपता नहीं बनावट के उसूलों से, झूठ बिकता नहीं झूठी दलीलों से', यानी सच पर कितने ही पहरे बिठाए जाएं, वह एक न एक दिन बाहर आ ही जाता है। जीत हालांकि सच की ही होती है, लेकिन किस कीमत पर? किसी बात को अपने भीतर छिपाने की शर्म बीमारी, डिप्रेशन, चिंता, गुस्सा या किसी और दर्दनाक तरीके से अभिव्यक्त होती है। किसी भयानक राज को खुद तक सीमित रखना भी खुद को सजा देना जैसा है। अगर आप किसी और की जिंदगी जी रहे हैं, झूठ बोल रहे हैं, आधा सच ही बयां कर रहे हैं, तो यह जिंदगी को खुशमिजाजी और जिंदादिली से जीने में कहीं न कहीं जरूर रुकावट डालेगा। आखिर ईमानदार होना इतना मुश्किल कैसे हो जाता है, जबकि हम सभी सच की अहमियत से वाकिफ हैं। हम सभी बचपन से सच बोलने के आदर्श पाठ सुनते आए हैं, लेकिन फिर भी हम झूठ बोलते ही रहते हैं।

बड़ों की राह पर बच्चे भी

बच्चे मन के सच्चे होते हैं, हमें भले ही लगे कि हम उन्हें धोखा दे रहे हैं, लेकिन वास्तव में ऐसा होता नहीं है। वे हमारे झूठ पहचान लेते हैं और किसी मुश्किल में पड़ने पर वे भी इसी आसान राह पर चलने का प्रयास करते हैं। बच्चे निश्छल होते हैं, इसलिए झूठ बोलते समय सकुचाते भी हैं। पर बड़े माहिर हो जाते हैं। झूठ की बुनियाद पर बहुत से लोग बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी कर देते हैं और सच उनके डर व अहंकार के नीचे कहीं दब सा जाता है।

ऐसे मिलेगा सुकून

हम क्या हैं, यह साफगोई से बता देने में भी कई तरह की चुनौतियां खड़ी होती हैं। कड़वे सच न पचा पाने वाले अक्सर ऐसे लोगों को नकारते हैं, उनका विरोध करते हैं और कई बार उनकी जान के दुश्मन भी बन जाते हैं। लेकिन इन मुश्किलों के बावजूद सच छिपाना इंसान के लिए कहीं ज्यादा मुश्किल हो सकता है। कभी-कभी ऐसी स्थिति भी आती है कि झूठ का बोझ उठाकर लोग इतना उकता चुके होते हैं कि वे हर कीमत पर सच बयां कर देना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में लगता है कि सिर्फ सच बयां करके ही सुकून मिलता है। पर आप सच के साथ खड़े हों, भले ही इसके कारण आपको शर्मिंदगी महसूस हो, आपकी जिंदगी पूरी तरह बदल जाए या फिर आपको इसकी सजा मिले। ऐसा इसलिए, क्योंकि सच बोलने के साथ दिल का बोझ खत्म होने से आपका दुःख भी बहुत हद तक हल्का हो जाता है। आप तकलीफ सहने के लिए खुद को सक्षम बनाने लगते हैं।

कर लें खुद को तैयार

अगर आप महीनों से या सालों से किसी राज को खुद में दफन कर जी रहे हैं, तो आप सच को किस तरह स्वीकार करेंगे और उसे अपनी जिंदगी में पनाह देंगे? यह बहुत कुछ आपके राज या झूठ की गहराई पर निर्भर करता है। लंबे वक्त तक किसी झूठ को जीना जैसे कि किसी का सामान चुराना या किसी को धोखा देना जैसी चीजों को स्वीकार करने के लिए भी खुद को मानसिक रूप से तैयार करने की जरूरत होती है। झूठ चाहे छोटा हो या बड़ा, उससे अपनी शख्सियत को पूरी तरह मुक्त कर लेने पर ही आजादी और सुकून मिलता है।

जल्द स्वीकार करें

अगर आपने झूठ बोला है तो जल्द से जल्द उसे स्वीकार कर लें और उसके लिए माफी मांग लें। सच की बुनियाद आपके अंदर साहस पैदा कर आपको अंदर से मजबूत बना देगी। अगर आपको लगता है कि आपके सच बोल देने से किसी इंसान की जिंदगी बर्बाद हो सकती है तो आप किसी सलाहकार की मदद लें कि आपको सच बताना चाहिए अथवा नहीं। अगर हकीकत किसी को जिंदगी भर के लिए दर्द दे सकती है तो उसे उस व्यक्ति को जाहिर न करना ही उचित है, लेकिन स्वयं आपके लिए किसी सलाहकर से यह सच बांटना बेहद जरूरी है।

खुद को तलाशें

अगर आप किसी और की जिंदगी जी रहे हैं तो उचित यह होगा कि आप खुद को तलाशें और खुलकर अपनी असल शख्सियत दूसरों के सामने जाहिर करें। आप खुद से सवाल करें कि आपको क्या अच्छा लगता है और क्या अच्छा नहीं लगता, क्या सच लगता है और क्या झूठ, किस चीज से आपको खुशी और ऊर्जा मिलती है और किस चीज से आप दूर रहना चाहते हैं। इससे आपकी तमाम दुविधाएं दूर हो जाएंगी। यह भी सच है कि कृत्रिम, भौतिकवादी और अहंकार को तुष्ट करने वाले जीवन से कभी संतोष नहीं मिल सकता।

तो होंगे गंभीर परिणाम

अगर आप झूठ बोलकर किसी का फायदा उठा रहे हैं तो झूठ बोलने की तरह इसके परिणाम भी गंभीर हो सकते हैं और आपका आत्मसम्मान दांव पर लग सकता है। झूठ के दलदल में फंस जाने के बावजूद सच के उजाले को खुद तक पहुंचने दीजिए, यह किसी ठंडी छांव की तरह आपको तरावट दे जाएगा। जिंदगी में कभी ऐसे मौके भी आते हैं, जब झूठ का सहारा लेना जरूरी हो जाता है। अगर झूठ बोलने से किसी की जिंदगी बचाई जा सके, किसी को हताशा के अंधकार में डूबने से बचाया जा सके, नाउम्मीद हो चुके इंसान के अंदर जीने की ललक जगाई जा सके, तो ऐसा झूठ बोलना बुरा नहीं है।

मजबूत लोग

चोट अगर हाथ में लगी है तो घाव भी हाथ का ही साफ करना होगा, पैर का नहीं। गड़बड़ी यदि भीतर की है तो दुनिया को चुप कराने से क्या हासिल होगा। मान-अपमान जब अपने मन में है तो समाधान भी वहीं ढूंढ़ना होगा। - कई बार मजबूत बनना ही जिंदगी को आगे बढ़ाने का एकमात्र विकल्प होता है। हर दिन जीवन को साधने का संघर्ष करना ही पड़ता है। ऐसे में मजबूत अपने दर्द व आंसुओं को छुपाने वाले नहीं, उन्हें गले लगाने वाले होते हैं। जो दर्द महसूस करते हैं, उसे समझते हैं और उसे स्वीकार करते हुए आगे बढ़ते हैं। किसी ने कहा है कि अक्सर सुबह मजबूत दिख रहे लोग वे होते हैं, जिनकी रात रोते हुए बीती होती है।

घाटे के सौदे

कई लोग छोटी बातों पर शोर मचाने लगते हैं और बड़ी बातों पर चुप रह जाते हैं। छोटे से लाभ के फेर में अक्सर घाटे के सौदे कर लेते हैं। चंद जरूरतें, स्वार्थ और डर के पिंजरे में खुद को कैद रख हर रोज कई खुशियों की तिलांजलि दे रहे होते हैं। जर्मन मूल के अमेरिकी उपन्यासकार चार्ल्स ब्यूकोस्की कहते हैं कि बड़े अजीब हैं हम। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा होते रहते हैं।

झूठ के लिए करनी पड़ती है मेहनत...

झूठ एक विशेष योग्यता है। अगर आपको झूठ का जाल बुनना है, तो आपको बहुत कुछ करना पड़ता है। सत्य वह है, जिसे कोई निपट मूर्ख भी कर सकता है, क्योंकि इसमें कुछ भी करने की जरूरत नहीं होती। सत्य को बनाए रखने की जरूरत नहीं होती, जबकि असत्य की काफी देखभाल करनी पड़ती है। इसके लिए आपके पास काबिलियत होनी ही चाहिए। असत्य की जड़ क्या है? कहां से वो सारी चीजें शुरू होती हैं, जो सत्य नहीं है? दरअसल, जब सूक्ष्म व अभौतिक, भौतिक के संपर्क में आता है तब असत्य शुरू होता है। सूक्ष्म- जो भौतिक नहीं है, कुछ समय तक भौतिक के संपर्क मे रहने के बाद यह मानने लगता है कि यह भौतिक ही है। इस दुनिया में रहने वाला कोई भी आध्यात्मिक इंसान कुछ समय के बाद यह सोचने लगता है कि वह एक सांसारिक प्राणी है, जो आध्यात्मिक होने की कोशिश कर रहा है। सच तो यह है कि आप आध्यात्मिक होने की कोशिश नहीं कर रहे हैं, बल्कि आप आध्यात्मिक ही हैं। समय के साथ-साथ आपने सांसारिक वस्तुओं को इकट्ठा कर लिया और अब आपको लगता है कि आप सांसारिक हैं। यह एक झूठ है। आप आध्यात्मिक ही हैं। आप कुछ और नहीं हो सकते।

पहचान बना लेना

अगर कुल मिलाकर देखें तो समस्या पहचान बनाने की है। आप किसी चीज के साथ अपनी पहचान बना लेते हैं और दिमाग का स्वभाव कुछ ऐसा है कि इसे आप जो भी पहचान देंगे, यह भरोसा करने लगता है कि यह वही है। अगर आप खुद को मोर मान लेंगे तो आप उसी की तरह व्यवहार करने लगेंगे। आपका दिमाग आपको यह भरोसा दिला देगा कि आप वही हैं। एक बार अगर पहचान बन गई तो असुरक्षा की भावना आ जाएगी, क्योंकि झूठ की हमेशा रक्षा करनी पड़ती है और उसका पोषण भी करना पड़ता है। अगर आप किसी से झूठ बोलते हैं तो आपको हर पल उस झूठ को याद रखना पड़ता है, क्योंकि अगर आपसे किसी ने अचानक कुछ पूछ लिया तो आप कहीं कुछ और न बता बैठें।

याद रखना पड़ता है झूठ

अगर आप सच के साथ हैं तो आप हमेशा आराम में रहते हैं और अगर आप झूठ के साथ हैं तो आपको हरदम, रात-दिन मेहनत करनी पड़ती है। आपको अपना झूठ नींद में भी याद रखना पड़ता है। सपने में भी आप वही देखते हैं, क्योंकि अगर आपने इसे हर पल याद नहीं रखा तो यह मिट जाएगा। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। अगर यह किसी चीज का जाल होता तो आप उससे जूझकर उससे आगे निकल जाते, लेकिन यह जाल तो ऐसी चीजों का बना है, जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं है।

जितना जूझेंगे उतना उलझेंगे

झूठ से आप कैसे जूझेंगे? आप इससे जितना उलझेंगे, यह असत्य उतना ही वास्तविक होता जाएगा। जैसे ही आप अपनी पहचान बना लेते हैं, आपका दिमाग उसके इर्द-गिर्द काम करने लगता है और असत्य का एक जाल बुन लेता है, ऐसी चीजों का जाल जिनका सच्चाई से कोई वास्ता नहीं, बल्कि यों कहें कि जिनका कोई अस्तित्व ही नहीं। जिन चीजों का कोई अस्तित्व ही नहीं है, उनसे लड़ना सबसे मुश्किल काम है। आप इससे जितना उलझेंगे, यह असत्य उतना ही वास्तविक होता जाएगा। अगर कल सुबह आप कहें क्या आपने लाल मोर देखा? देखा आपने लाल मोर? आप इस बात को बार-बार कहिए और फिर देखिए लोग लाल मोर देखना शुरू कर देंगे। दिमाग का स्वभाव ही ऐसा है कि आप इससे कुछ भी मनवा सकते हैं। यह दिमाग की खूबसूरती भी है और यही इसका खतरा भी। यह खुद अपनी एक दुनिया रच लेता है। अगर यह काम सचेतन होकर किया जाए तो यह दुनिया बड़ी खूबसूरत होगी और अगर आप इसके जाल में फंस गए तो यह बहुत भद्दी होगी।

पानी के चौकाने वाले तथ्य...

पानी के बारे में एक नहीं, कई चौंकाने वाले तथ्य हैं। विश्व में और विशेष रुप से भारत में पानी किस प्रकार नष्ट होता है इस विषय में जो तथ्य सामने आए हैं उस पर जागरुकता से ध्यान देकर हम पानी के अपव्यय को रोक सकते हैं। अनेक तथ्य ऐसे हैं जो हमें आने वाले खतरे से तो सावधान करते ही हैं, दूसरों से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और पानी के महत्व व इसके अनजाने स्रोतों की जानकारी भी देते हैं। प्रकृति के खजाने से हम जितना पानी लेते हैं, उसे वापस भी हमें ही लौटाना है। हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते अतः प्राकृतिक संसाधनों को दूषित न होने दें और पानी को व्यर्थ न गंवाएं यह प्रण लेना आज के दिन बहुत आवश्यक है।

पानी की बर्बादी

मुंबई में रोज वाहन धोने में ही 50 लाख लीटर पानी खर्च हो जाता है। दिल्ली, मुंबई और चेन्नई जैसे महानगरों में पाइप लाइनों के वॉल्व की खराबी के कारण रोज 17 से 44 प्रतिशत पानी बेकार बह जाता है।

कितना पानी काम का

हमारी पृथ्वी पर एक अरब 40 घन किलो लीटर पानी है। इसमें से 97.5 प्रतिशत पानी समुद्र में है, जो खारा है, शेष 1.5 प्रतिशत पानी बर्फ के रूप में ध्रुव प्रदेशों में है। इसमें से बचा एक प्रतिशत पानी नदी, सरोवर, कुओं, झरनों और झीलों में है जो पीने के लायक है। इस एक प्रतिशत पानी का 60 वां हिस्सा खेती और उद्योग कारखानों में खपत होता है। बाकी का 40 वां हिस्सा हम पीने, भोजन बनाने, नहाने, कपड़े धोने एवं साफ-सफाई में खर्च करते हैं।

भारत और इजराइल

इजराइल में औसतन मात्र 10 सेंटीमीटर वर्षा होती है, इस वर्षा से वह इतना अनाज पैदा कर लेता है कि वह उसका निर्यात कर सकता है। दूसरी ओर भारत में औसतन 50 सेंटीमीटर से भी अधिक वर्षा होने के बावजूद अनाज की कमी बनी रहती है।

पानी के लिए हत्याएं

पिछले 50 वर्षों में पानी के लिए 37 भीषण हत्याकांड हुए हैं। भारतीय नारी पीने के पानी के लिए रोज ही औसतन चार मील पैदल चलती है। पानीजन्य रोगों से विश्व में हर वर्ष 22 लाख लोगों की मौत हो जाती है।

कितना पानी खर्च

यदि ब्रश करते समय नल खुला रह गया है, तो पांच मिनट में करीब 25 से 30 लीटर पानी बर्बाद होता है। बाथ टब में नहाते समय 300 से 500 लीटर पानी खर्च होता है, जबकि सामान्य रूप से नहाने में 100 से 150 पानी लीटर खर्च होता है। विश्व में प्रति 10 व्यक्तियों में से 2 व्यक्तियों को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल पाता है।

नदियों में प्रदूषण

प्रति वर्ष 3 अरब लीटर बोतल पैक पानी मनुष्य द्वारा पीने के लिए प्रयुक्त किया जाता है। नदियां पानी का सबसे बड़ा स्रोत हैं। जहां एक ओर नदियों में बढ़ते प्रदूषण रोकने के लिए विशेषज्ञ उपाय खोज रहे हैं वहीं कारखानों से बहते हुए रसायन उन्हें भारी मात्रा में दूषित कर रहे हैं। ऐसी अवस्था में जब तक कानून में सख्ती नहीं बरती जाती, अधिक से अधिक लोगों को दूषित पानी पीने का समय आ सकता है।

कितना पानी चाहिए

पीने के लिए मानव को प्रतिदिन 3 लीटर और पशुओं को 50 लीटर पानी चाहिए। 1 लीटर गाय का दूध प्राप्त करने के लिए 800 लीटर पानी खर्च करना पड़ता है। एक किलो गेहूं उगाने के लिए 1 हजार लीटर और एक किलो चावल उगाने के लिए 4 हजार लीटर पानी की आवश्यकता होती है। इस प्रकार भारत में 83 प्रतिशत पानी खेती और सिंचाई के लिए उपयोग किया जाता है।

आलस्य से निपटना जरूरी...

आलस्य क्या है, असलियत में थकने से पहले थक जाना, कुछ नया करने से बचना, अनावश्यक रूप से धैर्यवान होना या फिर चीजों को टालते रहने की एक प्रवृत्ति। वैसे आलस कुछ और नहीं खुद से अनजान होना भी है और अगर आप अपने जरूरी काम आसानी से पूरे कर लेते हैं, तो आलस जिंदगी को सुकून से जीना और अपने हर काम को आनंद से करना भी है।

आलस दो तरह का होता है। पहला, आप पहले मेहनत करके अपना काम पूरा करते हैं और फिर कुछ समय बिना कुछ किए आलस में बिताना चाहते हैं। दूसरा, जहां जब कुछ करने के लिए कोई प्रेरणा ही नहीं होती। आप कुछ न कर पाने के कारण बेचैन तो रहते हैं, पर वह जोश नहीं होता जो काम तक ले जाए। आप जानते ही नहीं कि क्या करना चाहते हैं? इस हाल में लंबे समय तक हमारा कुछ न करना, कामों को टालना, रोजमर्रा के कामों को मजबूरी मानते हुए करना और कुछ नहीं धीरे-धीरे पल रही निराशा का संकेत है। इससे आप अपना समय कम मेहनत वाली और उबाऊ चीजों में बिताने लगते हैं। इस आलस्य से निपटना बेहद जरूरी है।

विशेषता, चुनाव या बहाना?

मनोविज्ञान के अनुसार, व्यक्तित्व केवल गुण और दोष से मिलकर नहीं बनता। हमारी जरूरत, काम, मकसद और मंजिल भी इससे जुड़े होते हैं। जो है, केवल वह नहीं, जो कर रहे हैं वह भी व्यक्तित्व है। ऐसे में यह सोचना होता है कि आलस, विशेषता है, चुनाव है या फिर बहाना। साइकोएनालिटिक साइकोथेरेपिस्ट कहते हैं कि आलस की जरूरत से ज्यादा आलोचना की जाती है। आलसी का ठप्पा लगा देने से इस बात को समझने में कतई मदद नहीं मिलती कि कोई व्यक्ति क्यों वह काम नहीं कर रहा, जो वह करना चाहता है या उसे करना चाहिए।

कई तरह के छिपे डर

साइकोथेरेपिस्ट आलस के पीछे कई तरह के छिपे डर भी बताते हैं। कुछ न करना, असफल व सफल होने का डर, दूसरों की अपेक्षाएं, असंतुष्टि, प्रेरणा की कमी व बहस बाजी से बचने की कोशिश में ओढ़ा गया लबादा भी होता है। इस तरह आलस को समस्या मानने की जगह उसे अन्य समस्याओं के लक्षण के तौर पर समझना चाहिए। यह इस ओर भी इशारा करता है कि आप सोचते हैं कि स्थितियों को बदला नहीं जा सकता।

वजह को ढूंढना जरूरी

यह सच है कि आलस की वजह को न ढूंढना और लंबे समय तक जरूरी कामों से बचते रहना करियर, रिश्तों और जिंदगी के रस को कम कर सकता है। एक समय के बाद लगातार काम करते रहने से बचना खुशी से ज्यादा दर्द देने लगता है। धीरे-धीरे बचे हुए कामों का ढेर आपको अपने बारे में, अपने कामों और रिश्तों बारे में खराब महसूस कराने लगता है।

संपादकीय

गर्मी का अहसास

कभी हिमाचल ग्रीष्म ऋतु के काबिल और मुकाबिल था, लेकिन अब वो फिजाएं शर्मिंदा हैं। वर्तमान दौर की गर्मी ने हिमाचल के कई हिल स्टेशन तक को पसीना-पसीना कर दिया है, तो यह स्थिति हमारी योजनाओं-परियोजनाओं की चुगली कर रही है। कंक्रीट के घनत्व में होता विकास और जीवन शैली की नव अदाओं में फंसा उपभोक्तावाद, हमारे जुर्म की स्वीकारोक्ति है। हिमाचल को अगर मौसम विभाग के नक्शे पर पढ़ा जाए, तो पर्यटन का यह सीजन एक अलग तरह की चेतावनी है। बेशक चढ़ती गर्मी ने पर्यटन की खुमारी बढ़ा दी है, लेकिन इसके भीतर की बीमारी नहीं समझी तो मुफ्त में बदनाम हो जाएंगे। हम अटल टनल के दोनों छोरों पर नाच कर किसे डरा रहे। एक हफ्ते में करीब तीन लाख पर्यटकों का जमावड़ा हमारी संगत का नशा है या इसकी धमक उन ग्लेशियरों से मुखातिब होगी जो पहले ही ऊना के चढ़ते पारे से खुद को बचाने के लिए हाय तौबा मचा रहे हैं। एक सप्ताह में 55 हजार के करीब वाहनों का द्वार बनी अटल टनल की हैरानी समझी जानी चाहिए। आखिर यह पर्यटन है किस कीमत पर। पूरा साल एक तरफ और गर्मियों का पर्यटन दूसरी तरफ। अगर हम अस्सी प्रतिशत पर्यटकों के लिए अपनी गर्मियों को हाजिर कर रहे हैं, तो यह सीजन सुविधाओं का नहीं, दुविधाओं का है। ट्रैफिक जाम की गर्मी में पर्यटक सीजन की नकारात्मक तस्वीर का एक पहलू यह कि शिमला, मनाली, मकलोडगंज, मंडी सहित अनेक डेस्टिनेशन परिवहन की त्रासदी बन चुके हैं। पर्यटन का एहसास अगर प्रदेश की नेमत नहीं बन रहा तो एक दिन कारवां उजड़ जाएगा, इसलिए पर्यटन सीजन को पूरे साल में बांटना होगा, खास तौर पर धार्मिक और संत समागमों को ग्रीष्मकालीन महीनों में अनुमति नहीं देनी होगी। ग्रीष्मकाल में हिमाचल की अपनी जरूरतों के मुताबिक बिजली, पानी और सिंचाई की आपूर्ति केवल कुछ गुंजाइश छोड़ती है। ऐसे में पांच करोड़ पर्यटकों के लक्ष्य में अस्सी फीसदी हिस्सा कल अगर गर्मियों में पहुंच गया, तो सारी व्यवस्था ठप हो जाएगी। भले ही जलवायु परिवर्तन के कारणों से दबा अलनीनो कमजोर होकर उत्तर भारत के तापमान को बढ़ा रहा है, लेकिन इसकी बदलती भूमिका में पहाड़ का दर्द बढ़ रहा है। हिमाचल जैसे राज्य के लिए हर ऋतु का नियमित व्यवहार अपेक्षित है, लेकिन आगे सरक रहे मौसम के व्यवहार ने अतिवादी रुख अपनाना शुरू किया है। मई के आरंभ तक सर्दी में दिन गिन रहे हिमाचल को अगर अब भयंकर गर्मी में उबलना पड़ रहा है, तो इसके साथ जुड़ी हिदायतों में स्थानीय निकायों की योजनाएं-परियोजनाएं नत्थी हैं। कृषि-बागबानी विभाग को नए सिरे से घुंघरू पहनने पड़े हैं, तो बरसाती इंतजामों की जद में एक नया चेतावनी सिस्टम खड़ा करना पड़ेगा। हद यह कि गर्मियों में लगभग सूखने के कगार पर खड्डें और नाले आगे चलकर बरसात में खूनी मंजर से भर जाते हैं। ऐसे में जल प्रबंधन की नाव को एक ओर सुरक्षा का छोर चाहिए, तो दूसरी ओर आपूर्ति के लिए जलधारा की उत्पत्ति चाहिए। विडंबना यह है कि जल शक्ति विभाग सीधे जल के उद्गम को निचोड़ते-निचोड़ते गर्मियों में लाचार और फटेहाल हो जाता है, फिर भी कोई सबक नहीं सीखता। जो जल प्रपात हमारे पर्यावरण व पर्यटन की आभा को संरक्षित कर सकते हैं, उनके हलक से भी अनावश्यक पानी खींच कर विभाग ने खतरे पैदा कर दिए हैं। धर्मशाला का भागसू जल प्रपात इसका एक बड़ा उदाहरण है, जहां सेना की छावनी ने इसके अस्तित्व को ही सुखा दिया है। हिमाचल कल तक मौसम की उलझन में सिर्फ बर्फबारी पर ही सचेत होता था, जबकि अब गर्मी और बरसात भी इसका चीरहरण कर रहे हैं। चढ़ते पारे की सुर्खियों में हिदायतों को जितना जल्दी पढ़ेंगे, उतना ही सही होगा।

> वर्तमान दौर की गर्मी ने हिमाचल के कई हिल स्टेशन तक को पसीना-पसीना कर दिया है, तो यह स्थिति हमारी योजनाओं-परियोजनाओं की चुगली कर रही है। कंक्रीट के घनत्व में होता विकास और जीवन शैली की नव अदाओं में फंसा उपभोक्तावाद, हमारे जुर्म की स्वीकारोक्ति है। हिमाचल को अगर मौसम विभाग के नक्शे पर पढ़ा जाए, तो पर्यटन का यह सीजन एक अलग तरह की चेतावनी है। बेशक चढ़ती गर्मी ने पर्यटन की खुमारी बढ़ा दी है, लेकिन इसके भीतर की बीमारी नहीं समझी तो मुफ्त में बदनाम हो जाएंगे। हम अटल टनल के दोनों छोरों पर नाच कर किसे डरा रहे। एक हफ्ते में करीब तीन लाख पर्यटकों का जमावड़ा हमारी संगत का नशा है या इसकी धमक उन ग्लेशियरों से मुखातिब होगी जो पहले ही ऊना के चढ़ते पारे से खुद को बचाने के लिए हाय तौबा मचा रहे हैं। एक सप्ताह में 55 हजार के करीब वाहनों का द्वार बनी अटल टनल की हैरानी समझी जानी चाहिए। आखिर यह पर्यटन है किस कीमत पर। पूरा साल एक तरफ और गर्मियों का पर्यटन दूसरी तरफ। अगर हम अस्सी प्रतिशत पर्यटकों के लिए अपनी गर्मियों को हाजिर कर रहे हैं, तो यह सीजन सुविधाओं का नहीं, दुविधाओं का है। ट्रैफिक जाम की गर्मी में पर्यटक सीजन की नकारात्मक तस्वीर का एक पहलू यह कि शिमला, मनाली, मकलोडगंज, मंडी सहित अनेक डेस्टिनेशन परिवहन की त्रासदी बन चुके हैं।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के भी किस्से कम चटपटे नहीं थे

राजनीति और यौन शोषण

डा. वरिंदर भाटिया

कर्नाटक के एक उच्च नेता के पोते से जुड़ा यौन शोषण का मुद्दा चर्चा में है। कटु सत्य है कि आज राजनीति और यौन शोषण एक-दूसरे के पूरक बन रहे हैं। अतीत में और आज तक दुनिया भर में राजनेताओं के सेक्स स्कैंडल में शामिल होने के अनगिनत मामले सामने आए हैं। इस बिन्दु पर अपना देश भी अपवाद नहीं है। सत्ता की खुमारी के साथ अपनी वासनाओं को तृप्त करने की इच्छा को पूरी करने वाली कुछ खास शख्सियतों की प्रेमलीला हमेशा से ही दिल लुभाती रही है। कुछ समय पहले पाकिस्तान की फिजाओं में हिना और बिलावल के अफेयर के किस्से काफी मसाले के साथ उड़ रहे थे। कुछ अरसा पहले बांग्लादेश के एक वीकली टेबलॉयड की खबर में कहा गया था कि हिना और बिलावल का इश्क काफी हद तक परवान चढ़ चुका था और दोनों शादी करने का मन बना चुके थे। हिना तो बिलावल के लिए अपनी शादीशुदा जिंदगी को खत्म करने का मन बना चुकी थी। अमेरिका के भूतपूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के भी किस्से कम चटपटे नहीं थे। क्लिंटन के बारे में तो यह कहा जाता है कि वे एक साथ कई लड़कियों से सेक्स संबंध बनाते थे। राष्ट्रपति निवास में इंटर्न मोनिका लेंविस्की के साथ उनके अंतरंग संबंधों के किस्से तो काफी चर्चित हैं। लीबियाई तानाशाह नेता मुअम्मर अल गद्दाफी के नौकर की मानें तो गद्दाफी भी सेक्स के आदी थे। साल 2008 में गद्दाफी ने ब्रिटिश ट्रेड एंबेसेडर प्रिंस एंड्रयू के साथ मुलाकात से कुछ घटों पहले चार महिलाओं के साथ संबंध बनाए थे। फैसल के मुताबिक ये महिलाएं कोई और नहीं बल्कि गद्दाफी की बॉडीगार्ड थीं। मीडिया रिपोर्ट बताती है कि इटली के एक प्रधानमंत्री सिल्वियो बर्लुस्कोनी ने मिलान स्थित अपने विला में मोरक्को की एक टीनएजर के साथ 13 बार पैसे देकर सेक्स संबंध बनाए। खबर तो यहां तक है कि बर्लुस्कोनी इस तरह का अय्याश रहा कि उसके सहयोगी लड़कियों का इंतजाम करते थे। न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर इलियट स्पाइजर का नाम तो सेक्स स्कैंडल में इस तरह उछला कि उन्हें अपने पद से हाथ धोना पड़ा। पेशे से गायिका अलेक्जेंड्रा डुप्रे से उनका शारीरिक संबंध था। डुप्रे को एक घंटे के लिए वो एक हजार डॉलर देते थे। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी की कहानियां तो और भी मजेदार हैं। कई लड़कियों के साथ सेक्स और अपनी न्यूड तस्वीरों को जारी करने में हैरी भी कम नहीं। भारतीय राजनीति में भी ऐसे कई सेक्स स्कैंडल सामने आए हैं जिन्हें जानकर पूरा देश हैरान हो जाता है। यह पहला मामला नहीं है, जब किसी सेक्स स्कैंडल का असर राजनीति में पड़ा है। प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार 1978 में मेनका गांधी की पत्रिका ने एक ऐसे ही मामले का खुलासा कर बाबू जगजीवन राम जी की राजनीति खत्म कर दी थी। बेटे के सेक्स स्कैंडल ने जगजीवन राम जी का सपना तोड़ दिया। मीडिया पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार 1978 में सूर्या नाम की पत्रिका ने बाबू जगजीवन राम के बेटे सुरेश राम के सेक्स स्कैंडल का खुलासा किया। इस पत्रिका की संपादक एक वर्तमान नेत्री थीं। पत्रिका में सुरेश की कई अश्लील तस्वीरें भी छापी गई थीं। इन तस्वीरों को पत्रिका में छाप दिया गया। इन तस्वीरों में जो महिला सुरेश के साथ थी वह उनकी कथित गर्लफ्रेंड थी और अश्लील तस्वीरें सामने आने के बाद दोनों ने शादी भी कर ली थी। हालांकि, इन सबके बीच जगजीवन राम प्रधानमंत्री पद की रेस से पूरी तरह बाहर हो गए। इसी कड़ी में 2009 में दिवंगत एनडी तिवारी का स्कैंडल बहुत चर्चित था। जिस समय यह सेक्स स्कैंडल सामने आया था उस वक्त एनडी तिवारी आंध्र प्रदेश के राज्यपाल के पद पर थे। एक स्टिंग ऑपरेशन में राज भवन के अंदर आधिकारिक निवास में उनको तीन महिलाओं के साथ बिस्तर पर दिखाया गया था। इस घटना से पूरा देश सकते में आ गया था। किसी को इस टेप पर विश्वास ही नहीं हुआ था। इस टेप के सामने आने के बाद एनडी तिवारी ने माफी मांगते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। 2011 में महिपाल मदेरणा-भंवरी देवी का स्कैंडल भी सुर्खियों का हिस्सा बना था। पेशे से नर्स भंवरी देवी और राजस्थान सरकार में मंत्री महिपाल मदेरणा का सेक्स स्कैंडल सामने आया था जिस पर काफी कॉन्ट्रोवर्सी हुई थी। भंवरी देवी एक सीडी की धमकी देकर विधायक मलखान सिंह और मदेरणा से करोड़ों रुपए मांग रही थी। उस सीडी में मदेरणा और अन्य लोग भंवरी देवी के साथ आपत्तिजनक हालत में थे। यह मामला उस समय सामने आया था, जब भंवरी देवी के पति ने आरोप लगाया कि मदेरणा ने उनकी पत्नी का अपहरण कर लिया है। इस आरोप पर जांच हुई थी तो यह सेक्स स्कैंडल सामने आया था। इसके बाद राजस्थान सरकार ने भंवरी देवी के मर्डर केस में महिपाल को अरेस्ट कर लिया था। इसी कड़ी में 1992 में अजमेर के सोफिया स्कूल से जुड़ा एक सेक्स स्कैंडल सामने आया था, जिसमें 17-20 साल की 100 से ज्यादा लड़कियों का यौन शोषण होने की बात सामने आई थी। मामले के मुख्य आरोपी ने पहले एक लडक़ी को फंसाया था। उसके साथ अश्लील तस्वीरें खींची और ब्लैकमेल कर फॉर्म हाउस में उसका यौन शोषण करता रहा। उस लडक़ी पर दबाव बनाया और दूसरी लड़कियों को भी फॉर्म लाने के लिए कहा। इसके बाद एक-एक कर 100 से ज्यादा लड़कियां इसकी शिकार हुईं। हमारे आसपास कद्दावर लोग राजनीतिक शक्ति को अंतिम लाइसेंस मानते हैं जो उन्हें कुछ भी जीत कर दिला सकती है और जो उन्हें सब कुछ से बच निकलने में सक्षम भी बनाती है। हम यह समझें कि लव, सेक्स और धोखा सिर्फ बॉलीवुड इंडस्ट्री में ही होता है, तो हम गलत हैं। राजनीतिक दुनिया इसकी मौसी जैसी बन गयी है। आज राजनीति में रसूख से कुछ भी हो सकता है। कद्दावर नेताओं ने अपनी जिंदगी में रसूख का इस्तेमाल कर महिलाओं के साथ ज्यादतियां भी की हैं। आज सेक्स शोषण के डर से महिलाएं राजनीति में आने से गुरेज करती हैं। क्या यह सच नहीं है कि बॉलीवुड के कास्टिंग काउच की तरह महिलाओं के लिए भी राजनीति में ऊंचा मुकाम हासिल करने का रास्ता पॉलिटिकल बेडरूम से होकर निकलता है। महिलाएं, हमेशा की तरह, कामुक राजनेताओं के लिए आसान शिकार हैं और इतिहास में ऐसे कई मामले देखे गए हैं जहां इन लोगों के तथाकथित लोक सेवकों ने अपने मतदाताओं की माताओं, बेटियों और बहनों के प्रति अनादर दिखाया है। अंत में यह कहना उचित होगा कि नैतिकता और राजनीति एक-दूसरे के विरोधाभासी हैं और सेक्स शोषण राजनीति का टॉनिक बन गया है। कुछ हद तक इसके लिए कुछ महिलाएं भी कसूरवार हैं, जो राजनीतिक हवाखोरी के लिए अस्मत का सौदा करती हैं। इसे रोकना होगा क्योंकि राजनीति में नैतिकता उतनी ही महत्त्वपूर्ण है जितनी कि जीवन के किसी अन्य पहलू में इसकी आवश्यकता होती है।

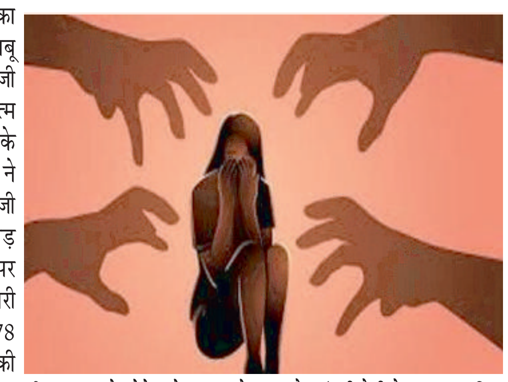

> सत्ता की खुमारी के साथ अपनी वासनाओं को तृप्त करने की इच्छा को पूरी करने वाली कुछ खास शख्सियतों की प्रेमलीला हमेशा से ही दिल लुभाती रही है। कुछ समय पहले पाकिस्तान की फिजाओं में हिना और बिलावल के अफेयर के किस्से काफी मसाले के साथ उड़ रहे थे। कुछ अरसा पहले बांग्लादेश के एक वीकली टेबलॉयड की खबर में कहा गया था कि हिना और बिलावल का इश्क काफी हद तक परवान चढ़ चुका था और दोनों शादी करने का मन बना चुके थे।

दृष्टि कोण

मतदान में युवाओं की अत्यावश्यक भूमिका

भारत को अपने मूल लोकतांत्रिक सिद्धांतों को मजबूत बनाने के लिए अपनी युवा शक्ति का भरपूर इस्तेमाल करना चाहिए और राजनीति व लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना चाहिए। हाल ही में महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा पेश की गई एक रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में 18-19 साल के महज 790000 युवा मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं जबकि राज्य में इस आयु वर्ग के युवाओं की संख्या 4209000 है। राज्य की कुल जनसंख्या में 18-19 साल के युवाओं की संख्या 4.5 प्रतिशत है, लेकिन इस आयु वर्ग में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या राज्य की आबादी का महज 0.6 प्रतिशत है। राज्य भर के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में नियमित रूप से मतदाता पंजीकरण अभियान चलाए जाने के बावजूद, 18-19 आयु वर्ग में पंजीकृत मतदाताओं की संख्या में मामूली सुधार हुआ है। जहां नवंबर 2022 में ऐसे मतदाताओं की संख्या कुल आबादी का 0.3 प्रतिशत थी, वहीं अप्रैल 2023 के लिए यह आंकड़ा 0.6 प्रतिशत था। चूंकि मतदाता पंजीकरण एक जीवंत, समावेशी और मजबूत सहभागिता वाली लोकतांत्रिक व्यवस्था की पहली सीढ़ी है, ऐसे में मतदान के प्रति युवाओं की उदासीनता के कारणों को दूर करना जरूरी है। इन आंकड़ों से देश भर में शहरी मतदाताओं की उदासीनता का पता चलता है, जहां राष्ट्र और राज्य स्तर के चुनावों की तुलना में स्थानीय चुनावों में बेहद कम मतदान होता है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि देश के कई शहरी युवा अपने मताधिकार के प्रयोग से दूर रहे हैं, और इस बात को लेकर राष्ट्रीय युवा नीति 2014 में भी चिंता जताई गई है। नीति में राजनीति में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर देने के अलावा यह भी कहा गया है कि राजनीति और प्रशासन में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए बेहद कम समन्वित प्रयास किए गए हैं। भारत की राजनीति को 'युवा देश, बूढ़े नेता' के रूप में परिभाषित किया जाता है। भारतीय राजनीति में अपनी धाक जमाने वाले ज्यादातर युवा नेता बड़े राजनीतिक परिवारों से ताल्लुक रखते हैं, जो सामाजिक-राजनीतिक रूप से बेहद प्रभावशाली हैं। हालांकि मुख्यधारा की लगभग हर राजनीतिक पार्टी का अपना एक स्टूडेंट विंग है और ये सभी पार्टियां कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्र संघ के चुनावों में जोर शोर से भाग लेती हैं, लेकिन ऐसा कोई व्यवस्थित तंत्र मौजूद नहीं है जो छात्र नेताओं को विधायी राजनीति में आगे बढने में मदद कर सके और उन्हें मार्गदर्शन प्रदान कर सके। उदाहरण के लिए, 17वीं लोकसभा (2019-2024) में 40 वर्ष के कम उम्र सांसदों की संख्या महज 12 प्रतिशत है, वहीं स्वतंत्र भारत की पहली लोकसभा में 26 प्रतिशत सांसदों की उम्र 40 वर्ष से कम थी। खासकर (हर बड़े) चुनाव से पहले राजनीतिक पार्टियां अपने घोषणापत्रों में युवाओं के लिए महत्वाकांक्षी कार्यक्रम शुरू करने की बात करती हैं, जिनका अखबारों और सोशल मीडिया के जरिए भारी प्रचार किया जाता है। राजनीतिक संपर्क अभियानों में बड़े पैमाने पर युवाओं को शामिल किया जाता है और राजनीतिक पार्टियां शक्ति प्रदर्शन के लिए चुनावी रैलियों में युवाओं की भागीदारी को प्रचारित करती हैं। हालांकि, चुनाव के बाद युवाओं के मुद्दों (शिक्षा और रोजगार) को तरजीह नहीं दी जाती, जो चुनावी राजनीति में युवाओं की कमजोर स्थिति को बताता है क्योंकि उनमें अपनी मांगों को मजबूती से रखने की क्षमता नहीं है। यहां तक कि छात्र नेता जब विधायी चुनावों में शामिल होते हैं, तो उनके पास राजनीतिक सौदेबाजी की ताकत बेहद सीमित होती है। इस तरह से देखें तो यही लगता है कि युवाओं की मतदाता भागीदारी अगर कम है तो यह एक विचित्र घटना न होकर एक अपेक्षित परिणाम मात्र है। भारत की राजनीतिक पार्टियों और नीति निर्माताओं को ऐसे रास्ते तलाशने होंगे जिनके जरिए युवाओं तक पहुंच बनाई जा सके और उन्हें देश की विकास यात्रा में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। प्रतिनिधित्व के सवाल के अलावा, युवाओं की भागीदारी बढने से उनसे जुड़े मुद्दों को भी ज्यादा अहमियत मिलेगी। शिक्षा और रोजगार से जुड़ी पारंपरिक चुनौतियों के अलावा शासन तंत्र को युवाओं को प्रभावित करने वाले दूसरे अन्य मुद्दों का भी समाधान करना चाहिए। उदाहरण के लिए, जापान और चीन जैसे विकसित देशों में बच्चे न पैदा करने के पीछे वित्तीय दबाव एवं पारंपरिक लैंगिक भूमिकाएं जिम्मेदार हैं, ऐसे रुझान भारत में भी देखे जा रहे हैं, जहां ऐसी महिलाओं की संख्या बढ़ती जा रही है जो बच्चे न पैदा करने का विकल्प चुन रही हैं।

कुछ अलग

किस्सा घड़ियाल की बिन आंसुई आंखों का

स्वास्थ्य लाभ के बहाने मार्निंग टॉक करता आज भी निकला था कि रास्ते में घडियाल मिल गया। जनाब भी मार्निंग वॉक करने के बहाने मार्निंग टॉक करने निकले थे। यही तो वक्त होता है जब चंद लोग सडक़ में चलते हुए मिल जाते हैं, उनसे दुआ सलाम हो जाती है। वर्ना शेष सारा दिन तो खुद ही खुद की सलामती की दुआएं करते रहो। घडियाल मेरे हालचाल पूछता मेरे साथ साथ चलने लगा तो मैंने पता नहीं क्यों उसकी आंखों में झांका। वैसे मैं बहुधा औरों की जेबों में झांका करता हूं। उसकी आंखों में झांका तो लगाए यार! इसकी आंखों से तो आंसू गायब हैं तो अचंभा हुआ। घडियाल की आंखें बिन आंसुओं के? मुझे लगा, उसकी आंखों में कहीं कोई दिक्कत न हो गई हो। असल में क्या है कि जिनकी जो फितरत होती है, उनमें वह न दिखे तो आपकी तो आप जानो, पर मेरे जैसे बंदे परेशान जरूर हो जाते हैं। 'और घडियाल भाई! तुम्हारी आंखें कैसी हैं? तुममें और तो सब कुछ पुराना ही नजर आ रहा है, पर तुम्हारी आंखों में आंसू नजर नहीं आ रहे। आखिर क्या हो गया तुम्हारी आंखों को? मेरी समझ से इससे पहले कि आंखों का कुछ का कुछ हो जाए किसी हड्डियों के अच्छे से डॉक्टर को अपनी आंखें बता लो।' 'ऐसा कुछ नहीं भाई साहब जैसा आप समझ रहे हैं। पर इसके लिए दिल से थैंक यू कि आपने कम से कम मेरी आंखों में तो झांका। मेरी आंखें बिल्कुल ठीक हैं। असल में क्या है न पिछले हफ्ते एक नेताजी मेरे घर आए। दोनों हाथ जोड़े अपनी टोपी मेरे चरणों में रख बोले, 'रे घडियाल भाई! अब मेरी जीत तुम्हारे हाथ। तुम तो जानते ही हो कि चुनाव के दिन हैं। चुनाव के दिनों में बात बात पर जो नेता जनता के आगे जितना रोता है वह उतना ही कुर्सी पर अगले पांच सालों के लिए कुंभकरण हो सोता है। चुनाव प्रचार के दौरान जनता के आगे बात बात पर रोते रोते मेरे आंसू खत्म हो गए हैं। अब मैं तुम्हारी शरण में आया हूं।' 'तो कहिए मैं आपके किस तरह काम आ सकता हूं?' मैंने द्रवित हो नेताजी से पूछा तो वे बोले, 'कुछ दिनों के लिए अपने आंसू उधार दे दो तो चुनाव खत्म होते ही मैं तुम्हें तुम्हारे आंसू सादर सूद सहित लौटा दूंगा। मैं तुम्हें आश्वासन देता हूं।' 'पर नेता पर विश्वास कौन करे? कल को कहीं ऐसा न हो कि तुम मुझसे मेरे आंसू उधार लेकर लौटाने से मुकर जाओ और मैं सदियों से चली आ रही कहावत से हाथ धो बैठूं', मैंने दो टूक कहा तो वे बोले, 'मैं जनता से धोखा कर सकता हूं पर अपने मौसेरे भाई से नहीं। मैं अपने खुदा से धोखा कर सकता हूं, पर अपने मौसेरे भाई से नहीं। मुझ पर विश्वास नहीं तो लो, मैं गारंटी देता हूं। ये ऐसे वैसे की गारंटी नहीं, नेशनल नेता की गारंटी है', और मैंने उन्हें अपनी एक आंख के आंसू उधार दे दिए। लेकिन जैसे ही दूसरे दल के नेता को इस बात का पता चला कि मैंने उनको अपने आंसू उधार दिए हैं तो वे भी मेरे घर आ धमके। आते ही बोले, 'हद है घडियाल भाई! मैंने आपका क्या बिगाड़ा था जो...।' 'मतलब! मैं कुछ समझा नहीं भाई साहब!' सच कहूं तो मैं कुछ समझा भी नहीं था। 'मेरे होते हुए भी तुमने मेरे विरोधी को अपने आंसू उधार दे दिए जनता को बहलाने के लिए? कल टीवी पर उनके आंसुओं को देख मैं एकदम समझ गया था कि बंदे के ये आंसू अपने नहीं। कहीं से पक्का मार कर लाया है। जब उनकी पार्टी में अपने खुफियाओं से संपर्क साधा तो उन्होंने बताया कि वे तुमसे आंसू उधार ले गए हैं। अब मैं तुम्हारी एक नहीं सुनने वाला। तुम कहीं से भी मैनेज करो, बस, मुझे तुम्हारे आंसू चाहिए चुनाव तक। चुनाव संपन्न होते ही मैं तुम्हारे आंसू तुम्हें सादर एक सौ प्रतिशत पर डे सूद समेत लौटा दूंगा।

देश दुनिया से

मतदान से मतदाता का मन भांपना मुश्किल

लोकसभा चुनाव के दौरान अब तक संपन्न हुए पांच चरणों के मतदान का प्रतिशत 2019 की तुलना में कम ही रहा है। पांचवें चरण में भी मतदान का प्रतिशत 59.14 रहा। जबकि 2019 में यह प्रतिशत 62 रहा था। उत्तर प्रदेश जहां राम-मंदिर निर्माण के मुद्दे को लेकर भाजपा को उम्मीद थी कि यहां मतदान प्रतिशत बढ़ेगा, लेकिन यहां कि 14 लोकसभा सीटों पर हुए चुनाव में 57.79 प्रतिशत मतदान रहा। जबकि 2019 में यह प्रतिशत 58.53 था। लेकिन खुशी की बात है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में मतदान का प्रतिशत उम्मीद से कहीं ज्यादा रहा है। जम्मू-कश्मीर में 59 तो लद्दाख में 67.15 प्रतिशत रहा। इससे पता चलता है कि तीन दशक तक आतंक और अलगाववाद की गिरफ्त में रही इस घाटी में जनता ने धारा-370 के खात्मे को स्वीकार कर लिया है। पश्चिम बंगाल में पांचवें चरण में सबसे ज्यादा 73.14 तो महाराष्ट्र में सबसे कम 53.67 प्रतिशत मतदान रहा। साफ है, राजनीतिक दलों और निर्वाचन आयोग के संयुक्त प्रयासों के बावजूद मतदान का न बढ़ना लोकतंत्र के लिए चिंताजनक पहलू है। हालांकि अब तक हुए पांच चरणों में लगभग एक से दो प्रतिशत कम रहा मतदान कोई बहुत बड़ा अंतर नहीं है। अतएव एकाएक यह नहीं कह सकते कि यह घटा हुआ मतदान राजग को सत्ता से बाहर कर देगा, बल्कि अभी तक जितना मतदान हुआ है, वह सत्तापक्ष का ही समर्थन करता दिख रहा है। खासतौर से पहले दो चरणों में कम मतदान का कारण मतदाता की मतदान से बेफिक्री भी रही थी। दरअसल, भाजपा और उसके सहयोगी संगठनों के समर्थक मतदाता और कार्यकर्ता इस सोच में हैं कि नरेन्द्र मोदी सरकार का फिर से सत्ता में आना तय है। दूसरी तरफ कांग्रेस और आइएनडीआइए गठबंधन का मतदाता इसलिए निराश है, क्योंकि वह जानता है कि इस गठबंधन के पास न तो कोई केंद्रीय नेतृत्व है, न ही राष्ट्रीय दृष्टिकोण और न ही प्रचार के संसाधन, इसलिए इंडी गठबंधन राजग से मुकाबले में बहुत पीछे है। यह सोचकर मतदाता मान बैठा है कि कांग्रेस या इंडी गठबंधन को वोट दे भी दिया जाए तो उससे इच्छित परिणाम निकलने वाला नहीं है। एक ओर कारण है, शुरुआती दो चरणों में हुए मतदान के दौरान बड़ी संख्या में विवाह हो रहे थे, इसलिए लोग बड़ी संख्या में अपने मतदान केंद्रों से दूर किसी शहर या गांव में थे, अतएव मतदान करने से वंचित रह गए। बावजूद इसके जिन सीटों पर मतदान कम रहा है, उसका प्रमुख कारण चुनाव का इकतरफा हो जाना भी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दूसरी बार सत्ता संभालने के बाद अनेक बुनियादी मुद्दों का संवैधानिक निराकरण तो किया ही, देशव्यापी लोक-कल्याणकारी योजनाओं को भी कामयाबी के साथ जमीन पर उतारा। इनके असर के चलते अधिकांश सीटों पर इकतरफा मतदान का रुख देखने को मिल रहा है। यही रुख नरेन्द्र मोदी के संकल्प अर्थात 400 सीटें राजग की झोली में डालता दिखाई दे रहा है। मोदी ने जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 और 35-ए के खात्मे के साथ देश में तीन तलाक कानून खत्म करने जैसे महत्वपूर्ण फैसले लिए। इसका परिणाम रहा कि जम्मू-कश्मीर में मतदान का प्रतिशत उछाल मार रहा है। 10 वर्ष पहले का कश्मीर देखते हुए यह एक चमत्कार ही है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण का रास्ता भी नरेन्द्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में ही खुला और राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा वैदिक रीति से गरिमा के साथ संपन्न हुई। इस आयोजन के आमंत्रण को ठुकराकर कांग्रेस ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का काम किया। इसी के बाद से मतदाता की मानसिकता भाजपा के पक्ष में और अधिक झुकी दिखाई दे रही है। नतीजतन, मतदाता इस भ्रम में उदासीन रहा कि भाजपा तो जीत ही जाएगी, अतएव मेरे एक वोट डालने से कुछ बिगड़ने वाला नहीं है। इसी इकतरफा माहौल के चलते कुलीन मतदाता घरों से बाहर नहीं निकला।

दो चरणों में मतदान कम रहने से मोदी समर्थक मतदाता सचेत हो गया। एक बड़े वर्ग को लगा कि यदि वह मतदान करने घर से नहीं निकला, तो कम प्रतिशत कहीं मोदी सरकार को सत्ता में लौटने में परेशानी न पैदा कर दे? लोगों को वह कहानी भी याद आ गई होगी कि गांव का अकाल मिटाने के लिए जब ग्रामीणों को कहा गया कि सूखे तालाब में एक-एक लोटा दूध डालने से जब तालाब भर जाएगा, तो गांव का अकाल दूर हो जाएगा। किंतु यह सोचकर प्रत्येक ग्रामीण पानी का भरा लोटा डाल आया कि मेरे अलावा तो शेष मतदाता दूध का भरा लौटा डाल ही रहे हैं। अंततः नतीजा यह रहा कि तालाब दूध से नहीं भर सका और गा ंव का अकाल न मिट सका। शुरुआती दो चरणों के मतदान प्रतिशत के कम रहने पर तीसरे, चौथे और पांचों चरण के मतदाता ने यही सोचा कि यदि मैं अपना मत देने नहीं गया तो गांव के अकाल की तरह देश में स्पष्ट बहुमत वाली सत्ता का अकाल पड़ जाएगा। यह सोच भी मतदान प्रतिशत बढ़ाने का एक कारण रहा। कुछ लोग यह सोचकर भी सिहर गए होंगे कि कहीं स्पष्ट बहुमत न मिलने पर खिचड़ी सरकार का दौर न लौट आए, जिसमें उलझकर भारत ने अपने महत्वपूर्ण दो-तीन दशक बर्बाद कर दिए। मतदान के शेष अगले चरणों में यदि मतदान 70 से 75 फीसदी से ऊपर पहुंचता है, तो यह स्थिति लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत रहेगी। यह वजह कालांतर में अल्पसंख्यक समुदायों व जातीय समूहों को वोट बैंक की लाचारगी से मुक्ति दिलाएगी। दलों को भी तुष्टिकरण की राजनीति से छुटकारा मिलेगा।

> पांचवें चरण में भी मतदान का प्रतिशत 59.14 रहा। जबकि 2019 में यह प्रतिशत 62 रहा था। उत्तर प्रदेश जहां राम-मंदिर निर्माण के मुद्दे को लेकर भाजपा को उम्मीद थी कि यहां मतदान प्रतिशत बढ़ेगा, लेकिन यहां कि 14 लोकसभा सीटों पर हुए चुनाव में 57.79 प्रतिशत मतदान रहा। जबकि 2019 में यह प्रतिशत 58.53 था। लेकिन खुशी की बात है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में मतदान का प्रतिशत उम्मीद से कहीं ज्यादा रहा है। जम्मू-कश्मीर में 59 तो लद्दाख में 67.15 प्रतिशत रहा। इससे पता चलता है कि तीन दशक तक आतंक और अलगाववाद की गिरफ्त में रही इस घाटी में जनता ने धारा-370 के खात्मे को स्वीकार कर लिया है। पश्चिम बंगाल में पांचवें चरण में सबसे ज्यादा 73.14 तो महाराष्ट्र में सबसे कम 53.67 प्रतिशत मतदान रहा।

आप का नजरिया

शहरी उदासीनता का चुनाव

आम चुनाव, 2024 के 5वें चरण के मतदान के साथ ही 428 लोकसभा सीटों पर चुनाव सम्पन्न हो गया। गुजरात में एक निर्वाचन निर्विरोध हुआ था। शेष 114 सीटों के लिए दो चरण मतदान अभी होने हैं। उसके बाद ही जनादेश का विश्लेषण किया जा सकता है। दरअसल इस बार चुनाव की बुनियादी चिंता यह रही कि शहरी मतदाता अपेक्षाकृत उदासीन रहा। उसने मतदान के प्रति दायित्व और मताधिकार के महत्व को कमतर आंका, नतीजतन मतदान के शुरुआती आंकड़े निराश करते रहे। हालांकि अपडेट मतदान पहले चरण में 66.14 फीसदी, दूसरे में 66.71 फीसदी, तीसरे में 65.68 फीसदी और चौथे चरण में 69.16 फीसदी तय किया गया है। विपक्ष ने इन बढ़े आंकड़ों पर भी सवाल उठाया कि चुनाव आयोग गड़बड़ कर रहा है, लेकिन मतदान को अद्यतन करने में कुछ दिन लगे, इस पर कोई भी सर्वोच्च अदालत तक नहीं गया। चुनाव आयोग ने भी स्पष्टीकरण दिया कि इतने बड़े देश के, कोने-कोने से, मतदान के आंकड़ों को जुटाने और संयोजित करने में वक्त लगना सहज प्रक्रिया है। बहरहाल मतदान के अब जो आंकड़े सामने आए हैं, वे सम्मानजनक हैं, अलबत्ता 2019 के चुनाव की तुलना में अब भी कम हैं। चुनाव के 5वें चरण में भी, 20 मई रात्रि 11.45 बजे तक, आठ राज्यों और संघशासित क्षेत्रों की 49 सीटों पर 60.3 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। यह 2019 के 5वें चरण के 62.5 फीसदी मतदान से कुछ कम रहा है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि शुक्रवार, 24 मई तक मतदान का अंतिम आंकड़ा दर्ज किया जा सकता है, लिहाजा मतदान के आंकड़ों में भी बढ़ोतरी होना स्वाभाविक है। बहरहाल दो जगह पर मतदान बड़ा उत्साहवर्धक रहा है और दोनों ही कश्मीर के हिस्से रहे हैं। लद्दाख आज संघशासित क्षेत्र है, जो जम्मू-कश्मीर राज्य का ही हिस्सा था, वहां करीब 70 फीसदी मतदान किया गया। दूसरा क्षेत्र बारामूला है, जो नियंत्रण-रेखा के करीब है और आतंकियों की पनाहगाह रहा है। इस संसदीय सीट में सोपोर भी सम्मिलित है, जो पत्थरबाजी के गढ़ के तौर पर कुख्यात था। वहां हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के नेताओं का भी खूब प्रभाव था, लिहाजा चुनावों के बहिष्कार होते रहते थे। इस बार सोपोर और पहलगाम आदि इलाकों में मतदाताओं की लंबी-लंबी कतारें देखी गईं, तो लगा कि 'जन्नत का जम्हूरियत' यही है। बारामूला सीट पर 1984 के बाद पहली बार 50 फीसदी से अधिक मतदान हुआ है। वहां 57.4 फीसदी मतदान किया गया है, जो 40 साल के बाद एक कीर्तिमान दर्ज किया गया है। यकीनन भारत और कश्मीर बदल रहे हैं, लेकिन सवाल है कि महाराष्ट्र में सबसे कम 54.3 फीसदी मतदान ही क्यों हुआ? दूसरा सबसे कम मतदान 54.9 फीसदी बिहार में क्यों किया गया? सबसे बड़े राज्य उप्र में भी मतदान 60 फीसदी से कम रहा, हालांकि राहुल गांधी की सीट रायबरेली और पूर्व संसदीय क्षेत्र अमेठी में मतदान 2019 की तुलना में अधिक हुआ है। सबसे अधिक मतदान 74.7 फीसदी पश्चिम बंगाल में दर्ज किया गया। वहां अक्सर मतदान लबालब होता है, फिर भी 2019 की तुलना में कम रहा है।

ऑनलाइन चाइल्ड सेफ्टी बिल के खिलाफ मेटा-गूगल विधेयकों को मतदान में हराने को नेताओं पर खर्चे 6 करोड़

न्यूयॉर्क, 22 मई (एजेंसियां)। मेटा व गूगल न्यूयॉर्क के दो विधेयकों से बेचैन हैं। इन पर जल्द मतदान होना है, जिन्हें गूगल और मेटा मतदान में हराना चाहते हैं। इसके लिए टेक कंपनियां न्यूयॉर्क राज्य के विधायकों को लामबंद करने के लिए 6 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च कर चुके हैं। विधानसभा में मार्च में स्टॉप एडिक्टिव फीड्स एक्सप्लॉइटेशन (सेफ) फॉर किड्स एक्ट और न्यूयॉर्क चाइल्ड डाटा प्रोटेक्शन एक्ट नाम से दो विधेयक पेश किए गए हैं। टेक दिग्गज इन्हें किसी भी कीमत पर पारित नहीं होने देना चाहते हैं। इससे बच्चों में रील्स-वीडियो देखने की लत पैदा करने वाली आदत कमजोर होगी।

दांव पर अभिव्यक्ति की आजादी और गोपनीयता - हालांकि, टेक कंपनियों की दलील है कि अपुष्ट आशंकाओं के आधार पर बच्चों से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और ऑनलाइन गोपनीयता को छीना जा रहा है। यह प्रवासियों और अन्य वंचित समुदायों के लिए इंटरनेट के प्रभाव को भी सीमित करेगा, जो एल्गोरिदम के जरिये हेट स्पीच जैसे मामलों में मदद पाते हैं। विधेयकों के सह-प्रायोजक राज्य के सीनेटर एंड्रयू गौनार्डेस कहते हैं कि विरोधियों ने इन विधेयकों के खिलाफ कानाफूसी अभियान चला रखा है, ताकि कानून बनने से रोका जा सके। इन कंपनियों के पास असीमित संसाधन हैं, इनके पक्ष में पैरवी करने वालों की पूरी फौज अलबैनी में उतरी हुई है।

अलग-अलग कानून समाधान नहीं - पूरे मामले पर मेटा के प्रवक्ता का कहना है कि कंपनी इस संबंध में उस संघीय कानून के अनुपालन को तैयार है, जिसके तहत 16 वर्ष से कम उम्र के सोशल मीडिय एप उपयोगकर्ताओं को अभिभावकों की अनुमति लेनी होगा। लेकिन, इस संबंध में अलग-अलग राज्यों में कानून बनाना समाधान नहीं है।

किशोर कई प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा अलग-अलग राज्यों में भी आते-जाते रहते हैं। ऐसे में माता-पिता और किशोरों के लिए भी अलग-अलग कानूनों का पालन मुश्किल हो जाएगा। इस संबंध में फौरी समाधानों के बजाय ऐसे उपायों पर काम करने की जरूरत है, जो अभिभावकों का सशक्तिकरण करें और किशोरों के लिए इंटरनेट उपयोग को हतोत्साहित न करें।

न्यूज ब्रीफ

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय मूल के निकेश अरोड़ा अमेरिका में दूसरे सबसे अधिक वेतन पाने वाले सीईओ हैं

वाशिंगटन। पालो ऑल्टो नेटवर्क्स के भारत में जन्मे सीईओ निकेश अरोड़ा को 2023 में अमेरिका के दूसरे सबसे अधिक वेतन पाने वाले सीईओ का दर्जा दिया गया है। एक के अनुसार, कुल 17 भारतीय मूल के सीईओ शीर्ष 500 रैंकिंग में हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल द्वारा प्रकाशित विश्लेषण। शांतनु नारायण दूसरे सबसे अधिक वेतन पाने वाले भारतीय मूल के सीईओ हैं, जो कुल मिलाकर 11वें स्थान पर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अरोड़ा और नारायण ने क्रमशः 151.43 मिलियन और 44.93 मिलियन कमाए, जो टेस्ला के एलोन मस्क से अधिक है, जिन्हें 2023 में कोई मुआवजा नहीं मिला। समीक्षाधीन अवधि के दौरान मेटा के मार्क जुकरबर्ग ने 24.40 मिलियन डॉलर कमाए, जबकि अल्फाबेट के भारत में जन्मे प्रमुख सुंदर पिचाई ने 8.80 मिलियन डॉलर कमाए। दिल्ली के एयर फ़ोर्स पब्लिक स्कूल से निकले अरोड़ा ने पहली बार में मुख्य व्यवसाय अधिकारी के रूप में अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया, जिसे उन्होंने 2014 में छोड़ दिया और सॉफ्टबैंक का नेतृत्व करने लगे, जहां उन्हें कथित तौर पर इतना वेतन मिला कि उसे जापान के लिए एक रिकॉर्ड बताया गया। अरोड़ा 2018 से साइबर सुरक्षा कंपनी पालो ऑल्टो नेटवर्क्स का नेतृत्व कर रहे हैं। पालो ऑल्टो नेटवर्क्स में उनके मुआवजे में ज्यादातर इक्विटी पुरस्कार शामिल हैं जिनमें तीन वर्षों में दिए गए शेयर शामिल हैं।

पेटीएम का घाटा चौथी तिमाही में बढ़कर 550 करोड़ रुपए हुआ, कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी

नई दिल्ली । फिनटेक कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में घाटा बढ़कर 550 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल इसी अवधि में घाटा 167.5 करोड़ रुपये था। वन97 कम्युनिकेशंस के पास पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि परिचालन आय 2.8 प्रतिशत घटकर 2,267.1 करोड़ रुपये हो गई, पिछले साल समान अवधि में यह 2,464.6 करोड़ रुपये थी। समूचे वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का घाटा कम होकर 1,422.4 करोड़ रुपये रह गया। यह वित्त वर्ष 2022-23 में घाटा 1,776.5 करोड़ रुपये था। पेटीएम का वार्षिक राजस्व करीब 25 प्रतिशत बढ़कर 9,978 करोड़ रुपये हो गया, यह 2022-23 में 7,990.3 करोड़ रुपये था। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने 15 मार्च से व्यापारियों सहित ग्राहकों के हित को ध्यान में रखते हुए पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) को किसी भी ग्राहक खाते, वॉलेट और फास्टैग में जमा, क्रेडिट लेनदेन या टॉप-अप स्वीकार करने से रोक दिया है। पेटीएम ने पीपीबीएल पर आरबीआई के प्रतिबंध से 300-500 करोड़ रुपये के नुकसान होने का अनुमान लगाया था।

सोने और चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने और चांदी की कीमतें गिरी हैं। कारोबार के दौरान चांदी के वायदा भाव शीर्ष स्तर पर पहुंचने के बाद नीचे आये। सुबह सोने के वायदा भाव 73,900 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 94,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव में गिरावट आई जबकि चांदी के वायदा भाव तेज शुरुआत बाद नीचे आये। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुबह हल्की बढ़त के साथ हुई। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध आज 5 रुपये नीचे आकर 74,026 रुपये के भाव पर खुला। एक समय यह अनुबंध 127 रुपये की गिरावट के साथ 73,894 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 74,026 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 73,882 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव ने इस सप्ताह 74,442 रुपये के भाव पर शीर्ष स्तर हासिल कर लिया। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरूआत आज कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 121 रुपये नीचे आकर 94,604 रुपये पर खुला। एक समय यह अनुबंध 238 रुपये की गिरावट के साथ 94,487 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 94,868 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 94,453 रुपये के भाव पर दिन निचला स्तर हासिल किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। जबकि चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ खुले।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

रोहिंग्याओं ने...

रोहिंग्याओं ने जिन हिंदू महिलाओं और बच्चों को जबरन कलमा पढ़वाकर इस्लाम में कन्वर्ट किया उन्हीं में से कुछ भागने में कामयाब रहीं। तब इन हिंदू महिलाओं की दुखद कहानियां दुनिया को पता चली, लेकिन मामला हिंदुओं से जुड़ा था इसलिए मानवाधिकार के धंधेबाजों से लेकर फर्जी प्रगतिशीलों और बुद्धिजीवियों ने इस पर शातिराना चुप्पी साधे रखी।

जबकि म्यांमार की सरकार ने रोहिंग्याओं की नस्ली हरकतें देखते हुए अपने देश में सख्त कानून बनाए और उन्हें सख्ती से लागू किया। प्रमुख तौर पर विवाह, परिवार नियोजन, आंदोलन की स्वतंत्रता, रोजगार, शिक्षा, धार्मिक पसंद-नापसंद पर बने कानून उल्लेखनीय हैं। यह रोहिंग्याओं को बर्दाश्त नहीं हुआ और वे हिंसा फैलाने लगे और इधर-उधर भागने लगे। उसी तरह जैसे भारत में कट्टर धर्मांधों को समान नागरिक कानून बर्दाश्त नहीं हो रहा। सख्त कानूनों का पालन करने के लिए रोहिंग्या राजी नहीं थे, इसलिए उन्होंने म्यांमार से पलायन करना आरंभ किया और इस पर पूरा आरोप म्यांमार की सरकार पर थोप दिया कि वह इन्हें यहां रहने नहीं दे रही है। फिर दुनियाभर में इनकी दयनीय तस्वीरें छपने लगीं। ये रोहिंग्या, शरणार्थी का दर्जा लेकर और कई देशों में अवैध तरीके से घुस गए। फिर देखते ही देखते कई अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार से जुड़ी संस्थाएं स्यापा करने लगीं। रोहिंग्याओं के साथ म्यांमार की बौद्ध सरकार पर बुरा बर्ताव करने का झूठ पुरी दुनिया में फैलाने लगीं। जबकि हकीकत यह है कि अपनी रक्तबीजी-आदत की मुताबिक रोहिंग्या जहां भी गए, वहां अराजकता और हिंसा फैलाई।वास्तव में म्यांमार में कथित दमन के बाद रोहिंग्या मुस्लिम भारत, नेपाल, बांग्लादेश, थाईलैंड, इंडोनेशिया, पाकिस्तान समेत 18 देशों में पहुंचे। एशिया में जिन देशों में इनकी घुसपैठ हुई, उनमें से छह देशों की सरकारों के लिए ये परेशानी का सबब बने हुए हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण आज भारत है। यहां भारत में यह हिंसा, अपराध और आतंकवादी गतिविधियां कर रहे हैं। वर्तमान में भारत का कोई राज्य नहीं बचा, जहां इनकी घुसपैठ न हो। दिल्ली से सटे हरियाणा के मेवात (नूंह), उत्तराखंड के हल्द्वानी, बनभूलपुरा इलाके में हुए दंगों को अभी बहुत समय नहीं बीता है, इस हिंसा में रोहिंग्या मुसलमानों के हाथ होने की बात सामने आ चुकी है। नूंह की हिंसा में शामिल दो रोहिंग्या युवकों सैफुल्ला और महबूब समेत कई अन्य अब तक एसटीएफ द्वारा गिरफ्तार किए गए हैं। प्रतिबंधित कट्टरपंथी पीएफआई संगठन से इनके संबंधों की तस्दीक हो चुकी है। बेंगलुरु में भी इनकी अवैध बसाहट संकट पैदा कर रही है।

अभी हाल ही में एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीस) ने कानपुर सेंट्रल स्टेशन से बांग्लादेशी नागरिक मो. राशिद अहमद को अरेस्ट किया। राशिद फर्जी दस्तावेज तैयार कर बांग्लादेशी और रोहिंग्याओं की भारत में घुसपैठ कराता था। एटीएस ने उसके पास से कूटरचित दस्तावेज से तैयार किया हुआ आधार कार्ड, दारूल उलूम देवबंद मदरसे का आईडी कार्ड और मोबाइल बरामद किया। राशिद बांग्लादेश के लक्ष्मीपुर चटगांव में मदारी गांव का रहने वाला है। उसने बताया कि आठ साल पहले बांग्लादेश से टूरिस्ट वीजा लेकर भारत आया था। वह अवैध रूप से बांग्लादेशियों-रोहिंग्याओं को भारत में बसाने वाले गिरोह का सदस्य है। इस गिरोह के सक्रिय सदस्य शेख नजीबुल हक और अबू हुरैरा गाजी भी हैं। जिन्होंने उसके फर्जी दस्तावेजों के आधार पर आधार कार्ड बनवाया। इसके बाद 2016 में देवबंद में बसाने में मदद की और फिर अपने गिरोह में शामिल कर लिया। राशिद को भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के कूटरचित दस्तावेज बनवाने का काम सौंपा गया था। पूछताछ में राशिद ने कई नाम भी बताए हैं जिनकी उसने घुसपैठ कराई और फिर उनके कूटरचित भारतीय दस्तावेज तैयार कराए हैं। इससे पहले यूपी एटीएस ने झकरकटी बस अड्डे से 8 रोहिंग्या मुस्लिमों को अरेस्ट किया था। इनमें सुबीर, मो जकारिया, म्यामार निवासी मो शोएब, नूर मुस्तफा, फारसा, सबकूर नाहर, नूर हबीब और रजिया को अरेस्ट किया था। यह सभी रोहिंग्या नागरिक बांग्लादेशी सीमा पार कर अवैध रूप से भारत की सीमा में दाखिल हुए थे। सोचने वाली बात है, आज देश में न जाने कितने राशिद घूम रहे हैं, जो रात दिन रोहिंग्याओं को अवैध तरीके से भारत में बसा रहे हैं।

रोहिंग्या मुस्लिमों के आतंकवादी संगठन अका-उल-मुजाहिदीन के पाकिस्तान में इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई), जैश-ए-मोहम्मद (जेएम) और लश्करे-तोयबा के साथ संबंध उजागर हो चुके हैं। ऐसी खबरें भी हैं कि जम्मू में अवैध रूप से रहने वाले रोहिंग्याओं ने सनजुवान में सेना शिविर के स्थान के बारे में जैशे-मुहम्मद के आतंकवादियों की मदद की थी। सूचना के आधार पर ही जेएम ने एक सेना शिविर पर हमला किया, जिसमें छह भारतीय सैनिक शहीद हुए थे। अब तक देश के अलग-अलग राज्यों में कई प्रकरण सामने आ चुके हैं जिनमें पाया गया कि कैसे ये रोहिंग्या मुसलमान अपराधों में लिप्त हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बनभूलपुरा इलाके में तकरीबन 5,000 रोहिंग्या मुसलमान और अन्य बाहरी लोग रहते हैं। बांग्लादेश के रास्ते भारत में दाखिल हुए रोहिंग्याओं ने नेपाल के बाद भारत के मैदानी और पहाड़ दोनों ही स्थानों पर अपनी अवैध बस्तियां बनाना जारी रखा है।

मुस्लिम देश होने के बाद भी इंडोनेशिया इनके आपराधिक चरित्र से इतना परेशान हो चुका है कि इन्हें अपने देश से बाहर निकाल रहा है। जो रोहिंग्या नेपाल चले गए, वे वहां भी जिहादी गुट में शामिल होकर इस बहुसंख्यक हिंदू देश में अति इस्लामिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं। थाईलैंड में 92 हजार रोहिंग्याओं ने शरण ली थी, लेकिन इनकी आतंकी गतिविधियों से तंग आकर अब तक लगभग 14 हजार को वापस भेजा जा चुका है। पाकिस्तान में भी करीब ढाई लाख रोहिंग्या पहुंचे थे, जिनके बारे में अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट हैं कि ज्यादातर को आतंकवाद का प्रशिक्षण देकर बांग्लादेश की सीमा से भारत में टुकड़ियों में प्रवेश कराने के कार्य को अंजाम दिया जा रहा है।

म्यांमार में जो रोहिंग्या आज भी रह रहे हैं, वे गैर मुसलमानों के लिए भीषण खतरा बने हुए हैं। ऐसे भी संकेत मिले हैं कि म्यांमार के रखाइन प्रांत में रोहिंग्या आतंकवादी समूहों द्वारा 2017 में किए गए हिंदुओं के नरसंहार की पुनरावृत्ति कभी भी दोहराई जा सकती है। यहां अराकान राज्य के बुथिदौंग में हिंदुओं और बौद्धों के एक समूह को बंधक बनाकर रखा गया है। बुथिदौंग में अशांति और अस्थिरता बढ़ने के साथ, अस्थिरता ने एक नया मोड़ ले लिया है और इस्लामी आतंकवादी समूह अपनी सेना अराकान रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी (एआरएसए) और अराकन रोहिंग्या आर्मी (एआरए) के इशारे पर धर्म के आधार पर जातीय समूहों को मारने और आतंकित करने के लिए काम कर रहे हैं। वहां 1600 से अधिक हिंदू और 120 से अधिक बौद्ध हैं। फिलहाल वहां उनके द्वारा इन सभी को बंधक बना लिया गया है। इन बंधकों के जीवित रहने या रिहाई को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

म्यांमार में पिछले साल नवंबर 2023 से इस क्षेत्र में देश की सेना अराकन रोहिंग्या आर्मी (एआरए) और अराकान रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी (एआरएसए) के साथ लड़ रही है। दरअसल, म्यांमार की सेना के लिए यहां बहुत मुश्किलें इसलिए पैदा हो रही हैं, क्योंकि आम जन और आतंकवादी में कई बार भेद करना मुश्किल हो रहा है। यह ठीक भारत में नक्सलवाद की तरह है, जिसमें सेना को कई बार यह समझ में नहीं आता कि कौन नक्सली है या कौन आम ग्रामीण। म्यांमार में भी यही हो रहा है। दूसरी ओर इस क्षेत्र में इन रोहिंग्या आतंकियों से आतंक से तंग आकर जब कोई भागने की कोशिश करता है तो उसे ये रोहिंग्या बुरी तरह से प्रताड़ित कर मार देते हैं। ऐसे ही दो युवक बीती 11 अप्रैल को गला रेतकर मार दिए गए। ताजा खबर है कि रोहिंग्या आतंकी समूह बंधक बनाए गए इस क्षेत्र के सभी 1600 हिंदुओं और 120 बौद्ध लोगों के घरों को लूट रहे हैं और उन्हें जला रहे हैं।

रोहिंग्या मुसलमान अंतरराष्ट्रीय समस्या बनते जा रहे हैं। यह समुदाय बेहिचक किसी भी स्तर का अपराध करता है। वेश्यावृत्ति से लेकर जबरन वसूली, नशीली दवाओं का धंधा, मानव तस्करी, मानव अंगों का धंधा, हथियारों की तस्करी, चोरी-चकारी तक के धंधे में रोहिंग्या मुसलमान शामिल रहते हैं। म्यांमार से खदेड़े जाने के बाद इनकी सर्वाधिक घुसपैठ बांग्लादेश और बांग्लादेश के जरिए भारत में हुई। पाकिस्तान ने भी रोहिंग्याओं को अपने यहां पनाह दी, लेकिन पाकिस्तान का उद्देश्य केवल भारत को अस्थिर करने के लिए रोहिंग्याओं का इस्तेमाल करना था। बांग्लादेश के कॉक्स बाजार स्थित रोहिंग्या शिविरों में अड्डा बनाए 10 आतंकवादी/आपराधिक गिरोहों ने भारत समेत आधा दर्जन देशों को आजिज कर रखा है। इनमें अराकन रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी (एआरएसए) उखिया, बालुखली, पालोंगखली (उखिया उप-जिला) और व्हाईकोंग (टेकनाफ उप-जिला) में अत्यधिक सक्रिय है। रोहिंग्या सॉलिडेरिटी ऑर्गनाइजेशन (आरएसओ) और उखिया और पालोंगखाली में मास्टर मुन्ना गिरोह; व्हाईकॉन्ग में इस्लामी महाज और जाबू डकैत गिरोह; और नयापारा शिविर में नबी हुसैन डकैत गिरोह, पुतिया डकैत गिरोह, सलमान शाह डकैत गिरोह और खलीक डकैत गिरोह सक्रिय है। लेकिन अधिकांश गिरोहों को एआरएसए ही नियंत्रित करता है। आतंक और अपराध के साथ-साथ रोहिंग्याओं का एआरएसए गिरोह जेहादी हिंसा में भी बुरी तरह मुब्तिला है।

रोहिंग्याओं से...

उसके बाद भारत का नंबर है। थाईलैंड समेत कई दक्षिण एशियाई देशों में रोहिंग्याओं के लिंक मानव तस्करी से जुड़े पाए गए हैं। वहां के रास्ते मानव तस्करी मलेशिया तक हो रही है। आतंकियों को पनाह देने वाला पाकिस्तान रोहिंग्याओं को भी इसी रास्ते पर ले जा रहा है।बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना कह चुकी हैं कि बांग्लादेश में 11 लाख रोहिंग्या हैं। रोहिंग्या ड्रग्स और महिला तस्करी जैसे अपराधों में शामिल हैं, जो कानून व्यवस्था के लिहाज से हमारे लिए चुनौती है। रोहिंग्या मुसलमान लंबे समय से समस्याएं पैदा कर रहे हैं। इन्हें निर्वासित करने के लिए बांग्लादेश जापान, कंबोडिया और चीन से मदद मांग चुका है। मुस्लिम देश होने के बावजूद इंडोनेशिया रोहिंग्याओं की अपराधों में लिप्तता को देखते हुए उन्हें अपने यहां रखना नहीं चाहता। रोहिंग्याओं से भरे जहाज को आचे प्रांत से लौटा देने की खबरें सुर्खियों में रही हैं। थाईलैंड में करीब 92 हजार रोहिंग्याओं ने शरण लेने के बाद वहां भी उत्पात शुरू कर दिया है। विवश होकर थाईलैंड ने रोहिंग्याओं को अपने देश से हटाना शुरू कर दिया। थाईलैंड से हजारों रोहिंग्याओं को वापस भेजा जा चुका है।पाकिस्तान में करीब तीन लाख से अधिक रोहिंग्या मुस्लिम रह रहे हैं। वहां रोहिंग्याओं को आतंकी ट्रेनिंग देकर बांग्लादेश सीमा से भारत में आतंकी घुसपैठ कराने की कोशिशें चलती रहती हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय की पुरानी रिपोर्ट है कि भारत में 40 हजार रोहिंग्या गैरकानूनी तौर पर रह रहे हैं। जबकि यह संख्या आधिकारिक आंकड़े से कहीं ज्यादा है। अधिकतर रोहिंग्या मुसलमान जम्मू कश्मीर, हैदराबाद, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, दिल्ली-एन-सीआर, मुंबई, बिहार, पश्चिम बंगाल, चेन्नई, केरल और राजस्थान में रह रहे हैं।

ममता के...

दूसरी तरफ, पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद के बेलडांगा स्थित भारत सेवाश्रम संघ (बीएसएस) के प्रमुख कार्तिक महाराज उर्फ स्वामी प्रदीप्तानंद ने आश्रम पर हमले की आशंका जताते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। स्वामी ने हाईकोर्ट से आश्रम की सुरक्षा का आदेश देने की मांग की है। उन्होंने बताया कि सोमवार 20 मई 2024 को धमकी मिली कि भारत सेवाश्रम संघ के बेलडांगा स्थित आश्रम को ध्वस्त कर दिया जाएगा। कार्तिक महाराज ने इसे लेकर राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों से भी बात की है और उन्हें मामले से अवगत कराया है।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ पर आरोप लगाया था कि इन दोनों संस्थाओं के साधु भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं। इस टिप्पणी के खिलाफ कार्तिक महाराज ममता बनर्जी को कानूनी नोटिस भी भेज चुके हैं। उन्होंने संन्यासियों को बदनाम करने का आरोप लगाते हुए ममता बनर्जी से माफी की मांग की। लीगल नोटिस का जवाब न दिए जाने पर कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाने की बात कही गई है। भाजपा आटी सेल के मुखिया और पश्चिम बंगाल के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने आरोप लगाया कि टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी के बयान के बाद ही जलपाईगुड़ी स्थित रामकृष्ण मिशन के आश्रम पर हमला हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस हमले की निंदा कर चुके हैं। 24 मई को दोनों ही संस्थाओं के साधु-संन्यासी सड़क पर उतर कर विरोध प्रदर्शन करेंगे। 25 मई को छठे चरण का चुनाव है।

संत स्वाभिमान यात्रा के अंतर्गत कोलकाता के गिरीश एवेन्यू से विवेकानंद के जन्म स्थल तक जुलूस भी निकाला जाएगा। आचार्य प्रणवानंद महाराज द्वारा सन् 1917 में स्थापित बीएसएस पिछले 107 वर्षों से जनसेवा में संलग्न है। अनुयायी उन्हें शिव का अवतार मानते हैं। वो बाबा गंभीरनाथ के शिष्य थे, स्वतंत्रता के आंदोलन में भी सक्रिय रहे। जन्म के बाद उनका नाम विनोद रखा गया था। वो बंगाल के बाजितपुर में जन्मे थे, जो अब बांग्लादेश का हिस्सा है। कोलकाता के रास बिहारी एवेन्यू में इसका मुख्यालय है और दुनिया भर में 46 केंद्र हैं। संस्था आपदा के दिनों में लोगों की मदद करती है।

विडंबना यह है कि जलपाईगुड़ी रामकृष्ण मिशन में घुसकर अपराधियों द्वारा बंदूक दिखाकर साधु संन्यासियों को डराने और तोड़फोड़ की घटना में बंगाल पुलिस ने अजीबोगरीब कदम उठाया है। हमला करने वाले अपराधियों के खिलाफ कमजोर धाराओं में केस दर्ज किया गया है, जबकि मिशन के साधुओं के खिलाफ गैर जमानती धाराओं के तहत केस दर्ज हुआ है। वह भी ऐसी धाराएं लगाई गई हैं जिनमें संन्यासियों को अग्रिम जमानत भी नहीं मिलेगी।

मिशन के कुछ संन्यासी सिलीगुड़ी में सेवक हाउस नामक मकान में रहते हैं। गत रविवार आधी रात के बाद करीब पैंतीस लोग असलहा लेकर मिशन आश्रम में घुस आए। भिक्षुओं पर हमला किया। उनके साथ मारपीट की और आश्रम से निकाल दिया। पांच भिक्षुओं और सुरक्षा गार्डों को भी अगवा किया गया और उन्हें न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन से सटे इलाके में छोड़ दिया गया। घटना का खुलासा सोमवार को हुआ। रामकृष्ण मिशन की ओर से सोमवार शाम पांच बजे भक्तिनगर थाने में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई। मुख्य आरोपी सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस से जुड़ा बताया गया है। वह भू माफिया भी है। मिशन द्वारा पुलिस में शिकायत दर्ज करने के ठीक एक घंटे बाद हमले के मुख्य अभियुक्त प्रदीप रॉय ने उसी भक्तिनगर थाने में जवाबी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने उसे थाने में ही गिरफ्तार करने के बावजूद उसकी एफआईआर लिखी। अभियुक्त ने संन्यासियों के खिलाफ जो लिखवाया, पुलिस ने हूबहू वही लिख कर संन्यासियों के खिलाफ गैर जमानती धाराओं में केस दर्ज कर लिया।

मिथुन चक्रवर्ती के रोड शो पर टीएमसी का हमला

कोलकाता, 22 मई (एजेंसियां)। मेदिनीपुर में मंगलवार को अभिनेता एवं भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती के रोड शो पर टीएमसी कार्यकर्ताओं ने हमला कर दिया। भाजपा का आरोप है कि हमला पुलिस के सामने हुआ। मंगलवार सुबह मिथुन चक्रवर्ती भाजपा उम्मीदवार अग्निमित्रा पॉल के समर्थन में रोड शो कर रहे थे। यह रोड शो मेदिनीपुर कलक्ट्रेट जंक्शन से केरानिटोला तक किया जाना था। मार्ग पर शेखपुरा रोड के पास तृणमूल समर्थकों ने पोस्टर-बैनर के साथ भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। जबकि भाजपा का रोड शो पहले से निर्धारित था। जैसे ही भाजपा का जुलूस वहां पहुंचा, टीएमसी के समर्थकों ने गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। तृणमूल समर्थकों ने भाजपा के जुलूस पर बोतलें फेंकनी शुरू कर दीं। खराब माहौल देखते हुए मिथुन चक्रवर्ती के रोड शो को रोक दिया गया।

ममता के खिलाफ...

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर झाड़ग्राम की सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि रामकृष्ण मिशन, इस्कॉन, भारत सेवाश्रम संघ बंगाल की आध्यात्मिक पहचान हैं। अब मुख्यमंत्री हिंदू संतों को धमकी दे रही हैं। जलपाईगुड़ी के रामकृष्ण मिशन आश्रम पर ममता बनर्जी के बयान के बाद हमला हुआ। मिशन के कर्मचारियों को पीटा गया और धमकाया गया। अब विश्व हिंदू परिषद ने ममता बनर्जी के इस बयान के खिलाफ पदयात्रा की योजना बनाई है।संत-विवाद के मद्देनजर बंगाल में काम कर रहे ज्यादातर धार्मिक संगठनों की बैठक हुई। बैठक में भारत सेवाश्रम संघ और रामकृष्ण मिशन आश्रम के संन्यासियों के साथ अन्य धार्मिक संगठनों के संत भी शामिल थे। बैठक में निर्णय लिया गया कि साधु-संत शुक्रवार को संत स्वाभिमान यात्रा के साथ सड़क पर उतरेंगे। उस दिन दोपहर तीन बजे बागबाजार के निवेदिता पार्क में एक रैली आयोजित की जाएगी। मां शारदा के घर से गिरीश एवेन्यू, बागबाजार स्ट्रीट, श्यामबाजार पंच मठार जंक्शन, विधान सरणी होते हुए, स्वामीजी के जन्म स्थान, विवेकानन्द रोड पर पदयात्रा समाप्त होगी। साधु-संत पूरे रास्ते नंगे पैर चलेंगे। धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ आम लोग भी जुलूस में शामिल होंगे। जिस तरह से चुनाव में हिंदू संतों को अल्पसंख्यक (मुस्लिम) वोट पाने के लिए धमकी दी गई है, उससे बंगाल के हिंदू समाज में चिंता है। सभी संस्थानों और मठों के भिक्षुओं ने भी मुख्यमंत्री के भाषण और उसके तुरंत बाद जलपाईगुड़ी में मिशन पर हमले की निंदा की है।उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के चुनाव प्रचार के आखिरी दिन शनिवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारत सेवाश्रम संघ, रामकृष्ण मिशन और इस्कॉन जैसे प्रतिष्ठित धार्मिक संस्थाओं को भी राजनीति में घसीटा। उन्होंने कहा कि इन संगठनों के कुछ साधु चुनाव में भाजपा की मदद कर रहे हैं। भारत सेवाश्रम के चर्चित संन्यासी प्रदीप्तानंद महाराज उर्फ कार्तिक महाराज का नाम लेकर ममता ने कहा कि वह टीएमसी को धमकी दे रहे हैं। इस पर रविवार को कार्तिक महाराज ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, विनाश काले, विपरीत बुद्धि। अब ममता बनर्जी और उनकी पार्टी के विनाश का समय आ गया है, इसलिए साधु-संन्यासियों को निशाना बना रही हैं।कार्तिक महाराज ने कहा कि पिछले साल गंगासागर में देशभर से आए साधु-संन्यासियों को जिस बर्बर तरीके से पीटा गया था, उसे पूरे देश ने देखा था। अब यहां भागवत कार्य में लगे संन्यासियों को सीधे तौर पर सूबे की मुख्यमंत्री की ओर से बिना किसी आधार के इस तरह से निशाना बनाया जाना बताता है कि विनाश का समय आ गया है। कार्तिक महाराज ने कहा, चुनाव के दिन मैं सीधा बूथ पर गया और वोट डाल कर आश्रम वापस आ गया। हां, टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर के खिलाफ हमने बयान जरूर दिए हैं। वह इसलिए क्योंकि वह सांप्रदायिक बातें करता था। वह प्रधानमंत्री मोदी पर भी आपत्तिजनक टिप्पणी कर चुका है। वह हिंदुओं को भागीरथी में बहाने की बात करता है।

भाजपा की...

का बाल भी बांका नहीं कर पाए।केंद्रीय मंत्री ने कहा, पांच चरण का मतदान समाप्त हो चुका है। इन पांच चरणों के चुनाव में मोदी जी 310 सीट पार कर गए हैं। ममता दीदी के इंडी गठबंधन का सूपड़ा साफ हो गया है। इस बार बंगाल में भी 30 सीटें नरेंद्र मोदी जी की झोली में जाने वाली हैं। बंगाल में भाजपा की 30 सीटें आते ही, ये टीएमसी खंड-खंड हो जाएगी और ममता दीदी की सरकार की विदाई हो जाएगी। अमित शाह ने कांग्रेस और टीएमसी पर आरोप लगाया कि 70 साल से ये दोनों पार्टियां राम मंदिर निर्माण को रोककर बैठी थी। उन्होंने कहा, आपने मोदी जी को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया, उन्होंने पांच साल में ही केस भी जीता, भूमिपूजन भी किया और 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा भी कर दी। प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण ममता बनर्जी को भी दिया गया था। लेकिन वो प्राण प्रतिष्ठा में अयोध्या नहीं गई। वो इसलिए नहीं गई, क्योंकि वो अपने मुस्लिम वोटबैंक से डरती हैं।

भाजपा नेता ने बताया कि ममता बनर्जी बुरी तरह से डरी हुई हैं। उन्होंने कहा, कल मुझे यहां पहुंचते ही पता चला कि शुभेंदु अधिकारी के घर पर पुलिस ने रेड की है। ममता दीदी हम भाजपा वाले हैं, आपकी पुलिस से हम नहीं डरते। ये शुभेंदु अधिकारी का क्षेत्र है। मैं यहां कहकर जाता हूं कि ममता बनर्जी इनपर जितना अत्याचार करेगी, भाजपा शुभेंदु को उतना ही बड़ा आदमी बनाएगी।

केंद्रीय मंत्री ने ममता बनर्जी पर राज्य में पीएम मोदी की योजनाओं को रोकने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकारी की सभी योजनाएं ममता बनर्जी रोक कर बैठी हैं। पीएम आवास योजना के अंतर्गत बिहार में 87 लाख पक्के घर बने, जबकि बंगाल में सिर्फ 38 लाख घर बन पाए। जल जीवन मिशन से बिहार के 96 प्रतिशत घरों में पानी पहुंचा, जबकि बंगाल में सिर्फ 39 प्रतिशत घरों तक पानी पहुंचा।

दीदी का...

भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा और दूसरी ओर 12 लाख करोड़ के भ्रष्टाचार करने वाले इंडी गठबंधन और तृणमूल कांग्रेस है। तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के यहां रेड होती है तो 51 करोड़ रुपए बरामद होते हैं।

भारत आए ...

अब तक यह सामने आया है कि उनके हत्यारे बांग्लादेशी हैं। लेकिन उन्होंने कोलकाता को भी अपना अड्डा बना रखा था। सांसद की हत्या सुनियोजित साजिश रचकर की गई। मंत्री ने बताया कि बांग्लादेश पुलिस ने 56 वर्षीय सांसद की हत्या के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। सांसद का शव अभी बरामद नहीं हुआ है। असदुज्जमा खान ने कहा कि वे जल्द ही इस मामले में हत्या की वजहों का खुलासा करेंगे। इस मामले में भारत की पुलिस भी जानकारी जुटा रही है।

गौरतलब है कि अनवारुल अजीम आवामी लीग पार्टी से तीन बार के सांसद रहे हैं और कालीगंज उपजिला इकाई के अध्यक्ष भी थे। वे जिस झेनाइदा संसदीय क्षेत्र से चुने जाते थे, वहां अपराध के आंकड़े काफी ज्यादा थे। अजीम 12 मई को इलाज के लिए भारत आए थे। 18 मई को उनके लापता होने से जुड़ी एक रिपोर्ट कोलकाता के बड़नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज हुई थी। इस घटना पर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने आश्चर्य और शोक प्रकट किया है।

राममंदिर पर...

पीएम मोदी बुधवार को यहां राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज ग्राउंड में आयोजित बस्ती, डुमरियागंज और संत कबीर नगर लोकसभा सीटों के लिए आयोजित संयुक्त जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उनके साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। पीएम मोदी ने बस्ती से लोकसभा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी, डुमरियागंज से पार्टी प्रत्याशी जगदम्बिका पाल और संत कबीर नगर से प्रत्याशी प्रवीण निषाद के पक्ष में जनता से अधिक से अधिक संख्या में वोट देने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता ने हमारे काम, हमारी बात, हमारे वादों और इरादों पर भरोसा किया है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह भी इस विश्वास पर खरा उतरने में कोई कमी नहीं छोड़ेंगे। पीएम ने कहा कि पांच चरण के चुनाव हो चुके हैं, इन पांच चरण ने ही तीसरी बार मोदी सरकार पक्की कर दी है। पूरा इंडी अलायंस निराशा के गर्त में डूब चुका है। उन्होंने जनता से कहा कि सपा और कांग्रेस को मिलने वाला एक भी वोट किसी काम का नहीं है। वोट बर्बाद हो जाए ये कोई भी समझदार मतदाता नहीं चाहेगा। उन्होंने अपील की कि आपका वोट उसको पड़ना चाहिए जिसकी सरकार बनने की गारंटी है। उन्होंने कहा कि मैं बहुत अच्छे काम करने वाला हूं और हर काम से वोट देने वाले को पुण्य मिलने वाला है। कहा कि हम राम से राष्ट्र, विरासत से विकास और अध्यात्म से आधुनिकता के मंत्र से देश को आगे बढ़ा रहे हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत वैश्विक मंच पर जब बोलता है तो पूरी दुनिया बड़े ध्यान से सुनती है। भारत फैसले लेता है तो दुनिया उसके साथ अपने कदम मिलाने की कोशिश करती है। आतंक का सरपरस्त देश जो कभी हमें आखें दिखाता था, धमकियां देता था आज उनकी हैसियत ऐसी हो गई है कि वह न घर का है न घाट का। उसे अनाज भी नसीब नहीं हो रहा है। मगर, उसके हमदर्द सपा कांग्रेस वाले अब भारत को डराने में जुटे हैं। इन्हें मालूम नहीं कि 56 इंच क्या होता है। ये कहते हैं पाकिस्तान से डरो, क्योंकि उसके पास एटम बम है। पीएम ने कहा कि आज भारत में कांग्रेस की कमजोर सरकार नहीं मोदी की मजबूत सरकार है। अगर डरना है तो वो लोग डरें जो मानवता में विश्वास नहीं करते, आए दिन खून की नदियां बहाते हैं। भारत किसी को डराना नहीं चाहता, मगर भारत डराने वालों को बख्शेगा भी नहीं, इसलिए आज हम घर में घुसकर मारते हैं।पीएम मोदी ने कहा कि सपा-कांग्रेस के दोनों शहजादों की फ्लॉप फिल्म की बार बार रिलीज से वह हैरान हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग यूपी की 79 सीट पर जीत का दावा कर रहे हैं। पीएम ने तंज कसते हुए कहा कि ये दिन में सपने देख रहे हैं और 4 जून को यूपी की जनता इनको नींद से जगाने वाली है। तब ये ठीकरा ईवीएम पर फोड़ेंगे।प्रधानमंत्री ने कहा कि इंडी गठबंधन को अचानक संविधान की याद आ गई है। इसी कांग्रेस ने देश में आपातकाल लगाकर संविधान को खत्म करने की भरपूर कोशिश की थी। यही कांग्रेस है जो खुद के पार्टी का संविधान भी नहीं मानती है। इन्होंने बिहार के अति पिछड़े समाज के व्यक्ति सीताराम केशरी, जोकि कांग्रेस के अध्यक्ष थे, उन्हें एक शाम को मैडम सोनिया जी की टोली कांग्रेस दफ्तर में घुसकर बाथरूम में बंद कर दिया और फिर उठाकर उन्हें फुटपाथ पर फेंक दिया और रातों रात सोनिया जी को अध्यक्ष पद पर बिठा दिया। जिन्होंने कांग्रेस के संविधान की धज्जियां उड़ा दी वो संविधान की बात कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सपा ने यूपी को केवल बदनामी दी थी। बहन बेटियों का घर से निकलना मुश्किल था। लोग जमीन खरीदने से डरते थे। कोई न कोई जमीनों पर माफिया कब्जा कर लेता था। गुंडे माफिया सपा के मेहमान होते थे। दंगाइयों को स्पेशल प्रोटोकॉल मिलता था। आतंकियों को जेल से छोड़ने का स्पेशल फरमान जारी होता था। जनता ऐसी कोई गलती न करें कि इनका हौसला फिर बढ़े। क्योंकि इन लोगों ने यूपी को गर्त में पहुंचा दिया गया था। उससे बाहर निकालने के लिए योगी जी और उनकी सरकार को बहुत ताकत लगानी पड़ी है। पीएम ने अपील की कि 25 मई को जनता का एक-एक वोट तुष्टिकरण की राजनीति को कब्रिस्तान में गाड़ देगा। उन्होंने कहा कि ये क्षेत्र राम सर्किट का एक बड़ा तीर्थ है। महर्षि वशिष्ठ और श्रृंगी ऋषि के आश्रम को लेकर विभिन्न कार्य हुए हैं। मगर ये कार्य अभी केवल ट्रेलर हैं। बहुत बड़े बड़े काम आगे करने हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, प्रदेश सरकार में मंत्री संजय निषाद, ओम प्रकाश राजभर, हरीश द्विवेदी, जगदंबिका पाल, प्रवीण निषाद सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

चाहे जितना जोर लगा लो, जीतेंगे तो मोदी ही: योगी

बस्ती, 22 मई (एजेंसियां)। पूरे देश के लोगों को चार जून के परिणाम के बारे में कोई संदेह नहीं रह गया है। चारों तरफ जनमानस उद्घोष कर रहा है, फिर एक बार मोदी सरकार, अबकी पार-400 पार। यह बात सुनते ही कांग्रेस व सपा के इंडी गठबंधन को चक्कर आने लगता है, क्योंकि दोनों मिलकर भी 400 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। यह लोग पूछते हैं कि ऐसा नारा क्यों, तब जनता कहती है, चाहे जितना जोर लगा लो, जीतेंगे तो मोदी ही, क्योंकि जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे। मोदी जी ने 500 वर्ष का इंतजार समाप्त कराकर प्रभु रामलला को अयोध्या में विराजमान कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री की मौजूदगी में ये बातें कहीं। योगी ने भी बस्ती से हरीश द्विवेदी, संतकबीर नगर से प्रवीण निषाद और डुमरियागंज से जगदंबिका पाल को चुनकर संसद भेजने की अपील की।

इंडी को वोट ...

को अपना भाषण कुछ मिनटों के लिए रोकना पड़ा।जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पांच चरणों के मतदान ने भाजपा, एनडीए की मजबूत सरकार पक्की कर दी है। देश भी समझ रहा है कि अगर इंडी वालों को गलती से भी वोट पड़ गया तो वह वोट देश के लिए कोई काम नहीं आने वाला। जबकि भाजपा को दिया गया हर वोट विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करेगा।

पीएम मोदी ने जनसभा के दौरान कहा कि कांग्रेस हर दिन 12 किमी हाइवे बनवाती थी। भाजपा ने 30 किमी हाइवे बनवाए हैं। 60 साल में 70 एयरपोर्ट बनाए। मोदी ने 10 साल में 70 एयरपोर्ट बनवाए हैं। 75 फीसदी लोगों के घर में नल से जल आ रहा है, 22 एम्स और 18 करोड़ गैस कनेक्शन दिए। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े मोबाइल एक्सपोर्टर हैं, करीब सवा लाख स्टार्टअप, एक लाख करोड़ से ज्यादा का डिफेंस प्रोडक्शन कर रहे हैं। आज देश के बैंक तीन लाख करोड़ रुपया प्रॉफिट कर रहा है। आज दिल्ली से एक रुपया निकलता है तो 100 पैसे लाभार्थी के बैंक खाते में जमा होता है। 36 लाख करोड़ रुपये हमने डीबीटी के थ्रू जनता के लिए भेजे। यदि कांग्रेस होती तो ये पैसे बिचौलिए खा जाते। कॉमनवेल्थ गेम्स को कौन भूल सकता है, देश का सामर्थ्य दुनिया को दिखाने का मौका था, लेकिन कांग्रेस ने इस पर भ्रष्टाचार का बदनुमा दाग लगा दिया। हमने हाल ही में जी-20 किया, भाजपा का विकास मॉडल नेशन फर्स्ट के लिए कमिटेड है, राष्ट्रसेवा हमारा मंत्र है।

ममता सरकार...

इसलिए उस प्रमाणपत्र को रद्द किया जाना चाहिए, लेकिन साथ ही हाईकोर्ट ने कहा है कि इस निर्देश का उन लोगों पर कोई असर नहीं होगा जो पहले ही इस सर्टिफिकेट के जरिए नौकरी पा चुके हैं या नौकरी पाने की प्रक्रिया में हैं। अन्य लोग अब उस प्रमाणपत्र का उपयोग रोजगार प्रक्रिया में नहीं कर सकेंगे।

हिंदुओं को बदनाम...

असल में राठीना पीटी ने एक हल्का-फुल्का मनोरंजन वाली फिल्म बनाने की सोची थी, लेकिन दावा है कि उन्हें सुपर मेगास्टार के हिसाब और दबाव से चलना पड़ा। फिल्म के लेखक हर्षद को भी शरशाद ने एक इस्लामी कट्टरपंथी बताया है।बनियांदी ने कहा कि ममूटी को राठीना के साथ एक अन्य प्रोजेक्ट पर काम करना था, लेकिन जल्दी-जल्दी में पूझू बना दी गई। उन्होंने दावा किया कि इस फिल्म के लिए कुछ बाहरी तत्वों ने उनकी पूर्व पत्नी के मन में कुछ भर दिया था। ममूटी 2000 से ही कैराली टीवी के चेयरमैन हैं, जिसे सीपीआईएम का वरदहस्त हासिल है। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से उनके नज़दीकी रिश्ते हैं। 2007 में डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) के ऑल इंडिया कॉन्फ्रेंस में ममूटी ने कहा था कि अगर ये संगठन गुजरात में सक्रिय रहता तो 2002 में दंगे नहीं होते।

आप जानते ही हैं कि डीवाईएफआई कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट) का ही युवा संगठन है। अब प्रतिबंधित स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) का पूर्व अध्यक्ष एवं सीपीआईएम का विधायक केटी जलील ममूटी के बचाव में सामने आ गए और खुला समर्थन देकर ममूटी के जेहादी तत्वों से नजदीकी रिश्तों पर मुहर लगा दी। केटी जलील कहते रहे हैं कि भारत को इस्लाम के माध्यम से ही मुक्त किया जा सकता है। केटी जलील केरल में मंत्री भी रहे हैं।

मुक्केबाज परवीन के निलंबन के बाद एशियाई खेलों का पदक गंवाएगा भारत, जैस्मिन की चमकी किस्मत

नई दिल्ली, 22 मई (एजेंसियां) ।

कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज परवीन हुड्डा को रहने के स्थान संबंधी नियम के उल्लंघन के कारण 22 महीने के लिए निलंबित किए जाने के बाद भारत का हांगझोऊ एशियाई खेलों का पदक गंवाना तय है।परवीन ने पिछले साल एशियाई खेलों में महिलाओं के 57 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता था जिससे उन्हें पेरिस ओलंपिक का कोटा भी मिला था।

हालांकि, परिणाम प्रबंधन के लिए जिम्मेदार एजेंसी अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) ने उन्हें इस महीने की शुरुआत में निलंबित कर दिया गया था क्योंकि वह 12 महीने की अवधि के भीतर तीन बार अपने रहने के स्थान संबंधी जानकारी देने में विफल रही।

आईटीए ने बयान में कहा- आईटीए पुष्टि करता है कि मुक्केबाज परवीन हुड्डा को 12 महीने की अवधि के भीतर तीन बार रहने का स्थान संबंधी जानकारी मुहैया कराने में विफल रहने के बाद 22 महीने की अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया है जैसा कि अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ के डोपिंग रोधी नियमों के नियम 2.4 में परिभाषित किया गया है (आईबीए एडीआर)1। यह निलंबन 16 जुलाई 2025 तक प्रभावी है।

बयान में कहा गया है- अयोग्यता की अवधि के अलावा 11 दिसंबर 2022 से 17 मई 2024 के बीच खिलाड़ी के परिणाम अयोग्य घोषित किए जाते हैं। कोविड-19 के कारण चीन में 2022 एशियाई खेलों के आयोजन में एक साल की देरी हुई और 23 सितंबर से आठ अक्टूबर 2023 के बीच इसका आयोजन किया गया जो आईटीए द्वारा निर्धारित समय अवधि के भीतर आता है और इस प्रकार परवीन से उनका कांस्य पदक छीन लिया जाएगा।

इसका मतलब है कि 2023 एशियाई खेलों में भारत की कुल पदक संख्या 107 से घटकर 106 हो जाएगी। हालांकि, इससे समग्र पदक रैंकिंग में देश के चौथे स्थान पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भारतीय मुक्केबाजी को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ेगा क्योंकि देश को महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग का ओलंपिक कोटा छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा है। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैस्मिन लैंबोरिया बैंकॉक में शुरू होने वाले अंतिम ओलंपिक क्वालीफायर में 57 किग्रा कोटा के लिए चुनौती पेश करेंगी। मुक्केबाजी में कोटा खिलाड़ी को नहीं, बल्कि देश को दिया जाता है।

न्यूज़ ब्रीफ

सात्विक-चिराग की जोड़ी को हुआ बड़ा फायदा, फिर हासिल किया शीर्ष स्थान

नई दिल्ली । सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी को बैडमिंटन की नवीनतम रैंकिंग में बड़ा फायदा पहुंचा। सात्विक-चिराग की जोड़ी ने थाईलैंड ओपन में जीत के बाद पुरुष डबल्स वर्ग में विश्व रैंकिंग में नंबर एक स्थान हासिल कर लिया। ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के दूसरे दौर में हार के बाद भारतीय जोड़ी तीसरे नंबर पर खिसक गई थी। इसके बाद सात्विक की चोट के कारण इस जोड़ी ने चीन में एशिया चैंपियनशिप में वॉकओवर दे दिया था। सात्विक-चिराग ने जीता था थाईलैंड ओपन भारतीय जोड़ी ने थाईलैंड ओपन में जोरदार वापसी करते हुए चीन के चेन बो यांग और लियू यी पर सीधे गेम में जीत के साथ सत्र का अपना दूसरा खिताब जीता था। यह जोड़ी बीडब्ल्यू की नवीनतम रैंकिंग में 99670 अंकों के साथ दो पायदान चढ़कर पांच सप्ताह के बाद फिर से शीर्ष स्थान पर पहुंच गई। सिंधू 15वें स्थान पर खिसकीं ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधू महिला सिंगल्स रैंकिंग में एक स्थान फिसलकर 15वें नंबर पर आ गई। एचएस प्रणय ने अपनी नौवीं रैंकिंग बरकरार रखी और वह पुरुष सिंगल्स के शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय हैं। लक्ष्य सेन तीन स्थान गिरकर 14वें नंबर पर खिसक गए। किदांबी श्रीकांत (26वें), प्रियांशु राजावत (33वें) एक-एक स्थान नीचे आ गये जबकि किरण जॉर्ज 36वें नंबर पर खिसक गए। तनीषा-पोन्नपा ने किया सुधार महिला डबल्स वर्ग में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा 19वीं रैंकिंग के साथ सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली भारतीय जोड़ी है। इस जोड़ी ने दो स्थान का सुधार किया है। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी एक स्थान गिरकर विश्व में 29वें स्थान पर खिसक गई हैं। मिक्स्ड डबल्स में सतीश कुमार करुणाकरन और आद्या वरियाथ तीन स्थान ऊपर चढ़कर विश्व में 39वें स्थान पर पहुंच गए और शीर्ष 50 में शामिल एकमात्र भारतीय थे।

आईपीएल को भारतीय टीम में पहुंचने का आसान रास्ता नहीं माने युवा : गंभीर

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा है कि युवा क्रिकेटर आईपीएल को भारतीय टीम में पहुंचने का आसान और छोटा रास्ता न समझें। गंभीर ने कहा कि जिस प्रकार युवा टेस्ट क्रिकेट की उपेक्षा कर रहे हैं। वह ठीक नहीं है। आईपीएल में कोलकाता नाइटराइर्स के मैंटोर गंभीर ने एक कार्यक्रम में कहा कि आजकल काफी कम युवा भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं जो चिन्ता की बात है। मुझे उम्मीद है कि आईपीएल भारत के लिए खेलने का आसानी रास्ता साबित नहीं होगा। उन्होंने कहा कि आईपीएल से भारतीय क्रिकेटरों को लाभ हुआ है पर जब मैं अंतरराष्ट्रीय टी20 टीमों को देखता हूं तो दो-तीन टीमों के अलावा मुझे ज्यादा टक्कर देने वाली टीमें नहीं दिखती है। गंभीर की कप्तानी में केकेआर ने 2012 और 2014 में आईपीएल खिताब जीता है। इस क्रिकेटर ने कहा, 'बहुत सी टीमें भारत की मजबूती की बराबरी नहीं कर सकती हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि आज के समय आईपीएल अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट की तुलना में कहीं अधिक प्रतिस्पर्धी हो गया है। इससे हमारे घरेलू खिलाड़ियों का स्तर बढ़ा है। वे जिस तरह से आईपीएल खेलना चाहते है, जिस तरह से वे टी20 क्रिकेट को लेकर तैयारी करते है मुझे लगता है कि उनका ज्यादा ध्यान टी20 क्रिकेट खेलने पर है।

विकेट लेकर ही आक्रामक बल्लेबाजी रोक सकते हैं गेंदबाज : हरभजन

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने कहा है कि आज के दौर में जिस प्रकार आक्रामक बल्लेबाजी हो रही है उसे रोकने का एक ही तरीका विकेट लेना है। हरभजन ने ये बात आईपीएल में लगातार बन रहे बड़े स्कोर को लेकर कही है। इस सत्र में तीन बार 250 से अधिक रन तो सनराइजर्स हैदराबाद ने ही बना दिये। इसके अलावा अन्य कई टीमों ने भी बड़े स्कोर बनाये हैं। इस सत्र में कई बार टीमों ने आसानी से 200 से अधिक रन बनाये हैं। हरभजन ने कहा कि ऐसे में गेंदबाजों को जितनी तेजी से हो सके विकेट लेने होंगे। हरभजन ने कहा कि अगर कोई भी गेंदबाज कहता है कि वह रनों पर अंकुश लगा सकता है तो वह सही नहीं है। फिर चाहे वह लसिथ मलिंगा या जसप्रीत बुमराह जैसा गेंदबाज हो। विकेट लेने के लिए आपको अच्छी गेंदबाजी करनी होगी। सबसे छोटे प्रारूप में विकेट लेकर ही गेंदबाज रनों को रोक सकते हैं। यह कहा केवल कौशल के साथ ही आएगी। ऐसा नहीं है कि फुल टॉस गेंद से आपको एक बार विकेट मिल गया है तो आगे भी आप ऐसे ही करेंगे।

राजस्थान रॉयल्स ने रॉयल्स चैलेंजर्स बेंगलुरु को चार विकेट से हराया

न मैक्सवेल चले न यश, बेंगलुरु का सफर खत्म, क्वालिफायर-दो में भिड़ेंगे राजस्थान-हैदराबाद

अहमदाबाद, 22 मई (एजेंसियां)।

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद यशस्वी जायसवाल (45), रियान पराग (36) और शिमरॉन हेटमायर (26) रनों की पारियों की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एलिमिनेटर मुकाबले में रॉयल्स चैलेंजर्स बेंगलुरु को चार विकेट से हरा दिया है।

173 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स ने अच्छी शुरुआत का प्रयास किया। इसी दौरान छठें ओवर में लॉकी फर्ग्युसन ने टॉम कोहलर कैडमोर (20) रन पर बोल्ड कर बेंगलुरु को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद यशस्वी जयसवाल और कप्तान संजू सैमसन ने पारी को संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में यशस्वी भी 30 गेंदों में 45 रन पर बनाकर पवेलियन लौट गये। तीसरे विकेट के रूप में कर्ण शर्मा ने संजू को (17) रन पर स्टंप आउट करवाया। ध्रुव जुरेल (8) पर रनआउट हुये। रियान पराग 26 गेंदों में (36) और शिमरॉन हेटमायर 14 गेंदों में (26) रन बनाकर आउट हुये। रोवमन पॉवेल आठ गेंदों में 16 रन बनाकर नाबाद रहे। राजस्थान रॉयल्स ने 19 ओवर में छह विकेट पर 174 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। बेंगलुरु की ओर से मोहम्मद सिराज ने दो विकेट लिये। लॉकी फर्ग्युसन, कर्ण शर्मा और कैमरून ग्रीन ने एक-एक विकेट लिया।

इससे पहले रजत पाटीदार (34) और विराट कोहली (33) की पारियों के दम पर रॉयल्स चैलेंजर्स बेंगलुरु ने राजस्थान रॉयल्स को जीत के लिए 173 रनों का लक्ष्य दिया था। आज यहां राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। बल्लेबाजी करनी उतरी बेंगलुरु की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पांचवें ओवर में कप्तान फाफ डुप्लेसी (17) का विकेट गंवा दिया। उन्हें ट्रेंट बोल्ट ने पॉवेल के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद आठवें ओवर में विराट कोहली को युजवेंद्र चहल ने डी फरेरा के हाथों कैच आउट कराया। कोहली ने 24 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (33) रनों की पारी खेली। कैमरून ग्रीन 21 गेंदों में (27), ग्लेन मैक्सवेल (शून्य) पर आउट हुये। दोनों ही बल्लेबाजों को आर अश्विन ने आउट किया। रजत पाटीदार ने 22 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुये (34) रन बनाये। उन्हें आवेश खान ने आउट किया। दिनेश कार्तिक (11) को आवेश खान ने आउट किया। महिपाल लोमरोर ने 17 गेंदों में (32) रन बनाये। आठवें विकेट के रूप में आखिर गेंद पर कर्ण शर्मा (5) रन बनाकर आउट हुये। स्वप्निल सिंह(9) रन बनाकर नाबाद रहे। रॉयल्स चैलेंजर्स बेंगलुरु ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 172 रन का स्कोर खड़ा किया।

राजस्थान रॉयल्स की ओर से आवेश खान ने तीन विकेट लिये। रवि अश्विन को दो विकेट मिले। ट्रेंट बोल्ट, संदीप शर्मा और युजवेंद्र चहल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

भारतीय पुरुष और महिला खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, जीते रजत पदक

बैंकॉक, 22 मई (एजेंसियां) ।

भारतीय पुरुष और महिला खिलाड़ियों ने एशियाई रिले चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के बाद मुख्य खिलाड़ियों के बिना मैदान में उतरी भारत की पुरुष और महिला चार गुणा 400 मीटर चौकड़ी ने अपनी-अपनी स्पर्धा में दूसरा स्थान हासिल किया और रजत पदक जीता।

महिला वर्ग में वियतनाम शीर्ष पर रहा

विथ्या रामराज, एमआर पूवम्मा, प्राची चौधरी और रूपल चौधरी की महिला टीम ने महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर रिले फाइनल में वियतनाम (तीन मिनट 30.81 सेकेंड) के बाद तीन मिनट 33.55 सेकेंड के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। जापान ने तीन मिनट 35.45 सेकेंड के साथ कांस्य पदक जीता। विथ्या और प्राची उस भारतीय चौकड़ी का हिस्सा नहीं थीं जिसने इस महीने की शुरुआत में बहामास के नासाउ में विश्व एथलेटिक्स रिले के दौरान पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल किया था। उस टीम में पूवम्मा और रूपल के साथ ज्योतिका श्री दांडी और सुभा वेंकटेशन शामिल थी।

पुरुष टीम भी शीर्ष स्थान से चूकी

मोहम्मद अनस याहिया, संतोष कुमार, मिजो चाको कुरियन और अरोकिया राजीव की पुरुष चौकड़ी भी शीर्ष स्थान हासिल करने से चूक गई। भारतीय टीम तीन मिनट 05.76 सेकेंड के समय के साथ श्रीलंका (तीन मिनट 04.48 सेकेंड) के बाद दूसरे स्थान पर रही। वियतनाम तीन मिनट 07.37 सेकेंड के साथ तीसरे स्थान पर था। श्रीलंका की टीम ने पहले चरण में बढ़त बना ली थी लेकिन संतोष ने दूसरे चरण में भारत को बढ़त दिला दी। चाको ने तीसरे चरण के बाद भारत को बढ़त पर रखा लेकिन श्रीलंका के एंकर धावक हेवा कलिंग कुमारगे ने अंतिम चरण में अरोकिया को पछाड़ दिया। संतोष और चाको उस भारतीय चौकड़ी का हिस्सा नहीं थे जिसने विश्व एथलेटिक्स रिले के दौरान पेरिस ओलंपिक कोटा तीन मिनट और 3.23 सेकंड के समय के साथ हासिल किया था।

दो साल बाद रोलां गैरां में वापसी की तैयारी में नडाल, फिटनेस पर निर्भर करेगा खेलना

पेरिस, 22 मई (एजेंसियां) ।

स्पेन के टेनिस स्टार राफेल नडाल ने यहां रोलां गैरां में अभ्यास किया। 22 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नडाल रिकॉर्ड 14 बार फ्रेंच ओपन जीत चुके हैं। इस बार 37 साल के दिग्गज का यह रोलां गैरो में अंतिम ग्रैंडस्लैम माना जा रहा है। इस अभ्यास के जरिये नडाल अपनी फिटनेस और फॉर्म की परख ले रहे हैं ताकि यह तय हो सके कि उन्हें इस साल होने वाले फ्रेंच ओपन में हिस्सा लेना है या नहीं।

शुरू होगा साल का दूसरा ग्रैंडस्लैम

साल का दूसरा ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन शुरू हो रहा है। नडाल अपने कोच कार्लोस मोया और अभ्यास करने वाले जोड़ीदारों के साथ कोर्ट फिलिप चैटरियर पर पहुंचे। उनका अभ्यास देखने के लिए फ्रेंच ओपन के मुख्य स्टेडियम में छह हजार से ज्यादा दर्शक मौजूद थे। जैसे ही नडाल कोर्ट पर उतरे, दर्शकों ने हर्षोउल्लास के साथ उनका स्वागत किया। उन्होंने एक घंटे अभ्यास किया और उसके बाद कुछ समर्थकों को ऑटोग्राफ दिए। पिछले साल कूल्हे की चोट के कारण नडाल ने फ्रेंच ओपन में हिस्सा नहीं लिया था। इस चोट के कारण वह पिछले साल काफी समय मैदान से दूर रहे। उन्हें सर्जरी भी करानी पड़ी। इस सीजन में भी वह चोट के कारण परेशान रहे हैं।

इटालियन ओपन में हरकेज से हार गए थे नडाल

नडाल को हाल ही में इटालियन ओपन के दूसरे मैच में हुबर्ट हरकेज के खिलाफ 1-6, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा था। नडाल ने कहा कि देखता हूं कि इस हफ्ते कैसा महसूस करता हूं। यदि अपने आपको तैयार पाता हूं तो उतरूंगा। यह उनका टूर पर अंतिम सीजन माना जा रहा है। उन्होंने 2022 में फ्रेंच ओपन जीता था जो उनका 22वां ग्रैंडस्लैम खिताब था। उनसे आगे सिर्फ सर्बिया के नोवाक जोकोविच हैं जिनके पुरुष सिंगल्स वर्ग में 24 ग्रैंडस्लैम हैं।

वेस्टइंडीज में पिछले विश्वकप मुकाबलों में हार का सिलसिला इस बार तोड़ पाएगी टीम इंडिया

मुम्बई, 22 मई (एजेंसियां) ।

भारतीय टीम एक जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट को जीतने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पिछले एक दशक से आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीती है और ऐसे में कप्तान रोहित शर्मा का लक्ष्य इस बार किसी भी हाल में जीत दर्ज करना रहेगा। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें वेस्टइंडीज में भारतीय टीम का रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है। वेस्टइंडीज में अब तक दो विश्वकप हुए हैं और दोनों ही बार भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। साल 2007 में एकदिवसीय विश्वकप और 2010 में टी20 विश्वकप में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा था। एकदिवसीय विश्वकप 2007 में तो भारतीय टीम ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गयी थी। वहीं 2010 के टी20 विश्वकप के सुपर 8 में उसे ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और श्रीलंका से मिली हार के बाद बाहर होना पड़ा था।

ऐसे में प्रशंसकों के मन में आशंका है कि इस बार टीम कैसा प्रदर्शन करती है। कुछ प्रशंसकों का मानना है कि वेस्टइंडीज में विश्वकप भारतीय टीम के लिए अच्छे नहीं रहे है। वहीं कई प्रशंसकों का मानना है कि भारतीय टीम इस बार पुरानी धारणा को बदल देगी। आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप 2007 में भारतीय टीम को अपने ग्रुप के तीन से से दो मैचों में हार मिली थी और टीम को टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। आईसीसी टी20 विश्वकप 2010 के सुपर 8 में भारतीय टीम बाहर हो गयी थी।

वेस्टइंडीज में हुए इस टी20 विश्वकप में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान को हराकर सुपर 8 में जगह बनाई थी पर सुपर 8 के तीनों मैचों में हार के साथ वह बाहर हो गई थी। टूर्नामेंट में भारतीय टीम को पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और अमेरिका के साथ ग्रुप 'ए' में रखा गया है और इसे ग्रुप स्टेज के अपने सभी मैच अमेरिका में खेलने हैं। चारों ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो-दो टीमें सुपर 8 में स्थान बनाएंगी जिसके सारे मैच वेस्टइंडीज में होंगे। सुपर 8 के मुकाबलों से शीर्ष 4 टीमें सेमीफाइनल में स्थान बनाएंगी। सेमीफाइनल से फाइनल में पहुंचने वाली दो टीमों और फाइनल से विजेता का फैसला होगा। फाइनल 29 जून को ब्रिजटाउन में खेला जाएगा। इसमें 9 जून को भारत और पाकिस्तान के मैच पर दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें रहेंगी।

यूरो कप के बाद रिटायर होगा जर्मनी का यह दिग्गज फुटबॉलर, संन्यास पर पहले एक बार ले चुका है यू-टर्न

मैड्रिड, 22 मई (एजेंसियां) ।

जर्मनी के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी टोनी क्रूज 2024 यूरोपीय चैंपियनशिप यानी यूरो कप 2024 के बाद इस खेल से संन्यास ले लेंगे। यह जानकारी उनके स्पैनिश क्लब रियल मैड्रिड ने दी। रियल मैड्रिड ने बताया कि 34 साल के क्रूज ने यूरो 2024 के बाद पेशेवर फुटबॉलर को समाप्त करने का फैसला लिया है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब टोनी क्रूज संन्यास का एलान कर रहे हैं। इससे पहले 2021 में भी उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहा था। हालांकि, कुछ महीनों बाद ही अपने फैसले से यू-टर्न ले लिया था और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में वापसी की थी। रियल मैड्रिड क्लब ने कहा, क्लब टोनी क्रूज के प्रति अपना आभार और स्नेह व्यक्त करना चाहता है। वह हमारे क्लब के महानतम खिलाड़ियों में से एक के रूप में जाने जाएंगे। क्रूज 2014 से रियल मैड्रिड से जुड़े हुए हैं। इस दौरान उनकी टीम ने 22 खिताब जीते हैं। इनमें चार यूरोपीय कप और चार स्पेनिश लीग शामिल हैं। उन्होंने क्लब के साथ 463 मैच खेले हैं। क्रूज 2014 में जर्मनी टीम के साथ विश्व कप खिताब जीत चुके हैं। संन्यास से पहले उनके पास रियल मैड्रिड के साथ पांचवीं बार चैंपियंस लीग खिताब जीतने का भी मौका है। यूएफा चैंपियंस लीग के फाइनल में रियल मैड्रिड का सामना बोरूसिया डॉर्टमंड से होना है। यह मैच एक जून को वेम्ब्ले में खेला जाएगा। क्रूज रियल मैड्रिड से पहले बेयर्न म्यूनिख के साथ चैंपियंस लीग का खिताब जीत चुके हैं। मैड्रिड आने के बाद 2014 से वह इस क्लब की रीढ़ की हड्डी बने हुए हैं। लुका मॉड्रिच के साथ उनकी जोड़ी कमाल की रही है। चार ला लीगा खिताब के अलावा टोनी क्रूज बेयर्न म्यूनिख के साथ तीन बार बुंदेसलीगा का खिताब भी जीत चुके हैं। जुलाई 2021 में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल छोड़ने की घोषणा की थी, लेकिन इस साल फरवरी में उन्होंने जर्मनी के कोच जुलियन नेजल्समैन के कहने पर संन्यास के फैसले को वापस ले लिया था। यूरो कप 2024 की मेजबानी इस साल जर्मनी ही कर रहा है।

जर्मनी के लिए 108 मैचों में 17 गोल कर चुके क्रूज 2014 में ब्राजील में विश्व कप जीतने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में से एक थे। सेमीफाइनल में उनकी टीम ने ब्राजील को 7-1 से हराया था। इस मैच में क्रूज ने दो गोल दागे थे। हालांकि, चार साल बाद वह जर्मनी को रूस में हुए विश्व कप में ग्रुप लीग से आगे बढ़वाने में नाकाम रहे थे। क्रूज 2022 में कतर में हुए विश्व कप में नहीं खेले थे, लेकिन उनकी टीम ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी।

हालांकि, 2024 यूरो कप में क्रूज जर्मनी टीम की कप्तानी करते दिखेंगे। क्रूस ने इंस्टाग्राम पर कहा- मेरी महत्वाकांक्षा हमेशा अपने प्रदर्शन के स्तर के चरम पर अपने करियर का अंत करने की थी। मुझे खुशी और गर्व है कि मेरे दिमाग में मुझे अपने फैसले के लिए सही समय मिला और मैं इसे अपने दम पर चुन सका।

इस्राइल-हमास के बीच युद्धविराम समझौते की शर्तों को मिस्र ने बदला, अमेरिका-कतर में गुस्से की लहर

काहिरा, 22 मई (एजेंसियां)।

इजराइल ने इस महीने की शुरुआत में एक युद्धविराम प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किया था। मिस्र ने चुपचाप इस प्रस्ताव की शर्तों को बदल दिया। इस प्रस्ताव में इस्राइली बंधकों और फलस्तीनी कैदियों की रिहाई के साथ अस्थाई रूप से युद्ध को समाप्त करने की बात कही गई थी। सूत्रों के अनुसार, अमेरिका और कतर का मानना है कि इजराइल के बाद हमास ने छह मई को जिस युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, वह प्रस्ताव इजराइल के सामने पेश हुए प्रस्ताव से बिलकुल अलग था। मिस्र के अधिकारियों द्वारा प्रस्ताव में किए गए बदलाव को पहले नहीं बताया गया था, इससे अमेरिका, कतर और इजराइल में गुस्से की लहर फैल गई।

एक सूत्र ने कहा, हम सब ठगे गए। अमेरिका की केंद्रीय खुफिया एजेंसी (सीआईए) के निदेशक बिल बर्न्स ने युद्धविराम समझौते के लिए अमेरिका के प्रयासों का नेतृत्व किया था। मिस्र ने जब समझौते की शर्तों को बदल दिया, तब वह उसी क्षेत्र में उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि उन्हें ऐसा लग रहा था कि उन्हें इसके बारे में कोई सूचना नहीं दी गई और उन्होंने इस्राइलियों को भी इसके बारे में नहीं बताया।

मिस्र के खुफिया अधिकारी परिवर्तन के लिए जिम्मेदार

सूत्रों ने बताया कि मिस्र के वरिष्ठ खुफिया अधिकारी अहमद अब्देल खालेक इन परिवर्तनों के लिए जिम्मेदार हैं। बता दें कि अहमद अब्देल खालेक मिस्र के खुफिया प्रमुख अब्बास कामेल के डिप्टी हैं। अब्देल खालेक ने इस समझौते को लेकर इस्राइलियों को अलग बात बताई और हमास से कुछ और कहा। सूत्रों के अनुसार, हमास की अधिकांश मांगों को समझौते में शामिल किया गया था, जिसके बारे में इस्राइलियों को नहीं बताया गया। सभी पक्ष यही मान रहे थे कि मिस्र ने हमास के सामने उसी समझौते को रखा, जिस पर इजराइल ने मधयस्थ देशों के सामने हस्ताक्षर किया था। ऐसा बताया गया कि अमेरिका और कतर को इसकी जानकारी थी। हालांकि, अभी तक मिस्र सरकार ने इसे लेकर कोई टिप्पणी नहीं की।

न्यूज ब्रीफ

विमान में टर्बुलेंस से हुई मौत और घायलों को लेकर जांच जारी, एयरलाइन बोली- हम कर रहे सहयोग

सिंगापुर। लंदन से सिंगापुर जा रही सिंगापुर एयरलाइंस की फ्लाइट में खतरनाक टर्बुलेंस के कारण एक यात्री की मौत हो गई। इस टर्बुलेंस के कारण 30 अन्य लोग घायल भी हुए। इस घटना के बाद एयरलाइंस ने बताया कि वह जांच में अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है। टर्बुलेंस के कारण 73 वर्षीय ब्रिटिश यात्री जेफ्री किचन की उड़ान के दौरान दिल का दौरा पड़ने से जान चली हो गई। बैंकॉक के सुवर्णभूमि एयरपोर्ट के महाप्रबंधक किट्टीपोंग किट्टीकाचोर्न ने इसकी जानकारी दी। 20 मई को लंदन (हीथ्रो) से सिंगापुर के लिए उड़ान भरने वाली सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) की उड़ान एसक्यू 321 को प्रस्थान के लगभग 10 घंटे बाद 37,000 फीट की ऊंचाई पर इरावदी बेसिन पर अचानक गंभीर टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा। इसके बाद पायलट ने मेडिकल आपातकाल की घोषणा की और विमान को बैंकॉक की ओर मोड़ दिया। विमान में तीन भारतीय भी शामिल इस घटना घायल हुए 30 यात्रियों का बैंकॉक के अस्पताल में इलाज जारी है। बोइंग 777-300 ईआर विमान 211 यात्रियों और चालक दल के 18 सदस्यों को लेकर सिंगापुर जा रहा था। इसमें तीन भारतीय भी शामिल हैं। इसके अलावा विमान में ऑस्ट्रेलिया के 56, कनाडा के 2, जर्मनी के 1, भारत के 3, इंडोनेशिया के 2, आइसलैंड के 1, आयरलैंड के 4, इजराइल के 1, मलेशिया के 16, म्यांमार के 2, न्यूजीलैंड के 23, फिलीपींस के 5, सिंगापुर के 41, दक्षिण कोरिया के 1, स्पेन के 2, यूनाइटेड किंगडम के 47 और संयुक्त राज्य अमेरिका के 4 यात्री सवार थे। जांच में पूरा सहयोग कर रही एयरलाइन एसआईए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोह चून फोंग ने कहा कि एयरलाइंस इस घटना की जांच में संबंधित अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है। 22 मई को एक राहत उड़ान के माध्यम से सिंगापुर पहुंचे 131 यात्रियों और 12 चालक दल के सदस्यों का उन्होंने चांगी एयरपोर्ट पर स्वागत किया। एयरलाइन ने पुष्टि की कि 22 मई को एक राहत उड़ान के माध्यम से सिंगापुर पहुंचे 131 यात्रियों और 12 चालक दल के सदस्यों का गोह ने चांगी हवाई अड्डे पर स्वागत किया। अन्य 79 यात्री और चालक दल के छह सदस्य भी बैंकॉक में ही हैं। गोह चून फोंग ने कहा, एयरलाइंस की तरफ से मैं मृतक के परजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। यात्रा के दौरान यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को परेशानियों का सामना करना पड़ा, इसके लिए मैं माफी मांगता हूं। हम इस कठिन समय में हर संभव सहायता प्रदान करेंगे। एयरलाइन ने बताया कि सिंगापुर से एक विशेष एसआईए दल हमारे सहकर्मियों और स्थानीय प्राधिकारियों की मदद करने के लिए बैंकॉक पहुंचा है।

खैबर पख्तूनख्वा में तीन साल के बच्चे पर बिजली चोरी का लगा आरोप, दर्ज हुआ केस

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में एक अजीबोगरीब घटना सामने आई है। क्षेत्र में एक तीन वर्षीय बच्चे के खिलाफ बिजली चोरी का मामला दर्ज किया गया है। पेशावर इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी (पीईएससीओ) और जल एवं विद्युत विकास प्राधिकरण (डब्ल्यूएपीडीए) की तरफ से शिकायत के बाद बच्चे के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया। नाबालिग को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत के समक्ष पेश किया गया, जहां न्यायाधीश ने हलफनामा देखने के बाद मामले को खारिज कर दिया। हालांकि, पीईएससीओ और डब्ल्यूएपीडीए के अधिकारी बच्चे के आरोप को लेकर निश्चित नहीं हैं। बिजली चोरी के कारण राष्ट्रीय खजाने को 438 अरब का नुकसान बता दें कि पिछले महीने एक बड़े खुलासे के बाद यह घटना सामने आई है, जिसमें बिजली वितरण कंपनियों के भीतर बिजली चोरी के कारण राष्ट्रीय खजाने को 438 अरब रुपये का चौंकाने वाला नुकसान हुआ था। सात अप्रैल को पंजाब ऊर्जा विभाग ने बिजली वितरण कंपनियों द्वारा सरकारी संस्थानों से अधिक शुल्क वसूलने पर चिंता जताई। बिजली विभाग ने इस मुद्दे पर कहा कि लाहौर इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी, फैसलाबाद इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी, मुल्तान इलेक्ट्रिक पावर कंपनी, गुजरांवाला इलेक्ट्रिक पावर कंपनी, और इस्लामाबाद इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी सरकारी विभागों से अधिक शुल्क वसूलने के लिए दोषी थीं। प्रांतीय विभागों में 1,02,000 से अधिक बिजली कनेक्शन के साथ, वास्तविक खपत और बिल की गई राशि के बीच अंतर स्पष्ट था। विभाग ने खुलासा किया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रांतीय विभागों ने 1.91 अरब से अधिक की बिजली की खपत की, लेकिन उन्हें इसके लिए 76 अरब का भुगतान करना पड़ा।

संसद में नेतन्याहू को आमंत्रित करने पर विवाद, रिपब्लिकन नेता बोले- डेमोक्रेट्स नहीं चाहते तो भी बुलाएंगे

वॉशिंगटन, 22 मई (एजेंसियां)।

प्रतिनिधि सभा के स्पीकर माइक जॉनसन ने कहा कि उन्होंने संसद में बहुमत के नेता चक शूमर को पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए समय दिया है। हमास और इजराइल बीते सात महीने से जंग लड़ रहे हैं। अब तक 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इस युद्ध में अमेरिका लगातार इजराइल का साथ दे रहा है। अब यहां ही इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को संसद में बुलाने पर बहस छिड़ गई है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के रिपब्लिकन नेता ने कहा कि वह इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को सांसदों को संबोधित करने के लिए आमंत्रित करने के बहुत करीब हैं, भले ही सीनेट के डेमोक्रेटिक नेता इसके लिए तैयार न हों।

मंगलवार तक का समय

प्रतिनिधि सभा के स्पीकर माइक जॉनसन ने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने संसद में बहुमत के नेता चक शूमर को उस पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए मंगलवार तक का समय दिया है, जिसमें नेतन्याहू को एक संयुक्त बैठक को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया है।

हम करेंगे आमंत्रित

उन्होंने आगे कहा, अगर वो हस्ताक्षर नहीं करते हैं तो हम नेतन्याहू को सांसदों को संबोधित करने के लिए निमत्रंण देंगे।

इजराइल के साथ हमारे रिश्ते दृढ़

शूमर ने इस बात की पुष्टि की कि वह जॉनसन से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा, मैं प्रतिनिधि सभा के स्पीकर से लगातार बात कर रहा हूं। जैसा कि मैंने हमेशा कहा है कि इजराइल के साथ हमारे रिश्ते दृढ़ है। यह किसी एक प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति से आगे हैं। इस मुद्दे पर दोनों दलों के बीच मतभेद ने नवंबर के राष्ट्रपति चुनाव से महीनों पहले इजराइल नीति के राजनीतिकरण को रेखांकित किया, जिसमें डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति जो बाइडन रिपब्लिकन पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ दिख रहे हैं।

सात माह से जंग जारी

हमास ने सात अक्तूबर को इस्राइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इजराइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इजराइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इजराइल और गाजा में कुल मिलाकर 30000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

राष्ट्रपति हर्जोग ने पीएम मोदी की तारीफ की, बोले- हमास हमले की निंदा करने वाले वह पहले नेता

जेरूसलम। इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने सात अक्तूबर को हुए हमास के हमले की निंदा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के सबसे बड़े देशों में से एक है और इजराइल सबसे छोटे देशों में से एक। फिर भी हम दोनों पूरी तरह से आधुनिक राष्ट्र हैं, जो दृढ़ लोकतांत्रितक आदर्शों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि हम आपस में बहुत कुछ साझा करते हैं। दरअसल, दिल्ली में इजराइल राष्ट्रीय दिवस समारोह का आयोजन किया गया, जिसे इजराइल के राष्ट्रपति हर्जोग ने वर्चुअली संबोधित किया। उन्होंने कहा, भारत और इजराइल की साझेदारी मजबूत व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों से लेकर सार्थक सांस्कृतिक, शैक्षणिक, तकनीकी और वैज्ञानिक आदान-प्रदान तक है। बेशक, हमारे साझा संबंध संकट के समय में अतिरिक्त अर्थ रखते हैं, लेकिन सात अक्तूबर को हमास द्वारा इजराइल पर किए गए हमले में हुए नरसंहार की निंदा करने वाले विश्व नेताओं में से भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले हैं। वह इतिहास के सही पक्ष पर खड़े रहे। मैं उन्हें तहे दिल से धन्यवाद देता हूं। हर्जोग ने आगे कहा, 'जैसे-जैसे आपका लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था बढ़ती है, वैश्विक नेतृत्व में आपकी भूमिका बढ़ती है और विस्तारित होती है' प्रधानमंत्री मोदी के इस तथ्य की हम इजराइल में सराहना और स्वागत करते हैं। भारत स्वयं सीमा पार आतंकवाद का शिकार: क्वात्रा इससे पहले भारत के विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने कहा, हम इजराइल की आजादी के एक और वर्ष को मना रहे हैं, लेकिन हमारा दिल हाल की घटनाओं के बोझ से भारी है। 7 अक्टूबर को हुए आतंकी हमलों ने हम सभी को झकझोर कर रख दिया है भारत स्वयं सीमा पार आतंकवाद का शिकार है और आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के प्रति शून्य-सहिष्णुता का दृष्टिकोण रखता है, आतंक के कृत्यों के लिए कोई औचित्य नहीं हो सकता है। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं बंधकों और निर्दोष लोगों के परिवारों के साथ हैं।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों का हमला 40 लोगों की हत्या की, पीड़ित बोले जल्लादों ने घरों को भी फूंक डाला

आबुजा, 22 मई (एजेंसियां)।

अफ्रीकी देश नाइजीरिया के एक गांव में बंदूकधारियों ने हमला कर दिया। हमले में 40 लोगों की मौत हो गई। आरोपियों ने गांव में अंधाधुंध गोलीबारी की। निवासियों का कहना है कि आरोपियों ने कई घरों को आग के हवाले कर दिया। कई लोगों का अपहरण भी कर लिया। बता दें, यहां किसानों और चरवाहों के बीच अक्सर झड़प होती रहती है। घटना नाइजीरिया के उत्तर-मध्य में स्थित पठारी राज्य की है।

निवासी बोले- मृतकों की संख्या में हो सकता है इजाफा

पठारी पुलिस के प्रवक्ता अल्फ्रेड अलाबो ने बताया कि पठारी बंगलाला के जंगलों में सुरक्षा एजेंटों के हमलों से भाग रहे डाकुओं ने जुराक और डाकाई गांव पर हमला कर दिया। सुरक्षा एजेंटों ने सात हमलावरों को ढेर कर दिया। वहीं, भागते हुए डाकुओं ने नौ लोगों की जान ले ली। गांव के निवासियों का कहना है कि मरने वालों की संख्या काफी अधिक है। बंदूकधारी दर्जनों की संख्या में थे। उन्होंने बाइक पर गांव में धावा बोला था। उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी की। उन्होंने कई लोगों का अपहरण कर लिया और कई घरों को फूंक दिया।

मैंने किसी तरह अपनी जान बचाई

जुराक के निवासी बबांगीदा अलीयू ने बताया कि जैसे ही वे लोग हमारे गांव में घुसे, उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। बिना किसी दया भाव के उन्होंने 40 से अधिक लोगों की हत्या कर दी। मैं किसी तरह उनके चंगुल से भाग कर अपनी जान बचा पाया था। मैंने अभी तक अपने परिवार को नहीं देखा। वहीं, एक अन्य निवासी टिमोती हारुना ने बताया कि आरोपियों ने कई लोगों को मौत के घाट उतार दिया। उन्होंने कई लोगों का अपहरण कर लिया।

राष्ट्रपति चुनाव परिणाम पलटने की साजिश मामले में सुनवाई, पूर्व मेयर रूडी ने खुद को बताया निर्दोष

न्यूयॉर्क, 22 मई (एजेंसियां)।

न्यूयॉर्क के पूर्व मेयर रूडी गिउलिआनी और दस अन्य ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों को पलटने की साजिश रचने के आरोप में एरिजोना अदालत में खुद को निर्दोष बताया। गिउलिआनी को पिछले हफ्ते समन भेजने के राज्य के प्रयासों की अनदेखी करने के लिए 10,000 डॉलर का मुचलका भरना होगा। एरिजोना रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व अध्यक्ष केली वार्ड के साथ-साथ 11 अन्य लोगों पर साजिश, जालसाजी और धोखाधड़ी के आरोपों के लिए फीनिक्स अदालत में मुकदमा चलाया गया। पूर्व मेयर गिउलिआनी वर्चुअली माध्यम से फीनिक्स अदालत कक्ष में उपस्थित हुए। इस दौरान उन्होंने और नौ अन्य लोगों ने खुद को निर्दोष बताया। मामले का ट्रायल 17 अक्टूबर को होगा। गिउलिआनी ने अदालत से कहा- मुझे वकील की आवश्यकता नहीं अदालत में गिउलिआनी ने कहा, वर्तमान में उनके पास कोई वकील नहीं है, लेकिन भविष्य में उनके पास एक वकील होगा। जब अदालत ने उनसे पूछा कि क्या उन्हें वकील की आवश्यकता होगी, तो उन्होंने नहीं में जवाब दिया। कहा कि मुझे लगता है कि मैं इसे स्वयं संभालने में सक्षम हूं। नोटिस देने के लिए अधिकारियों ने कई हफ्ते किया संघर्ष एरिजोना के अधिकारियों ने कई हफ्तों तक गिउलिआनी को उनके खिलाफ दर्ज अभियोग का नोटिस तामील कराने के लिए संघर्ष किया। फ्लोरिडा में उनके 80वें जन्मदिन मनाने के तुरंत बाद 17 मई की रात अधिकारी उन्हें नोटिस देने में सफल हुए। अदालत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए छह प्रतिवादी गिउलिआनी के अलावा अदालत में खुद को निर्दोष बताने की दलीलें देने वाले 10 प्रतिवादियों में से चार वर्चुअली और छह व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए। प्रतिवादियों में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सहयोगी क्रिस्टीना बॉब और पूर्व ट्रम्प अभियान सहयोगी माइक रोमन शामिल हैं।

सुपुर्दे-खाक होंगे रईसी और सभी मृतक धनखड़ करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

तेहरान/दुबई, 21 मई (एजेंसियां)।

ईरान में हेलिकॉप्टर हादसे में मारे गए दिवंगत राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी का अंतिम संस्कार कार्यक्रम शुरू हो गया। उपराष्ट्रपति मोहसिन मंसूरी ने घोषणा की कि रईसी 23 मई को उत्तर-पूर्वी शहर मशहद में सुपुर्दे-खाक होंगे। सरकारी मीडिया पर रईसी की जगह लेने के लिए 28 जून को नए राष्ट्रपति पद के चुनाव कराने की खबर भी दी गई है। भारत के उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी शोक कार्यक्रम में शामिल होंगे। हेलिकॉप्टर हादसे में दिवंगत राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी, विदेश मंत्री होसैन अमीरबदोल्लाहियान समेत आठ अन्य की मौत हो गई थी। इमाम रजा के मकबरे पर उन्हें दफन किया जाएगा, जो शियाओं का मुख्य तीर्थस्थल है। रईसी व साथियों के शव ताब्रीज शहर में रखे गए, जहां उनके अंतिम दर्शनों के लिए भीड़ लगी है। देश के सर्वोच्च नेता ने पांच दिनों के शोक की घोषणा की है। रईसी समेत सभी मृतकों के शव ऐतिहासिक इमाम रजा मस्जिद में ले जाए जाएंगे जहां खामेनेई प्रार्थना करेंगे। सरकारी मीडिया के मुताबिक, रईसी

के उत्तराधिकारी के चयन के लिए मतदान का फैसला न्यायपालिका, सरकार और संसद के प्रमुखों की बैठक के दौरान लिया गया। उम्मीदवारों का पंजीकरण 30 मई से 3 जून तक और चुनाव प्रचार 12 से 27 जून तक होगा। फिलहाल मोहम्मद मखबेर अंतरिम राष्ट्रपति हैं।

धनखड़ करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

इस बीच, भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के अंतिम संस्कार में 23 मई को भारत का प्रतिनिधित्व करेंगें। धनखड़ ईरान रवाना होंगे। रईसी के सम्मान में पूरे भारत में एक दिनी राजकीय शोक मनाया गया। ईरानी दूतावास पहुंचे जयशंकर, राष्ट्रपति रईसी के निधन पर जताया शोक विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दिल्ली में ईरानी दूतावास का दौरा किया।

उन्होंने हेलिकॉप्टर दुर्घटना में राष्ट्रपति रईसी और विदेश मंत्री अमीरबदोल्लाहियान की मौत पर भारत की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की। जयशंकर ने कहा, भारत इस कठिन समय में ईरान के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। लॉजिस्टिक कारणों से अमेरिकी मदद नहीं अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरान सरकार ने हेलिकॉप्टर हादसे की जांच के लिए अमेरिका से मदद का आग्रह किया है, लेकिन अमेरिका 'लॉजिस्टिक' (साजो-सामान) कारणों से सहायता नहीं करेगा। मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा, अमेरिका ने रईसी के निधन पर आधिकारिक तौर पर शोक जताया है, लेकिन वह मानता है कि रईसी के हाथ खून से सने थे।

नया भारत घर में घुसकर मारता है : यूएन में पाक के राजदूत बोले- भारत का अभियान कनाडा-यूएस में भी जारी

वॉशिंगटन, 22 मई (एजेंसियां)।

नया भारत आपके घर में घुसता है और आपको मारता है। यह किसी फिल्म का डायलॉग नहीं है बल्कि यह पाकिस्तान के राजदूत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपना दुखड़ा रोया है। हाल ही में महासभा को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के स्थायी राजदूत मुनीर अकरम ने कहा कि नया भारत खतरनाक है। उन्होंने कहा कि भारत का यह अभियान सिर्फ पाकिस्तान तक सीमित नहीं है बल्कि कनाडा और अमेरिका में भी सक्रिय है।

एक प्रमुख अमेरिकी अखबार ने हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी के एक रैली में उनके भाषण को छापा था। पीएम मोदी ने एक रैली में कहा था कि भारत का दुश्मन पाकिस्तान भी यह जानता है कि यह नया भारत है, यह आपके घर में आता है और आपको मारता है। इसी रिपोर्ट का हवाला देते हुए अकरम ने कहा कि यह सुरक्षा का नहीं बल्कि असुरक्षा का प्रदाता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने सुरक्षा परिषद के साथ-साथ महासचिव और महासभा को पाकिस्तान में लक्षित हत्याओं के भारतीय अभियान के बारे में सूचित किया था। बता दें, भारत ने कई बार ऐसे आरोपों को नकारा है और इन्हें सिरे से खारिज किया है।

ब्रिटिश अखबार ने भी किया था दावा

इससे पहले, ब्रिटिश मुख्य अखबार ने दावा किया था कि भारत सरकार के आदेश पर पाकिस्तान में आतंकवादियों को ठिकाने लगाया जा रहा है। भारतीय और पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों के हवाले से अखबार ने कहा था कि ये हत्याएं विदेशी सरजमीं पर मौजूद आतंकवादियों को खत्म करने की भारत की व्यापक रणनीति का हिस्सा हैं। दावा है कि पाकिस्तान में 2020 के बाद अब तक 20 आतंकी मारे जा चुके हैं। भारत की खुफिया एजेंसी रॉ ने 2019 के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा के साहसिक कदम के तहत कथित तौर पर विदेशों में कार्रवाई शुरू की।

भारतीय खुफिया स्लीपर सेल ने दिया अंजाम

पाकिस्तानी जांचकर्ताओं के अनुसार, इन हत्याओं को अंजाम संयुक्त अरब अमीरात से संचालित होने वाले ज्यादातर भारतीय खुफिया स्लीपर-सेल ने दिया। 2023 में हत्याओं में इजाफा का श्रेय इन स्लीपर सेल की बढ़ी हुई गतिविधि को दिया गया। इन पर हत्याओं को अंजाम देने के लिए स्थानीय अपराधियों या गरीब पाकिस्तानियों को लाखों रुपये देने का आरोप है।

कनाडाई पीएम ने भारत सरकार पर लगाए आरोप

विदेशी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कनाडाई प्रधानमंत्री मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने पिछले साल आरोप लगाए थे कि निज्जर की हत्या के पीछे भारत सरकार का हाथ हो सकता है। ट्रूडो ने कहा कि कनाडाई सुरक्षा एजेंसियों के पास यह मानने के कारण है कि भारत सरकार के एजेंटों ने ही निज्जर की हत्या की है। कनाडाई एजेंसियां निज्जर की हत्या में भारत की साजिश की संभावनाओं की जांच कर रही हैं। ट्रूडो ने जोर दिया कि कनाडा की धरती में कनाडाई नागरिक की हत्या में किसी भी प्रकार की संलिप्तता अस्वीकार्य है।

संसद में पीएम ने दिया यह बयान

कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने संसद में बताया था कि नई दिल्ली में आयोजित जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बात की थी। इस दौरान मैंने उन्हें कहा था कि हत्याकांड की जांच में भारत सरकार की कोई भी संलिप्तता अस्वीकार्य होगी। मैंने उनसे जांच में सहयोग करने का आग्रह किया था। कनाडाई धरती पर एक कनाडाई नागरिक की हत्या हुई है। इसकी जांच में किसी विदेशी सरकार की संलिप्तता हमारी संप्रभुता का उल्लंघन है। उनकी सरकार खुद कनाडा एजेंसियों के साथ काम कर रही हैं। सरकार और एजेंसियों के बीच समन्वय है।

25 मई से 2 जून तक रहेगा नौतपा

24 वर्ष बाद नौतपा की अवधि में अस्त रहेंगे गुरु - शुक्र ग्रह

25 मई को सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश के साथ ही प्रारंभ होगा नौतपा

नौतपा तब होता है जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है । यह हर साल आता है और इस दौरान 9 दिनों तक सूर्य देव उग्र रूप में रहते हैं। सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते ही पृथ्वी का तापमान बढ़ जाता है और भीषण गर्मी का सामना करना पड़ता है। इस दौरान सूर्य की किरणें धरती पर सीधी पड़ती हैं, लेकिन इस बार शुक्र व गुरु का तारा अस्त होने से इसका प्रभाव कम रहेगा। माना जाता है नौतपा जितना तपता है, उतनी अच्छी वर्षा होती है। इस बार वृष राशि में गोचर कर रहे गुरु और शुक्र के साथ सूर्य रहने से त्रिग्रही योग भी बनेगा। करीब 24 वर्ष बाद नौतपा की अवधि में गुरु और शुक्र दोनों ग्रह अस्त भी रहेंगे। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि सूर्य 25 मई को 3:15 मिनट पर रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। इसके बाद नौ दिन का नौतपा रहेगा। इसके साथ ही सूर्य देव 8 जून को 1:04 मिनट तक रोहिणी नक्षत्र में रहेंगे। 8 जून को ही सूर्य देव मृगशिरा नक्षत्र में प्रवेश कर जायेंगे और 15 जून को मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। रोहिणी नक्षत्र में सूर्यदेव के प्रवेश से नौतपा भी प्रारंभ हो जाएंगे। नौतपा से आशय सूर्य का नौ दिनों तक अपने सर्वोच्च ताप में होना है यानि इस दौरान गर्मी अपने चरम पर होती है।

चंद्र देव रोहिणी नक्षत्र के स्वामी हैं, जो शीतलता का कारक हैं, परंतु इस समय वे सूर्य के प्रभाव में आ जाते हैं। जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में 15 दिनों के लिए आता है तो उन पंद्रह दिनों के पहले नौ दिन सर्वाधिक गर्मी वाले होते हैं। इन्हीं शुरुआती नौ दिनों को नौतपा के नाम से जाना जाता है। ज्येष्ठ मास की ग्रीष्म ऋतु में नवतपा को अधिक गर्मी का संकेत माना जाता है। नवतपा शुक्ल पक्ष में आर्द्रा नक्षत्र से 9 नक्षत्रों तक यानी 9 दिनों तक रहता है। यह आवश्यक नहीं है कि नवतपा में अधिक गर्मी हो। आर्द्रा के 10 नक्षत्रों तक, जो सबसे अधिक गर्मी प्राप्त करता है, बाद में सूर्य उस नक्षत्र में 15 दिनों तक रहता है और अच्छी वर्षा होती है। नौतपा की शुरुआत भी रोहिणी नक्षत्र से होगी। नवतपा में तेज हवा के साथ बवंडर और बारिश की संभावना रहती है। नौतपा समय की ग्रह स्थिति तेज हवा, बवंडर और बारिश का संकेत दे रही है। इस बार 25 मई से नौतपा शुरू होंगे और 2 जून तक रहेंगे।

नौतपा कब होगा शुरू

जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है तो ग्रीष्म ऋतु शुरू हो जाती है, जो हर साल 25 मई से 2 जून तक रहती है । इस बार भी सूर्य 25 मई की सुबह 3:15 मिनट पर रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेगा और 8 जून तक यहीं रहेगा । 8 जून के बाद यह मृगशिरा नक्षत्र में चला जाएगा। सूर्य जितने दिनों तक रोहिणी नक्षत्र में रहता है। पृथ्वी भी उतने ही दिनों तक अत्यधिक गर्मी का अनुभव करती है । ज्योतिष शास्त्र के अनुसार गर्मी का मौसम 9 दिनों तक रहता है। यानी पृथ्वी पर लोगों को 9 दिनों तक अत्यधिक गर्मी का सामना करना पड़ता है ।

प्रभाव

नौतपा के कारण संक्रमण में कमी आयेगी। संक्रमण का असर न्यूनतम होगा। लोगों में अनुकूलता और आरोग्यता भी बढ़ेगी। खगोल विज्ञान के अनुसार इस दौरान धरती पर सूर्य की किरणें सीधी लम्बवत पड़ती हैं। जिस कारण तापमान अधिक बढ़ जाता है। यदि नौतपा के सभी दिन पूरे तपें, तो यह अच्छी बारिश का संकेत होता है।

पौराणिक महत्व

नौतपा का ज्योतिष के साथ-साथ पौराणिक महत्व भी है। ज्योतिष के सूर्य सिद्धांत और श्रीमद् भागवत में नौतपा का वर्णन आता है। कहते हैं जब से ज्योतिष की रचना हुई, तभी से ही नौतपा भी चला आ रहा है। सनातन सस्कृति में सदियों से सूर्य को देवता के रूप में भी पूजा जाता रहा है। नौतपा को लेकर लोक मान्यता है कि नौतपा के सभी दिन पूरे तपें, तो आगे के दिनों में अच्छी बारिश होती है। ज्योतिषों का कहना है कि चंद्रमा जब ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष में आर्द्रा से स्वाति नक्षत्र तक अपनी स्थितियों में हो और इसके साथ ही अधिक गर्मी पड़े, तो वह नौतपा कहलाता है। वहीं अगर सूर्य रोहिणी नक्षत्र में होता है तो उस दौरान बारिश हो जाती है तो इसे रोहिणी नक्षत्र का गलना भी कहा जाता है।

मानसून का गर्भकाल

सूर्य की गर्मी और रोहिणी के जल तत्व के कारण यह मानसून का गर्भ आ जाता है और इसी कारण नौतपा को मानसून का गर्भकाल माना जाता है। ऐसे में जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में होता है तो उस समय चंद्रमा नौ नक्षत्रों में भ्रमण करते हैं।

परंपरा

परंरपरा के अनुसार नौतपा के दौरान महिलाएं हाथ पैरों में मेहंदी लगाती हैं। क्योंकि मेहंदी की तासीर ठंडी होने से तेज गर्मी से राहत मिलती है। इन दिनों में पानी खूब पिया जाता है और जल दान भी किया जाता है ताकि पानी की कमी से लोग बीमार न हो। इस तेज गर्मी से बचने के लिए दही, मक्खन और दूध का उपयोग ज्यादा किया जाता है। इसके साथ ही नारियल पानी और ठंडक देने वाली दूसरी और भी चीजें खाई जाती हैं। लोगों को बिना कुछ खाए घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। इस दौरान आवश्यकतानुसार ग्लूकोज का सेवन भी करते रहना चाहिए। इन दिनों लोगों को मुलायम और सूती कपड़े पहनने चाहिए। इस अवधि के दौरान लोगों को तली-भुनी और मसालेदार चीजों का सेवन भी नहीं करना चाहिए और बासी खाना खाने से बचना चाहिए।

क्या करें और क्या न करें

ग्रहों और नक्षत्रों के प्रभाव में नौतपा 25 मई से शुरू हो रहा है। नौतपा के दिनों में विवाह जैसी मांगलिक यात्रा में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

ग्रहों की स्थिति को देखते हुए देश के पूर्व, पश्चिम और दक्षिण में प्राकृतिक आपदाएं पैदा हो रही हैं। यह नौतपा 02 जून तक चलेगा। .नौतपा के दौरान सूर्य रोहिणी नक्षत्र में रहता है। इसके फलस्वरूप सूर्य की सीधी किरणें पृथ्वी पर पड़ती हैं, इस दौरान अत्यधिक भीषण गर्मी देखी जा सकती है। सूर्य की मौजूदा स्थिति अशुभ फल दे सकती है। वृष राशि वालों के लिए वर्तमान समय खराब है।

सूर्य की आराधना

रोहिणी नक्षत्र के दौरान सूर्य की आराधना करना विशेष फलदायी होता है। सुबह सूर्योदय के पहले स्नान कर सूर्य को अर्घ दें। जलपात्र में कंकूम डाले और सूर्य को जल चढ़ाए। जल चढ़ाते समय सूर्यदेव का मंत्र ऊं घृणि सूर्याय नमः, या ऊँ सूर्यदेवाय नमः का निरंतर जाप करें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

अपरा एकादशी 2 जून से

ज्येष्ठ का महीना 24 मई 2024 से शुरू हो रहा है। ज्येष्ठ माह में दोनों कृष्ण पक्ष की अपरा एकादशी और शुक्ल पक्ष में आने वाली निर्जला एकादशी बहुत महत्व-पूर्ण मानी जाती है।

ज्येष्ठ माह में गर्मी चरम पर होती है और एकादशी में 24 घंटे व्रत किया जाता है, जो सबसे कठिन होता है। ऐसे इस महीने एकादशी व्रत करने वालों को सालभर की एकादशी का पुण्य प्राप्त होता है। आइए जानते हैं इस साल अपरा एकादशी 2024 की डेट, पूजा मुहूर्त और क्यों किया जाता है ये व्रत।

ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अपरा एकादशी तिथि 2 जून 2024 को सुबह 05.04 पर शुरू होगी और अगले दिन 03 जून 2024 को प्रात: 02.41 मिनट पर समाप्त होगी। इस साल अपरा एकादशी 2 और 3 जून दोनों दिन है।अपरा एकादशी 2 जून 2024 को है. जब पंचांग में एकादशी के लिए लगातार दो दिन सूचीबद्ध किए गए हो तब पहले दिन को प्राथमिकता दी जाती है। ऐसे में गृहस्थ जीवन वालों को पहले दिन एकादशी व्रत करना चाहिए। दूसरे दिन वाली एकादशी को दूजी एकादशी कहते हैं, संन्यासियों और मोक्ष प्राप्ति के इच्छुक श्रद्धाल-ुओं को दूजी एकादशी के दिन व्रत करना चाहिए। 3 जून 2024 को वैष्णव संप्रदाय के लोग एकादशी व्रत करेंगे।

अपरा एकादशी 2024 मुहूर्त

विष्णु पूजा मुहूर्त - सुबह 07.07 - दोपहर 12.19

अपरा एकादशी 2024 व्रत पारण समय

अपरा एकादशी का व्रत पारण 3 जून को सुबह 08.05 से सुबह 08.10 मिनट के बीच किया जाएगा।

वहीं जो वैष्णव एकादशी का व्रत पारण 4 जून को सुबह 05.23 से सुबह 08.10 के बीच किया जाएगा।

अपार धन देता है अपरा एकादशी व्रत

अपरा एकादशी व्रत के प्रताप से भौतिक सुख, संसाधनों में वृद्धि होती है। व्यक्ति को अपार धन प्राप्ति का आशीर्वाद मिलता है।पांडवों ने अपरा एकादशी की महिमा भगवान श्रीकृष्ण के मुख से सुनी थी। श्रीकृष्ण के मार्गदर्शन में इस व्रत को करके महाभारत युद्ध में विजय हासिल की थी।

चंद्रमा का भी होता है नामकरण!

कहीं फूलों...तो कहीं नक्षत्रों पर होता है मून का नाम, जानें इसका महत्व

हिन्दू मान्यता के अनुसार चंद्रमा जिस नक्षत्र में होता है । उस आधार पर किसी बी बच्चे का नामकरण किया जाता है।

लेकिन क्या चंद्रमा का भी नामकरण होता है? इसके बारे में जानकारी देते हुए विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने बताया कि बुद्ध पूर्णिमा (गुरुवार 23 मई) के दिन चंद्रमे को फ्लावर मून के नाम दिया गया है। कुछ भागों में इसे प्लांटिंग मून और मिल्क मून भी कहा जा रहा है। गुरुवार 23 मई शाम लगभग 7 बजे के आसपास यह फ्लावर मून की स्थिति में पूर्व दिशा में उदित होता दिखेगा। रात भर आकाश में रहकर सुबह सवेरे पश्चिम दिशा में अस्त होगा।

सारिका ने बताया कि पश्चिमी देशों में मई में कई जंगली फूल खिलते हैं। संभवत: रंग बिरंगे फूलों ने वहां के निवासियों को चंद्रमा के इस नामकरण के लिए प्रेरित किया है। आकाश में विभिन्न ग्रह और पूर्णिमा का चंद्रमा एक आकाशीय घड़ी के रूप में काम करते हैं। जिससे दिन, महीने, साल का अनुमान लगाया जाता रहा है।

चंद्रमा भी बदलता है अपना नाम

भारत में माह का नामकरण पूर्णिमा पर चंद्रमा के आसपास स्थित नक्षत्र के नाम पर किया जाता रहा है। चूंकि आज चंद्रमा विशाखा नक्षत्र में है, तो इस महीने का नाम वैशाख था और इसे यह वैशाखी पूर्णिमा नाम दिया गया है। इस प्रकार चंद्रमा हर माह अपना नाम भी बदलता है। अगला फ्लावर मून 12 मई 2025 को होगा।

हाथ में क्यों पहनते हैं कलावा, कितने दिन में बदल देना चाहिए?

दानवीर राजा बलि से जुड़ा है इतिहास

हिंदू धर्म में पूजा-पाठ या कोई मांगलिक कार्य हो, तो कलाई पर मौली या कलावा बांधा जाता है। रक्षा सूत्र या मौली बांधना वैदिक परंपरा का हिस्सा है। यज्ञ के दौरान इसे बांधे जाने की परंपरा तो पहले से ही चली आ रही है। कलावा को संकल्प सूत्र के साथ ही रक्षा-सूत्र के रूप में बांधे जाने की वजह का पौराणिक ग्रंथों में उल्लेख है। पौराणिक कथा के अनुसार, असुरों के दानवीर राजा बलि की अमरता के लिए भगवान वामन ने उनकी कलाई पर रक्षा-सूत्र बांधा था। इसे रक्षाबंधन का भी प्रतीक माना जाता है।गया मंत्रालय वैदिक पाठशाला के पंडित राजा आचार्य लोकल18 को बताते हैं कि अक्सर हम सभी कलावा बांधने के बाद उसे निकालना भूल जाते हैं और वो लंबे समय तक हाथ में बंधा रह जाता है। इस तरह वो कलावा हमें अपनी ऊर्जा देना बंद कर देता है। इसलिए शास्त्रों में इसे कितने दिनों तक पहनना चाहिए, इसका

वर्णन किया गया है। हाथ में कलावा सिर्फ 21 दिन के लिए बांधना चाहिए, क्योंकि अमूमन तौर पर इतने दिन में कलावे का रंग उतरने लगता है और कलावा कभी भी उतरे हुए रंग का नहीं पहनना चाहिए।

ऐसा कलावा मानते हैं अशुभ

रंग उतरता कलावा बांधना अशुभ माना जाता है। इसलिए इसे उतार देना ही उचित होता है। 21 दिनों के बाद फिर किसी अच्छे मुहूर्त में हाथ पर कलावा बंधवा सकते हैं। साथ ही ऐसा भी कहा गया है कि कलावा जब भी हाथ से उतारा जाता है, तो वह आपके भीतर और आपके आसपास की नकारात्मकता को लेकर ही उतरता है। इसलिए उस कलावे को दोबारा नहीं पहनना चाहिए। हाथ से उतारा हुआ कलावा किसी बहती नदी में प्रवाहित कर देना शुभ होता है।

मौली या कलावा बांधने के नियम

1. पुरुषों और अविवाहित कन्याओं को दाएं हाथ में कलावा बांधना चाहिए।

2. विवाहित स्त्रियों के लिए बाएं हाथ में कलावा बांधने का नियम है।

3. जिस हाथ में कलावा बंधवा रहे हैं, उसकी मुट्ठी बंधी होनी चाहिए।

4. कलावा बंधवाते समय दूसरा हाथ सिर पर होना चाहिए।

5. मौली कहीं पर भी बांधें, एक बात का हमेशा ध्यान रहे कि इस रक्षासूत्र को केवल 3 बार ही लपेटना चाहिए।

जेब में रखें यह छोटी सी टिकिया, कभी नहीं होगी धन की कमी, हमेशा भरी रहेगी तिजोरी

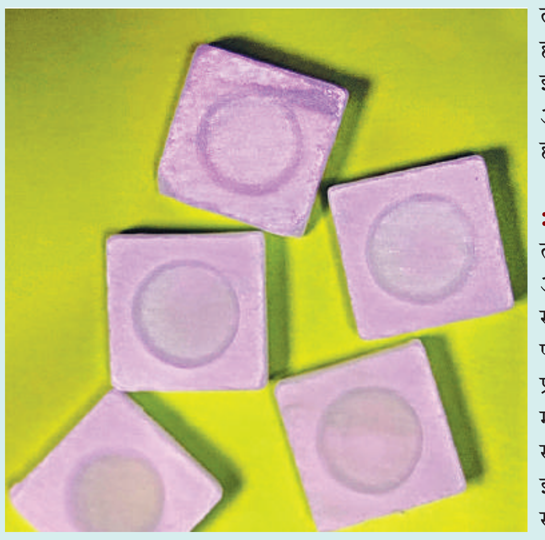

हिंदू धर्म में कपूर का महत्व बहुत अधिक है, जिसे खास तौर पर शुभ अवसर और पूजन विधि में उपयोग किया जाता है। इसका प्रमुख रूप से हवन और आरती में पवित्र सुगंधित सामग्री के रूप में इस्तेमाल किया जाता है, ताकि वातावरण सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहे। लाभदायक परिणाम की जानकारी

वास्तु शास्त्र के अनुसारकपूर बहुत ही उपयोगी सामग्री है, क्योंकि कपूर सकारात्मक ऊर्जा का प्रमुख स्रोत होता है, जो नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर आर्थिक संकटों से मुक्ति दिलाता है।

कपूर के फायदे...

पर्स में रखे कूपर :- अगर आप सुबह स्नान कर अपनी दाई जेब में, सफेद रुमाल के अंदर या पर्स में दो कपूर रखते हैं तो आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जा आती है। स्वच्छ स्थान पर माता लक्ष्मी का वास होता इस कारण इससे धन वर्षा और आर्थिक उन्नति होती है।

शांति की प्राप्ति :- अगर अक्सर तनाव में रहते हैं तो अपनी जेब में कपूर रखें। इससे पॉजिटिव एनर्जी का प्रवाह होता है और मन शांत और खुशहाल रहता है। इससे नकारात्मक ख्याल नहीं आते हैं और बिना किसी तनाव दिमाग शांत और खुशहाल रहता है।

पारिवारिक झगड़ा :- घर में अगर पति-पत्नी के बीच लड़ाई - झगड़ा या विवाद का माहोल हो तो जेब में कुपर रखें और शाम को इसे कमरे में एक बार जरूर जलाएं। इससे संबंध अच्छे होते हैं और वैवाहिक जीवन सुखमय होता है।

द ब्लैक स्वॉर्ड बने मांचू मनोज का दिखा खतरनाक रूप, मेकर्स ने जारी किया मिराय का टीजर

अभिनेता मांचू मनोज जल्द हीं फिल्म मिराय में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म से वह लगभग आठ साल बाद तेलुगु फिल्मों में वापसी कर रहे हैं। इससे पहले उन्हें आखिरी बार साल 2017 में रिलीज हुई फिल्म ओक्काडु मिगिलाडु में देखा गया था। इस फिल्म के बाद वह अज्ञात कारणों से फिल्मी चकाचौंध से दूर हो गए थे। अब वह एक बार फिर से पर्दे पर अपना जादू बिखेरने को तैयार हैं। फिल्म मिराय से मनोज फिल्मी पर्दे पर वापसी कर रहे हैं।

इस फिल्म में उनका किरदार काफी खतरनाक होने वाला है। फिल्म के निर्माताओं ने उनके जन्मदिन पर अभिनेता की पहली झलक भी दिखाई है। निर्माताओं ने एक टीजर वीडियो जारी किया, जिसमें वह द ब्लैक स्वॉर्ड के किरदार में नजर आ रहे हैं। यह एक संगठन है, जो काफी खूंखार और खतरनाक है। लंबे और बंधे बालों के साथ एक योद्धा के अवतार में मनोज काफी जंच रहे हैं। अपने किरदार से फैंस को रुबरु कराते हुए अभिनेता ने सोशल

मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया। इसमें उन्होंने लिखा,मैं इस पल का काफी लंबे समय से इंतजार कर रहा था ताकि मैं आप सबके सामने अपना नया अवतार पेश कर सकूं, जिसे आप मिराय के द ब्लैक स्वॉर्ड के नाम से भी जानते हैं। मिराय की टीम को बहुत खास बताते हुए अभिनेता ने इस फिल्म में काम करने को अपना सौभाग्य बताया है। बताते चलें कि फिल्म हनुमान में नजर आए पैन इंडिया स्टार तेजा सज्जा भी इसमें नजर आने वाले हैं।

वह अपनी पिछली ब्लॉकबस्टर फिल्म के बाद फिर से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। फिल्म में तेजा सज्जा एक सुपर योद्धा के रूप में नजर आएंगे। वहीं, अभिनेता मांचू मनोज खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं। बीते दिनों ही निर्माताओं ने फिल्म का पोस्टर भी जारी किया था।

इस बहुभाषी फिल्म में तेजा सज्जा के साथ मुख्य भूमिका में रितिका नायक भी नजर आने वाली हैं। फिल्म भारी भरकम बजट के साथ बनाई जा रही है। इसे हिंदी समेत आठ भाषाओं में रिलीज किया जाएगा, जिसमें तमिल, तेलुगु, कन्नण, मलयालम, बंगाली, मराठी और चाइनीज भाषा भी शामिल है। फिल्म 18 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

जया प्रदा की वेब सीरीज फातिमा का ट्रेलर जारी
बलात्कारियों का सफाया करती दिखीं अभिनेत्री

अभिनेत्री जया प्रदा की वेब सीरीज फातिमा का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में देखा जा सकता है कि जया प्रदा एक दृढ़ संकल्पित मां की भूमिका में नजर आ रही हैं। सीरीज में वह फातिमा का किरदार निभा रही हैं, जो अपनी बेटी के साथ हुए बलात्कार का बदला लेती है। सीरीज की कहानी फातिमा और उनकी बेटी के इर्द-गिर्द घूमती है। बेटी के साथ हुए अन्याय का इंसाफ ना मिल पाने की वजह से वह गैरकानूनी रास्ता अपना लेती हैं। फातिमा का निर्देशन संजीव राय ने किया है। सीरीज यूट्यूब पर 23 मई से प्रसारित होगी।ट्रेलर में देखा जा सकता है कि कुछ लड़के स्कूल से आती हुई एक लड़की को छेड़ते हैं। वह उसका पीछा करते हैं। एक दिन वह लड़की बदहवास हालत में आती है, जिसके बाद उसकी मां फातिमा (जया प्रदा) उसे पुलिस स्टेशन ले जाती है। समाज में हो रही बदनामी और न्याय ना मिल पाने के कारण फातिमा खुद ही गुनहगारों को सजा देने का मन बना लेती हैं। वह एक-एक करके सभी का सफाया करने लगती हैं। बता दें कि फातिमा का सामना भैयाजीऴ नाम के एक नेता से है। ट्रेलर में देखा जा सकता है कि फातिमा के द्वारा गुनहगारों की हत्या के बाद वह बड़ी ही चतुराई से मामले की छानबीन कर रहे इंस्पेक्टर की पत्नी को फंसा देती हैं। ट्रेलर के अंत में फातिमा सलाखों के पीछे दिख रही हैं। काफी लंबे समय के बाद अभिनेत्री जया प्रदा किसी परियोजना में मुख्य किरदार के रूप में वापसी कर रही हैं। बता दें कि यह जया प्रदा के करियर की पहली वेब सीरीज होगी। उनके साथ इसमें हितेन तेजवानी भी अहम भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे।

सिंघम अगेन में धमाल मचाएंगे जैकी श्राफ-टाइगर श्रॉफ

बॉलीवुड के माचो हीरो जैकी श्राफ और उनके पुत्र टाइगर श्राफ की जोड़ी फिल्म सिंघम अगेन में नजर आयेगी।

रोहित शेट्टी के निर्देशन में बन रही फिल्म 'सिंघम अगेन' इन दिनों काफी सुर्खियों में बनी हुई है। अजय देवगन, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और टाइगर श्रॉफ समेत कई स्टार्स इस फिल्म में एक साथ दिखाई देने वाले हैं। अब जैकी श्रॉफ ने भी इस फिल्म की टीम को जॉइन कर लिया है और कश्मीर में इसकी शूटिंग भी शुरू कर दी है।'बागी 3' में एक साथ काम करने के बाद यह दूसरी फिल्म होगी, जिसमें पिता और बेटे यानी जैकी श्रॉफ और टाइगर श्रॉफ एक साथ काम करने वाले हैं।

हाल ही में अर्जुन कपूर ने भी इस फिल्म की शूटिंग पूरी की थी और उसके बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। अर्जुन इस फिल्म में विलेन का किरदार निभाते हुए दिखाई देने वाले हैं। रोहित शेट्टी की यह फिल्म अगस्त 2024 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

जब अमिताभ बच्चन का नाम सुनते ही एक्टर ने छोड़ दी फिल्म, डायरेक्टर की रिक्वेस्ट भी ठुकराई!

अमिताभ बच्चन ने अपने फिल्मी करियर में कई सुपरस्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर की है। वह अमजद खान, प्राण और महमूद के बहुत करीबी दोस्त थे। बाद में धीरे-धीरे अमिताभ बॉलीवुड में जमने लगे। हालाँकि, उनकी सफलता के बाद उनके कुछ दोस्त उनसे दूर हो गये। राजेश खन्ना और शत्रुघ्न सिन्हा के साथ एक और सुपरस्टार थे जो अमिताभ को कभी पसंद नहीं करते थे।

अमिताभ ने बॉलीवुड में फिल्म सात हिंदुस्तानी से डेब्यू किया था। यह फिल्म उनके करियर की सु-परफ्लॉप साबित हुई। इसके बाद उन्होंने रेशमा और शेरा की। इसमें उन्होंने एक मूक व्यक्ति का किरदार निभाया था। हालांकि ये फिल्म भी फ्लॉप साबित हुई। राजेश खन्ना के साथ फिल्म आनंद के बाद उन्हें पहचान मिली। हालांकि, अमिताभ बच्चन ने दर्जनों फ्लॉप फिल्में कीं। इस वजह से मुंबई के निर्माता उन्हें फिल्म में लेने से झिझक रहे थे। तो, अमिताभ भी एक फिल्म पाने की कोशिश कर रहे थे।

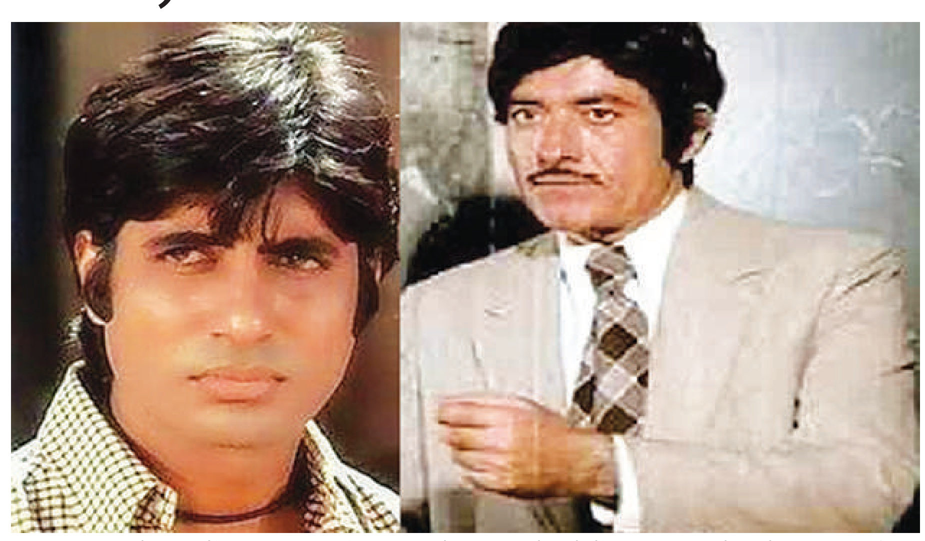

अमिताभ को फिल्में मिलनी बंद हो गईं। इस तरह निर्देशक प्रकाश मेहरा ने बड़ा जोखिम उठाया और ज़ंजीर बनाई, जिसमें उन्होंने अमिताभ बच्चन को कास्ट किया। इसके चलते प्रकाश मेहरा को काफी ताने सुनने पड़े। हालांकि, फिल्म जंजीर सुपरहिट हुई और अमिताभ को फिल्म इंडस्ट्री में एक अलग पहचान मिली। इस फिल्म के सुपरहिट होने के बाद अमिताभ बच्चन बॉलीवुड में मनमोहन देसाई के पसंदीदा अभिनेता बन गये। दोनों ने कुली, अमर-अकबर-एंथनी, परवरिश, सुहाग, नसीब, मर्द, गंगा जमुना सरस्वती जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया और एक से बढ़कर एक बॉलीवुड फिल्में देकर इतिहास रचा।

1982 में मनमोहन देसाई ने फिल्म बनाने का फैसला किया। इसलिए, वे इस फिल्म में मुख्य अभिनेता के रूप में अमिताभ बच्चन और राजकुमार को कास्ट करना चाहते थे। इस फिल्म का नाम था देश प्रेमी। हालाँकि, मनमोहन की वह इच्छा पूरी नहीं हो सकी। क्योंकि राजकुमार फिल्म के साथ कोई समझौता नहीं करना चाहते थे। कहा जाता है कि जब अमिताभ बॉलीवुड में खुद को स्थापित कर रहे थे तो राजकुमार सुपरस्टार थे। उन्हें लगा कि अगर अमिताभ डायरेक्टर के अच्छे दोस्त हैं तो राजकुमार का रोल अनुचित हो सकता है।

राजकुमार ने अपने मन की इस दहशत को डायरेक्टर के सामने जाहिर भी किया। लेकिन डायरेक्टर ने राजकुमार को भरोसा दिलाया कि ऐसा कुछ नहीं होगा। इसके बाद फिल्म में राजकुमार को ज्यादा स्क्रीन दी गई जबकि अमिताभ के कुछ सीन काट दिए गए। जैसे ही सीन काटा गया, अमिताभ को इसके लिए पैसे भी दिए गए। इस वजह से अमिताभ का मन भी रखा जाएगा। लेकिन कुछ दिनों बाद जब राजकुमार को इस बात का पता चला तो उन्हें बहुत गुस्सा आया।

आखिरकार राजकुमार ने फिल्म से बाहर होने का फैसला कर लिया। मनमोहन ने राजकुमार को समझाने की कई बार कोशिश की, लेकिन राजकुमार एक भी नहीं माने और उन्होंने फिल्म छोड़ने का फैसला कर लिया। बाद में फिल्म में राजकुमार की जगह शम्मी कपूर को ले लिया गया। देश प्रेमी में अमिताभ बच्चन के साथ हेमा मालिनी, शर्मिला टैगोर, नवीन निश्चल, परवीन बाबी, उत्तम कुमार, शम्मी कपूर, प्रेमनाथ, परीक्षित साहनी ने अभिनय किया था।

डीप नेक ब्लाउज और फ्लैशी फिगर मल्लिका शेरावत के कान्स लुक ने बटोरी सुर्खियां

तो बचाव में कूदीं ऋचा चड्ढा

ग्लैमर और फैशन की दुनिया का स्टार ईवेंट 'कान्स फैस्टिवल' 2024 खूब सुर्खियां बटोरता रहा. बॉलीवुड हसीनाओं ने भी यहां अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेरा। ऐश्वर्या राय से लेकर उर्वशी रौतेला ने भी ग्लैमर का तड़का लगाया और अपनी सुंदर ड्रेस से खूब सुर्खियां बटोरीं. इस फैस्टिवल में ऐश्वर्या राय से लेकर कियारा आडवाणी की ड्रेस की खूब चर्चा रही. वहीं 'मल्लिका शेरावत' का नाम भी सामने आया।

भले ही मल्लिका शेरावत ने इस साल इस ईवेंट में हिस्सा नहीं लिया है. लेकिन फिर भी उनका डीप नेक ब्लाउज और फ्लैशी फिगर वाला लुक सोशल मीडिया पर छाया रहा. इस लुक को लेकर मल्लिका शेरावत को काफी आल-ोचना भी झेलनी पड़ी थी. अब एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा ने मल्लिका शेरावत की तारीफ की है. इतना

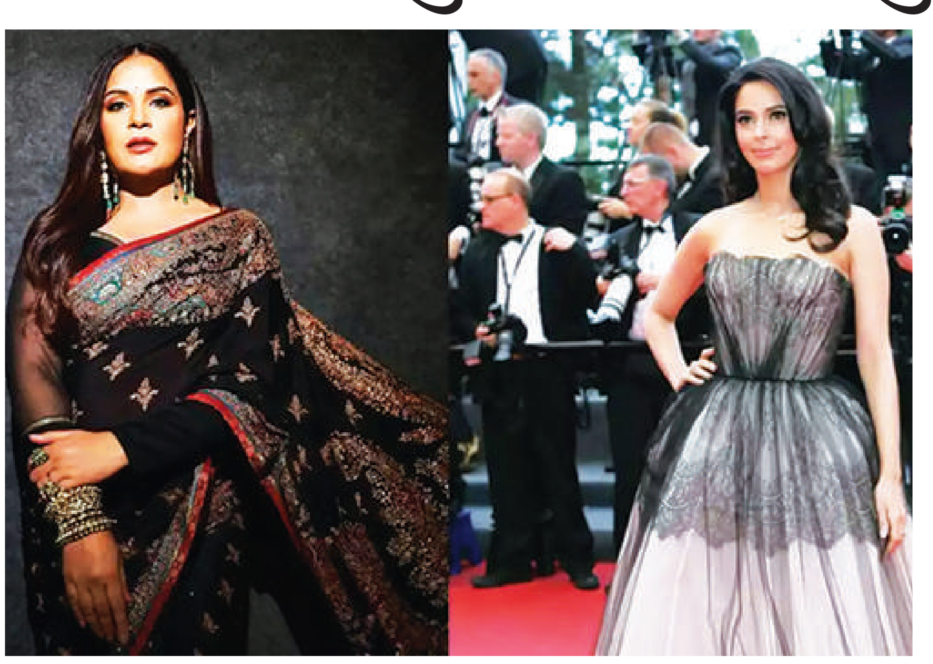

ही नहीं उनकी इस बोल्डनेस के लिए उनके गट्स को भी ऋचा चड्ढा ने सराहा है।

ऋचा चड्ढा ने कान्स फिल्म फेस्टिवल में साल 2012 में पहली बार डेब्यू किया था. ऋचा की फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' के बाद उन्हें इस फेस्टिवल में शामिल होने का मौका मिला था. इस साल ऋचा ने यहां पहुंचकर खूब सुर्खियां बटोरी थीं. 2012 के बाद ऋचा चड्ढा को यहां 'मसान' और 'सरबजीत' जैसी फिल्मों के लिए भी कान्स में शामिल होने का मौका मिला. इस दौरान ऋचा चड्ढा अपने पति अली फजल के साथ भी यहां शिरकत कर चुकी हैं. अब ऋचा चड्ढा ने मल्लिका शेरावत के बोल्ड लुक की तारीफ की है. ऋचा ने बताया कि 'कान्स फेस्टिवल में नंदिता दास को बतौर ज्यूरी इन्वाइट किया गया था। नंदिता दास ने खुद एक सिंपल साड़ी पहनी थी।

मल्लिका शेरावत ने यहां कई साल पहले डीप नेक ब्लाउज और फ्लैशी फिगर को लेकर काफी आलोचना झेली थी। लोगों ने इस लुक को लेकर काफी कुछ बोला था. लेकिन अब 15 साल बाद उस लुक को देखेंगे तो समझ आता है कि मल्लिका शेरावत अपने लुक को लेकर कितनी क्लीयर थीं. मल्लिका कैसी इमेज पोट्रे करना चाहती थीं, उसके लिए उन्होंने किसी की भी परवाह नहीं की. उन्हें इसका फायदा मिला।

सभी उनकी आलोचना करते रहे, लेकिन मैं उनके गट्स की तारीफ करती हूं।' बता दें कि मल्लिका शेरावत ने 15 साल पहले कान्स फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की थी। इस फेस्टिवल में मल्लिका शेरावत ने सफद रंग का डीप नेक ब्लाउज पहना हुआ था. इसके साथ ही स्टाइलिश घांघरे साथ जीरो फिगर फ्लॉन्ट किया था. अब इसी लुक को लेकर ऋचा चड्ढा उनकी तारीफ कर रही हैं।

देसी अवतार में मोनालिसा ने बिखेरा जलवा
एक्ट्रेस के किलर पोज फैंस के उड़ा रहे होश

भोजपुरी इंडस्ट्री की खूबसूरत हसीना मोनालिसा आए दिन अपने लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर चर्चाएं बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

भोजपुरी फिल्मों की देसी क्वीन मोनालिसा सोशल मीडिया पर हमेशा ही अपने ग्लैमरस लुक्स के कारण छाई रहती हैं. आए दिन वह अपनी खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो शेयर कर फैंस को दीव-ाना बना देती हैं. हाल ही में, मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह देसी लुक में नजर आ रही हैं. इन तस्वीरों में मोनालिसा ने नीले रंग की साड़ी पहनी हुई है और माथे पर बिंदी लगा रखी है. उन्होंने गले में गोल्डन नेकलेस और कानों में गोल्डन झुमके पहने हुए

हैं.मोनालिसा का यह देसी लुक उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है. तस्वीरों पर लाइक्स और कमेंट्स की बाढ़ आ गई है. एक फैन ने लिखा, आप तो और भी खूबसूरत लग रही हैं मोनालिसा जी. दूसरे फैन ने लिखा, आप देसी लुक में कमाल लग रही हैं। मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं. उनके इंस्टाग्राम पर 5 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

ख़ुश हो जाएँ क्योंकि अच्छा समय आने वाला है और आप स्वयं में अतिरिक्त ऊर्जा का अनुभव करेंगे। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं । कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है।
आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे– लेकिन ख़र्च में इज़ाफ़ा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। दोस्तों के साथ कुछ दिलचस्प और रोमांचक समय बिताने के लिए अच्छा समय है। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल–जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। अगर आपको लगता है कि आपके पास पर्याप्त धन नहीं है तो आज घर के किसी बड़े से धन संचित करने की सलाह लें। घर पर आपके बच्चे आपके सामने किसी समस्या को तिल का ताड़ बनाकर पेश करेंगे– कोई भी क़दम उठाने से पहले तथ्यों की भली–भांति पड़ताल कर लें। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग अपने करीबियों या रिश्तेदारों के साथ मिलकर बिजनेस कर रहे हैं उन्हें आज बहुत सोच समझकर कदम रखने की जरुरत है नहीं तो आर्थिक नुक्सान हो सकता है। आपको अपनी एक–सी दिनचर्या से थोड़ी छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ सैर–सपाटा करने की ज़रूरत है। आपकी मुलाक़ाता एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें दिमाग़ शांत रखने की ज़रूरत है। परीक्षा की घबराहट को हावी न होने दें। आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आप ख़ुद को नए रोमांचक हालात में पाएंगे– जो आपको आर्थिक फ़ायदा पहुँचाएंगे। कामकाज के नज़रिए से आज का दिन वाक़ई सुचारू रूप से चलेगा। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं जीवनसाथी द्वारा परिवार और मित्रों के बीच नकारात्मक तरीक़े से आपके वैवाहिक जीवन की निजी बातें उजागर हो सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। बिना किसी अनुभवी शख़्स की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है।लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके प्रेम को देखकर आज आपका प्रेमी गदगद हो जाएगा। जीवनसाथी के साथ वाद–विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

सेहत बढ़िया रहेगी। आर्थिक दृष्टि से आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको धन लाभ तो हो सकता है लेकिन इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। ऐसा कोई जिसे आप जानते हैं, आर्थिक मामलों को ज़रूरत से ज़्यादा गंभीरता से लेगा और घर में थोड़ा–बहुत तनाव भी पैदा होगा। आज आपका प्रेमी अपने मनोभावों को आपके सामने खुलकर नहीं रख पाएगा जिसकी वजह से आपको खिन्नता होगी। सहकर्मी मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, लेकिन वे ज़्यादा सहायता नहीं कर पाएंगे। शापिंग को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपना आत्मविश्वास फिर से हासिल करने के लिए अपनी बात खुल कर कहें । आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरूर निकाल पाएंगे। लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। अगर आप अपने प्रिय को पर्याप्त समय न दें, तो वह नाराज़ हो सकता/सकती है।
अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है। अपने जीवनसाथी के साथ प्यार–मुहब्बत के लिए काफ़ी वक़्त मिलेगा, लेकिन सेहत गड़बड़ हो सकती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। कई लोगों के लिए आज की रोमांटिक शाम ख़ूबसूरत तोहफ़ों और फूलों से भरपूर रहेगी। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए अपने काम करने के तरीके पर गौर करने की जरुरत है नहीं तो आप बॉस की नजरों में आपकी नकारात्मक छवि बन सकती है। व्यापार मे प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और लाभ कराएंगे। यह दिन दाम्पत्यजीवन के लिए खुशनुमा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास अपनी सेहत को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन–साथी आपको ख़ुशी देने का हर प्रयास करेगा। अपने प्रिय को आज निराश न करें– क्योंकि ऐसा करने की वजह से बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। आज आपने जो नई जानकारी हासिल की है, वह आपको अपने प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई–बहनों के साथ घर पर पार्टि का लुत्फ उठा सकते है। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। प्यार के सकारात्मक संकेत आपको मिलेंगे। अगर आप कई दिनों से कामकाज में दिक़्क़त महसूस कर रहे हैं, तो आज के दिन आपको राहत महसूस हो सकती है। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। आज के दिन आप वैवाहिक जीवन का आनंद ले सकते हैं।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 23 मई 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा सायं 07:24 तक
नक्षत्र : विशाखा प्रातः 09:14 तक
योग : परिघ दोपहर 12:10 तक
करण : विष्टि प्रातः 07:11 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:42 , सूर्यास्त 06:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:40 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:33 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : बुध पूर्णिमा , श्री कूर्म जयंती , वैशाख पूर्णिमा , वैशाख स्नान पूर्ण , भद्रा प्रातः 07:10 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जनहित के फैसलों से जनता कर रही है भजनलाल को ट्विटर पर ट्रेंड

जयपुर, 22 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश में जनहित के फैसलों से आमजन में लोकप्रिय होते जा रहे हैं और इस कारण जनता उनको ट्विटर पर ट्रेंड कर रहा है।

श्री शर्मा को ट्विटर हैंडल पर युवाओं, महिलाओं, किसानों का अपार समर्थन मिलने लगा है और वह इन दिनों आमजन में लोकप्रिय हो रहे है। सरकार गठन के चंद महीनों के अंतराल में ही मुख्यमंत्री ने अभूतपूर्व निर्णय किए हैं। राजस्थान पूर्वी नहर परियोजना (ईआरसीपी) और यमुना जल समझौते की ऐतिहासिक सौगात मिलने पर जनता ने ट्विटर पर श्री शर्मा का आभार जताया है।

इसी तरह एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के गठन से जंगलराज समाप्त हुआ, राजस्थान के 174 थानों में महिला डेस्क की स्थापना, पेपर लीक के खिलाफ एसआईटी के गठन, मुख्यमंत्री ने पैट्रोल-डीजल पर दो प्रतिशत वैट कम कर तथा कीमतों में विसंगति को दूर कर आमजन को दी बड़ी राहत, पुलिस थानों में महिला डेस्क और एंटी रोमियो स्क्वाड का गठन महिला सुरक्षा के लिए सराहनीय पहल, 17 शहरों में 15 हजार 566 घरों को पेयजल कनेक्शन से हर घर नल से जल का संकल्प हो रहा साकार एवं भ्रष्टाचार पर सीबीआई सीधे करेगी कार्रवाई। अनुमति की बाध्यता की समाप्त पर जन-जन-के-भजनलाल हुआ ट्रेंड।

इसके अलावा 450 रुपये में रसोई गैस सिलेण्डर से महिलाओं को मिला संबल।

महिलाओं ने ट्विटर के जरिये जताई खुशी। स्वधन पशुधन-समृद्ध राजस्थान की संकल्पना को किया साकार, गो-वंश के भरण-पोषण के लिए दी आर्थिक सहायता, अयोध्या में प्रभु श्री राम के सुलभ एवं सहज दर्शन के लिए चार ट्रेनों के संचालन पर वरिष्ठ नागरिकों ने दिया मुख्यमंत्री को आशीर्वाद, बालिकाओं को एक लाख रुपए के सेविंग बॉन्ड से जन्म से ही मिल रहा आर्थिक सम्बल, गेहूं की एमएसपी पर 125 रुपये प्रति क्विंटल का अतिरिक्त बोनस। किसानों ने ट्विटर पर जताया आभार।

राज्य में पीएम किसान सम्मान निधि को छह हजार से बढ़ाकर आठ हजार किया। किसानों में लोकप्रिय हुए मुख्यमंत्री, जन-जन-के-भजनलाल हुआ ट्रेंड।

नाबालिग पुत्री से दुष्कर्म के मामले में सौतेले पिता को आजीवन कारावास

बारां, 22 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के बारां में विशेष न्यायालय पोक्सो क्रम-2 की न्यायाधीश सोनिया बेनीवाल ने बुधवार को नाबालिग सौतेली पुत्री के साथ दुष्कर्म के मामले में एक व्यक्ति को जीवनकाल की अंतिम सांस तक कारावास की सजा सुनाई।

विशिष्ट लोक अभियोजक हरिनारायण सिंह ने बताया कि पीड़िता ने अपनी बड़ी मम्मी और मामा के साथ थाना छबड़ा में उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र पेश किया था कि वह तीन वर्ष की थी, तब उसके पिता की मृत्यु हो गयी थी। उसकी माता ने आठ वर्ष पूर्व केदार सिंह के साथ नाता विवाह कर लिया, जिससे वह तथा छोटा भाई उसकी मम्मी के साथ केदार सिंह के यहां रहने लग गये। करीब 10 महीने पहले उसकी माता की भी बीमारी से मृत्यु हो गयी, उसकी माता के मरने के डेढ़ माह बाद रात को जब वह सो रही थी, तो उसके सौतेले पिता केदार सिंह उसके पास आकर लेट गया और जबरदस्ती की, मना करने पर भी नहीं माना। उसका सौतेला पिता आये दिन उसके साथ जबरदस्ती किया करता था। उस समय पीड़ित की उम्र 13 वर्ष थी। इस जबरदस्ती की शिकार से वह तीन माह की गर्भवती हो गयी। उसने यह सभी बातें अपने मामा और अपनी बड़ी मम्मी को बताया।

उसके बाद उन्होंने इस आधार पर एक प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई, जिस पर थाना छबड़ा ने पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ की।अनुसंधान के बाद 13 मार्च 2023 को थाना छबड़ा पुलिस ने आरोपी मुलजिम केदार सिंह के विरुद्ध आरोप पत्र दाखिल किया। उल्लेखनीय है कि अभियोजन पक्ष की ओर से 15 गवाह के बयान न्यायालय में लेखबद्ध और 28 दस्तावेज प्रदर्शित कराये गये।

उन्होंने बताया कि 15 माह में हुए फैसले में इस प्रकरण में डीएनए रिपोर्ट महत्वपूर्ण दस्तावेज साबित हुआ, जिसमें पीड़िता के गर्भस्थ भ्रूण का मिलान उसके सौतेले पिता केदार से हुआ है, जिससे केदार सिंह को यौन शोषण का दोषी मानते हुये उसके प्राकृत जीवनकाल तक आजीवन कारावास से दंडित किया। साथ ही अलग-अलग धाराओं में कुल दो लाख रुपये का जुर्माना भी किया है। विशिष्ट लोक अभियोजक हरि नारायण सिंह ने यह भी बताया कि पीड़िता को जुर्माना की राशि प्राप्त करने के अतिरिक्त पीड़िता प्रतिकर योजना के तहत पीड़िता को 10 लाख रुपये अलग से देने की अनुशंसा की है, जो जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बारां द्वारा पीड़िता को देने का निर्धारण करेगा।

फॉयसागर झील से शुरू हुई पेयजल आपूर्ति

अजमेर, 22 मई (एजेंसियां)। जिले की ऐतिहासिक फॉयसागर झील से बुधवार को पानी की आपूर्ति शुरू कर दी गयी। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में अवस्थित झील एवं फिल्टर प्लांट पर राज्य सरकार से एक करोड़ रुपये व्यय करने के बाद 20 हजार घरों में पेयजल आपूर्ति शुरू की गयी। विभाग प्रतिदिन 3 एमएलडी पानी झील से लेकर फिल्टर प्लांट तक लायेगा और फिर यहां से पेयजल आपूर्ति का क्रम चलेगा।

श्री देवनानी ने आज फिल्टर प्लांट का निरीक्षण कर पानी की गुणवत्ता को परखा। उन्होंने अधिकारियों को स्वच्छ पेयजल आपूर्ति के निर्देश दिये। देवनानी ने मीडिया से कहा कि अजमेर शहर की पेयजल समस्या समाधान, उनकी प्राथमिकता में है। यही कारण है कि 17 वर्षों बाद झील से पानी की सप्लाई अथक प्रयासों से शुरू हो सकी है।उल्लेखनीय है कि फिल्टर प्लांट से जुड़े क्षेत्रों में यहां से पानी आपूर्ति सम्भव हो सकेगी। यहां के फायसागर रोड क्षेत्र की बस्तियों, कालोनियों के अलावा बी. के.कौल नगर, हरिभाऊ उपाध्याय नगर, कोटड़ा, पंचोली चौराहा, रामनगर सहित आसपास के क्षेत्रों को पानी मिल सकेगा। बताया जा रहा है कि इन क्षेत्रों में पांच एमएलडी से ज्यादा पानी प्रतिदिन चाहिये। इन क्षेत्रों में प्रेशर का भी अभाव है।

गुरुवार शाम छह बजे से शराब खरीद- बिक्री पर पाबंदी

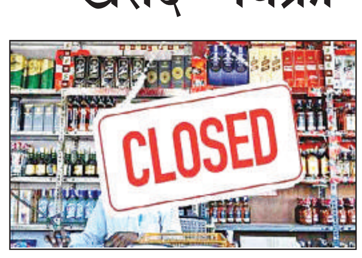

सिरसा, 22 मई (एजेंसियां)। हरियाणा में सिरसा के जिलाधीश आर.के. सिंह ने कहा कि 23 मई को शाम छह बजे से चुनाव संपन्न होने तक जिला में शराब व अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के आदेश जारी किए हैं। आदेशों के अनुसार जिला सिरसा में 23 मई शाम छह बजे से धारा 144 लागू हो जाएगी, जो कि 25 मई को मतदान प्रक्रिया सम्पन्न होने तक लागू रहेगी।

जिलाधीश ने कहा कि आरपी एक्ट 1951 के सेक्शन 135 सी के तहत मतदान संपन्न होने से 48 घंटे पहले तक जिला सिरसा के क्षेत्र में किसी भी होटल, भोजनालय, शराबखाने, दुकान या किसी अन्य सार्वजनिक या निजी स्थान पर मादक व नशीले पदार्थों की बिक्री, परोसने व पीने पर पूर्ण पाबंदी रहेगी। उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त इन आदेशों की दृढ़ता से अनुपालना सुनिश्चित करेंगे। इन आदेशों के उल्लंघनकर्ता भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के अनुसार दंड के भागीदार होंगे।

एयरफोर्स स्टेशन के कर्मचारी क्वार्टर में सोने-चांदी के जेवरात व नकदी चोरी

सिरसा, 22 मई (एजेंसियां)। हरियाणा में सिरसा स्थित इंडियन एयरफोर्स स्टेशन में बने कर्मचारी क्वार्टर में अज्ञात चोरों ने थोड़े समय के अंतराल पर एक बार फिर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। शहर थाना पुलिस के अनुसार चोर एक सार्जेंट के सरकारी क्वार्टर से 15 लाख 20 हजार रुपए के सोने के जेवरात व हजारों की नकदी चुराकर ले गए हैं।

घटना के समय सार्जेंट राकेश कुमार छुट्टी पर अपने घर छपरा(बिहार) गया हुआ था। शहर थाना सिरसा पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। जांच अधिकारी उजवल सिंह के अनुसार राकेश कुमार इंडियन एयरफोर्स में सार्जेंट के पद पर कार्यरत है और एयर फोर्स स्टेशन सिरसा में बने क्वार्टर में रहता है। सार्जेंट राकेश का कहना है कि वह गत तीन मई को छुट्टी पर अपने घर छपरा बिहार गया हुआ था। जब 21 मई को वापस लौटा तो उसके क्वार्टर के गेट का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो सारा सामान बिखरा हुआ था और अलमारी में से 20 तोले सोने के जेवरात गायब थे।राकेश ने पुलिस को बताया कि चोरी हुए जेवरातों में सोने की आठ अंगूठी, तीन चेन, दो महावीरी, आठ बालियां, चार जोड़ी झुमके, एक टीका, एक नथिया शामिल हैं। अलमारी में 10 हजार रुए की नकदी भी गायब मिली है। राकेश ने चोरी की सूचना शहर थाना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना किया। शहर थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों पर एफआईआर दर्ज कर पड़ताल शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि गत छह मई को भी चोरों ने सार्जेंट सुधीर कुमार के सरकारी क्वार्टर में घटना को अंजाम दिया था। सार्जेंट सुधीर छह मई को एक दिन की छुट्टी पर बाहर गया हुआ था। अगले दिन वापिस लौटा तो मकान के बाथरूम की कुंडी टूटी हुई थी और दीवार पर लगी लोहे की जाली कटी हुई थी। सुधीर कुमार ने अलमारी देखी तो सोने की चेन, कानों के झुमके, सोने के टॉप्स, कान की बाली, अंगूठी, दो मंगलसूत्र, लॉकेट व तीन जोड़ी पाज़ेब गायब मिली। इसकी शिकायत पुलिस को दी गई थी।

टेम्पो पलटने से एक महिला की मौत, 14 लोग घायल

भीलवाड़ा, 22 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में शाहपुरा जिले के कोटडी थाना इलाके में चंदेलिया की झूंपडिया के नजदीक बुधवार को कार की टक्कर के बाद एक टेम्पो पलट गया, जिससे एक महिला की मौत हो गयी तथा 14 अन्य लोग घायल हो गये।पुलिस सूत्रों ने बताया कि काछोला थाना इलाके में हुई एक मौत पर शोक व्यक्त करने जाने के लिये बुधवार को सूरजपुरा से 15 लोग एक टेम्पो से रवाना हुये। यह टेम्पो सवाईपुर रोड पर चंदेलिया की झूंपडिया के नजदीक पहुंचा था कि एक कार ने टेम्पो को टक्कर मार दी। जिससे वह पलट गया और उसमें सवार लोग इधर-उधर जा गिरे। हादसे में 15 लोग घायल हो गये। सभी घायलों को और 108 एबुलेंस से कोटडी अस्पताल भिजवाया गया, जहां सूरजनगर निवासी मनभर लौहार (56) की मौत हो गयी। पांच घायलों को कोटडी में भर्ती कर लिया गया, जबकि नौ घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद भीलवाड़ा के जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

दो शातिर नकबजन गिरफ्तार

चूरू, 22 मई (एजेंसियां)। जिले के तारानगर थाना क्षेत्र में सोमवार को दो दुकानों का ताला तोड़कर कैश बॉक्स में रखे रुपये एवं मोबाइल चोरी करने की वारदात का खुलासा करते हुये पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक जय यादव ने बताया कि दीनदयाल माहेश्वरी ने थाने में उसकी एवं पड़ोसी की दुकानों का ताला तोड़कर चोरी होने का मामला दर्ज कराया था। इस पर पुलिस ने जांच के बाद कस्बे के ही कालूराम सैनी (30) और अमिर खान उर्फ गोगला (30) को गिरफ्तार करके चुराये गये नौ मोबाइल फोन एवं 38 हजार 970 रुपये बरामद कर लिये। उन्होंने बताया कि इनसे चोरी की अन्य घटनाओं के संबंध में गहनता से पूछताछ की जा रही है।

सरिस्का में तेज गर्मी के चलते बाघों को देखने के मिल रहे अधिक अवसर

अलवर, 22 मई (एजेंसियां)। जिले में विश्वविख्यात सरिस्का बाघ परियोजना में इन दिनों गर्मी के चलते बाघों को देखने के अवसर अधिक मिल रहे हैं। पानी की तलाश में वह वाटर होल के ईर्दगिर्द ही रहते हैं। अलवर के सरिस्का बाघ परियोजना में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान चल रहा है। वहां भी टाइगर और अन्य वन्य जीव परेशान हैं।राजस्थान के वन मंत्री संजय शर्मा बुधवार को सरिस्का पहुंचे।

श्री शर्मा ने वहां बाघ एसटी 15 का बढ़ती गर्मी और 45 डिग्री तापमान से राहत पाने के लिए पानी के जलाशय में नहाते हुए वीडियो बनाया। श्री शर्मा सरिस्का में गये तो कुंडली एनिकट पर एसटी 15 टाइगर पानी में बैठा दिखाई दिया।

दूर से जब तक देखा तो टाइगर पानी में ही बैठा रहा। जैसे ही वन मंत्री वहां नजदीक पहुंचे, वह पानी से निकलकर जाने लगा।वन मंत्री मंगलवार को भी सरिस्का गये, तब पैंथर एक वन्य जीव का शिकार कर रहा था। उसका भी मंत्री ने वीडियो अपने मोबाइल फोन में कैद किया। सरिस्का स्थित पांडुपोल हनुमान मंदिर रोड पर पहाड़ियों के पास लेपर्ड ने सांभर का शिकार किया। श्री शर्मा कर सरिस्का पांडुपोल हनुमान मंदिर में दर्शन करने गये थे। मंदिर से ढाई किमी पहले लौटते समय भीड़ देखकर रुक गये। सड़क किनारे लेपर्ड ने एक सांभर का शिकार किया था।

एक और सांभर पास ही में खड़ा था। वीडियो में नजर आ रहा है कि इसे कार से शूट किया गया है। इस दौरान चट्टान की तरफ लेपर्ड सांभर की गर्दन को पकड़कर घसीटते हुए ले जा रहा है। गाड़ियों के शोर से लेपर्ड सड़क की ओर देखता है और भाग कर चट्टान में छिप जाता है।

पीएम मोदी रात में ही क्यों आते हैं पटना?

तेजस्वी ने बताई वजह, चिराग, कुशवाहा और पवन सिंह पर भी बोले

पटना (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने भारतीय जनता पार्टी, पीएम नरेंद्र मोदी और चिराग पासवान पर जमकर हमला बोला। पीएम मोदी पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी जब भी पटना आते हैं तो रात के अंधेरे में आ रहे हैं। रात के अंधेरे में कई कुछ खास लोगों को बुलाया जा रहा है। कुछ-कुछ खास निर्देश पीएम मोदी द्वारा दिया जा रहा है। यह लोग डर चुके हैं। आजकल टेलीप्रॉम्पटर भी पीएम मोदी बोलते हैं तो साफ नजर आता है कि वह थक चुके हैं और ना उम्मीद हो चुके हैं।

वहीं चिराग पासवान के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि चिराग जी को सबसे पहले हार की मुबारकबाद देता हूं। हमलोगों के पास जो सूचना आई है, उसमें वह काफी अच्छे मार्जिन से चुनाव हार रहे हैं। उनके पास कोई मैनेजमेंट नहीं है। एक भी आदमी उनके नहीं दिखे। जमीन पर उनकी पकड़ ही नहीं दिखी। पोलिंग बूथ पर भी उनके लोग नहीं दिखे। भाजपा और कुछ लोगों ने मिलकर उन्हें चुनाव हरा दिया।

सबसे पहले उन्होंने भोजपुरी सुपरस्टार और काराकाट से निर्दलीय प्रत्याशी पवन सिंह को भाजपा से निष्कासित करने के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि यह हमारा मुद्दा नहीं है। इससे हमलोगों को कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि, मुझे लगता है कि यह भाजपा की ही साजिश है। कुशवाहा जी को हराने की साजिश है। दिखावटी कार्रवाई की गई है। अंदर ही अंदर भाजपा वाले उपेंद्र कुशवाहा को हराने की कोशिश कर रहे हैं।

11 सवारियों को भरकर जा रहे टेम्पो को रौंदता हुआ ट्रक ले भागा

सीतामढ़ी में मौके पर तीन की मौत

सीतामढ़ी (एजेंसियां)। सीतामढ़ी जिले में देर रात हिट एन रन मामले में एक मासूम समेत तीन लोगो की मौत हो गई है। हादसे में छह लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। घटना सीतामढ़ी नगर से करीब तीन किलोमीटर दूर सीतामढ़ी-बरियारपुर सड़क मार्ग पर स्थित मोहनपुर की है। मंगलवार की रात करीब 11 बजे एक अनियंत्रित ट्रक ने टेम्पो को बुरी तरह से रौंद दिया। मौके पर ही तीन लोगों की मौत हो गई। सभी छह घायलों की हालत नाजुक बताई जा रही है। अबतक चार की मौत की सूचना है, हालांकि पुष्टि घटनास्थल पर मृत मिले तीन लोगों की ही हुई है।

स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने सभी जख्मी लोगों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। स्थिति गंभीर रहने के कारण मौत का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है, हालांकि घटना के बाद चालक ट्रक लेकर भागने में सफल हो गया। बताया जा रहा है कि 11 लोगों को लेकर टेम्पो सीतामढ़ी रेलवे स्टेशन से बथनाहा थाना के रमनगरा गांव जा रहा था। सीतामढ़ी में यह सभी लोग ट्रेन से उतरे थे।

डायल 112 एवं मेहसौल ओपी पुलिस ने जख्मी को अपने वाहनों से सदर अस्पताल पहुंचाया। मृतक की पहचान नेपाल निवासी मो. समसूल, रीगा थाना क्षेत्र के फतेहपुर निवासी नशो खान, रमनगरा निवासी रोजा अंसारी की पुत्री खजीदा खातून के रूप में की गई है। अन्य जख्मी की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। सदर अस्पताल में सदर एसडीपीओ राम कृष्णा, एसडीएम संजीव कुमार भी रात में ही पहुंच गए। एसडीपीओ राम कृष्णा ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच राहत और बचाव कार्य में जुट गई। तीन लोगों की मौत हुई है। छह लोग जख्मी हुए हैं। सभी जख्मी का इलाज कराया जा रहा है। ट्रक का पता लगाने की कोशिश हो रही है।

लोकसभा चुनाव की ड्यूटी लेकर हथियार समेत निकली महिला सिपाही गायब

लापता होने से मचा हड़कंप

समस्तीपुर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के पांचवे चरण में समस्तीपुर से सीतामढी के लिए ड्यूटी पर निकली समस्तीपुर की सिपाही सुभांती कुमारी हथियार के साथ लापता है। सीतामढी एसपी की रिपोर्ट जिला पुलिस को मिलने के साथ ही समस्तीपुर पुलिस महकमा में हड़कंप मच गया है। विभाग की जानकारी के अनुसार सिपाही 443 सुभांती कुमारी घटहो थाना में डायल 112 में तैनात थी। पांचवें चरण के मतदान में 16 मई को समस्तीपुर से सीतामढ़ी ड्यूटी के लिए अपने सामान और हथियार के साथ रवाना हुई थी, जहां उसे रिपोर्ट करना था। लेकिन उसने बिना किसी सूचना के अब तक वहां अपना योगदान नहीं दिया। वह सरकारी हथियार के साथ लापता है। इस मामले में सीतामढी के एसपी ने समस्तीपुर एसपी विनय तिवारी को पत्र लिख कर जानकारी दी है।

सीतामढी के एसपी का कहना है कि सिपाही संख्या 443 सुभांते कुमारी लोकसभा चुनाव- 2024 की निर्धारित पांचवें चरण के चुनाव के लिए सीतामढ़ी जिला में प्रतिनियुक्ति की गई थी, परंतु उक्त महिला सिपाही बिना किसी सूचना के सीतामढ़ी जिला पुलिस बल में योगदान नहीं दी है और चुनाव ड्यूटी से अनुपस्थित है। उक्त सिपाही के मोबाइल पर संपर्क स्थापित करने की कोशिश की गई, लेकिन वह स्विच ऑफ आ रहा है। अतः उक्त महिला सिपाही द्वारा बिना किसी सूचना के चुनाव जैसे महत्वपूर्ण ड्यूटी से अनुपस्थित रहना उनके घोर ला-परवाही, मनमानेपन, आदेश-उल्लंघन एवं कर्तव्यहीनता का परिचायक है। इसको लेकर सीतामढ़ी एसपी ने समस्तीपुर एसपी से उक्त महिला सिपाही के विरोध अनुशासनिक कार्रवाई की अनुशंसा की है।

समस्तीपुर पुलिस केंद्र के डीएसपी सुनील कुमार सिंह का कहना है कि उक्त महिला सिपाही से संपर्क स्थापित कर लिया गया है। उसे अविलंब समस्तीपुर पुलिस केंद्र पहुंचने का आदेश दिया गया है। 20 मई को सीतामढ़ी लोकसभा सीट पर चुनाव संपन्न हुआ है।

पटना में खुलेआम बनाई जा रही थी नकली शराब फिल्मी स्टाइल में हुआ भंडाफोड़, धंधेबाज फरार

पटना (एजेंसियां)। आम चुनाव के दौरान मंगलवार को उत्पाद व आयुष औषधि विभाग की संयुक्त टीम ने संदलपुर की जय महावीर कॉलोनी के रोड नंबर स्थित तीन में स्थित एक घर के बेसमेंट व जेठुली में छापेमारी कर रेक्टिफाइड स्प्रिट व नकली अंग्रेजी शराब जब्त की है।

संदलपुर के जय महावीर कालोनी स्थित घर के बेसमेंट से 24 लिटर रेक्टिफाइड स्प्रिट व दर्जनों खाली कंटेनर जब्त किए गए हैं। वहीं, जेठुली स्थित गोदाम में इससे तैयार बड़ी मात्रा में विभिन्न ब्रांड की नकली अंग्रेजी शराब व उसे तैयार करने का सामान जब्त किया गया।

जब्ती कार्रवाई के बाद उत्पाद व आयुष निरीक्षक ने अलग-अलग स्प्रिट व नकली शराब का सैंपल लेकर जांच के लिए प्रयो-गशाला भेजा है। इस क्रम में बजरंगपुरी निवासी टेंपो चालक शंकर कुमार वर्मा को गिरफ्तार किया गया है। संचालक व मकान

मालिक फरार बताए जा रहे हैं। दोनों गोदामों को सील कर दिया गया है। कार्रवाई में उत्पाद विभाग के सहायक आयुक्त प्रेम प्रकाश, इंस्पेक्टर अजीत कुमार व आयुष औषधि विभाग के निरीक्षक सत्य नारायण के अलावा मुख्यालय की टीम शामिल थी।

सहायक उत्पाद आयुक्त प्रेम प्रकाश ने बताया कि मंगलवार की सुबह वाहन जांच के क्रम में एक टेंपो से 20 लिटर के गैलन में स्प्रिट बरामद की गई थी। चालक शंकर संदलपुर जय महावीर कॉलोनी के रोड नंबर तीन पर स्थित जिस मकान से स्प्रिट लेकर आया था, वहां ले गया।

वहां पांच बोरा होमियोपैथी दवा की खाली बोतलें व 20 लिटर के जार में कुल 25 लिटर स्प्रिट बरामद हुई। इसके अलावा 10 कार्टन भरी बोतल भी मिली, जिसमें कुल 60 लिटर स्प्रिट थी। इसके बाद वाहन चालक के साथ छपाक वाटर पार्क के पास स्थित आटा चक्की मिल में छापेमारी की गई।

यहां बड़ी मात्रा में विभिन्न ब्रांड की नकली अंग्रेजी शराब, उसे बनाने का सामान, पानी, रंग, शराब की खाली बोतलें पाई गईं। इसके बाद इसे भी सील कर दिया गया। चुनाव को देखते हुए सरकार ने अप्रैल माह में ही नकली शराब बनाने वालों की धरपकड़ को उत्पाद व आयुष औषधि विभाग की संयुक्त टीम बनाकर कार्रवाई का निर्देश दिया था। उसके बाद यह पहली बड़ी सफलता हाथ लगी है। संदलपुर स्थित मकान मालिक की गौरीचक में दुकान है, हालांकि इसमें उसकी संलिप्तता भी मान रहे हैं। वहीं, मकान मालकिन ने बताया कि गोदाम को एक व्यक्ति ने किराए पर लिया था। किराएदार का मोबाइल स्विच आफ है। अधिकारियों ने कहा कि दोनों गोदाम सील कर अनुसंधान किया जा रहा है। जल्द ही मकान मालिक, आटा मिल के अलावा नकली शराब बना कर बेचने वाले पूरे गिरोह को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती जिलों, उत्तराखंड के देहरादून व अन्य जिलों एवं महाराष्ट्र तक से बड़ी मात्रा में रेक्टिफाइड स्प्रिट मंगवाई जाती है। इन्हें विभिन्न जिलों के शराब माफिया को बेचा जाता है।

बाइक सवार दो भाइयों को कुचलने पर भड़के लोग

पटना के बेउर मोड़ पर तांडव भीड़ ने ट्रक को फूंका

पटना (एजेंसियां)। पटना के बेउर मोड़ के नजदीक बाईपास पर एक ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को कुचल डाला। इस हादसे में दोनों युवक घायल हो गए। गुस्साए लोगों ने ट्रक में आग लगा दी। घटना के बाद मौके पर पहुंची अग्नि दस्ते की पुलिस ने आग पर काबू पाया। घायल युवकों की पहचान गर्दनीबाग थाना क्षेत्र के सरिस्ताबाद निवासी लाइन होटल संचालक अमर राय के बेटे राहुल कुमार और मंतोष कुमार के रूप में हुई है।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि राहुल और मंतोश दोनों भाई एक साथ बाइक पर सवार होकर होटल को बंदकर अपने घर लौट रहे थे। तभी बाईपास पर तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गये। लोगों का कहना है कि एक्सीडेंट होने के बाद भी चालक ने ट्रक को नहीं रोका और बाइक ट्रक में फंसे हुए लगभग 100 मीटर तक सड़क से रगड़ाते चले गये। लोगों के शोर मचाने पर चालक ने ट्रक रोका और सह-चालक के साथ ट्रक छोड़कर फरार हो गया। इस घटना में राहुल का पैर कटकर सड़क पर ही रह गया। आननफानन में लोगों ने दोनों भाइयों को अस्पताल पहुंचाया, जहां दोनों की हालत गंभीर है।

गुस्साई भीड़ ने ट्रक को आग के हवाले कर दिया। इतना ही नहीं ट्रक में खाना बनाने के लिए रखे सिलेंडर को भी खोल दिया, जिस वजह से आग और भड़क गई। घटना की सूचना मिलते ही गर्दनीबाग थाना और बेउर थाना और ट्रैफिक पुलिस के साथ साथ अग्निशमन की गाड़ी भी घटनास्थल पर पहुंची और फिर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आक्रोशित लोगों की मांग थी कि सरकार दोनों भाइयों का मुफ्त में इलाज कराये। पुलिस का कहना है कि चालक और उपचालक की खोजबीन की जा रही है।

जातितंत्र में उलझी लोकतंत्र की जननी, वीणा देवी और मुन्ना शुक्ला ने लगाया पूरा दम!

वैशाली (एजेंसियां)। लोकतंत्र की जननी मानी जाने वाली वैशाली जातितंत्र में उलझी है। भूमिहार बनाम राजपूत की लड़ाई में मुद्दे पीछे हैं और जातियों की गोलबंदी आगे। लोजपा (रामविलास) की वीणा देवी लगातार दूसरी जीत की तलाश में हैं तो राजद ने इस बार लालगंज के पूर्व विधायक मुन्ना शुक्ला को उम्मीदवार बनाया है।

राजद को पारंपरिक यादव-मुस्लिम वोटरों के साथ भूमिहार वोट में बड़ी हिस्सेदारी मिलने की उम्मीद है। वहीं, वीणा राजपूत-पासवान वोटरों को तो साध रहीं मगर अन्य जातियों के वोटरों के लिए वह सीधे-सीधे भाजपा और नरेन्द्र मोदी के नाम के सहारे दिख रही हैं। लव-कुश के साथ यहां पिछड़ी जातियों के वोटर निर्णायक हो सकते हैं।

लड़ाई तगड़ी है और जीत की राह मुश्किल

वैशाली की जनता विकास और रोजगार की बात तो करती है, मगर जाति का चश्मा नहीं उतरता। वैशाली में पिछले दो चुनाव से राजपूत उम्मीदवार ही आमने-सामने रहे। इस बार मुन्ना शुक्ला के आने से भूमिहार उत्साहित दिख रहे और वैशाली के रास्ते मुजफ्फरपुर पर वापस कब्जा जमाने के मौके के रूप में हवा दे रहे।

बीते विधानसभा चुनाव में जदयू की सीटों पर लोजपा के उम्मीदवार उतारने की बात से कुर्मी वोटर अंदर-अंदर नाराज हैं और दुविधा में दिख रहे। पिछड़ी-अतिपिछड़ी जातियों का वोटबैंक बड़ा है, मगर वह उस तरह मुखर नहीं। बदलाव की छटपटाहट तो दिखती है, मगर केंद्र में नरेन्द्र मोदी भी चाहिए।

वैशाली प्रखंड मुख्यालय के बाहर चुनावी चौपाल में जाति बनाम विकास की चर्चा हो रही। अभय कुमार कहते हैं, इस बार भूमिहार के लिए गोल्डेन चांस है, अब नहीं तो कभी नहीं। उमेश कुमार कहते हैं, मोदी जी जहां हैं ठीक हैं, मगर वैशाली की अपनी लड़ाई है। कमल छाप रहता तो सोचते मगर इस बार नए को मौका देना है। पास में ही वैशाली शांति स्तूप और ऐतिहासिक अभिषेक पुष्करणी सरोवर है। स्तूप की चारदीवारी टूटी है, तो पुष्करणी सरोवर जलकुंभी से पटा है।

स्थानीय संतोष कुमार सवाल करते हैं, बिहार में क्या नालंदा-राजगीर ही सबकुछ है। वैशाली को सिर्फ झूठा वादा मिला है। इस बार तो वैशाली महोत्सव तक नहीं

हुआ। चुनाव तो कई बार हुए मगर आयोजन टलता नहीं था। यह भेदभाव नहीं चलेगा। पारू के सरैया कोठी बाजार में ललिता देवी अपनी बहू के साथ साड़ी खरीद रही हैं। कहती हैं, नीतीश-मोदी जी तो महिला को आगे बढ़ाए हैं, तो हम भी महिला को आगे बढ़ाएंगे।

मड़वन चौक पर भरी दोपहरी में चुनावी गपशप जारी है। युवाओं का दो गुट आमने-सामने है। संतोष कुमार कहते हैं, एनडीए को पिछली बार मौका दिए मगर सांसद का चेहरा तक नहीं देख पाए। सुधाकर गुप्ता टोकते हैं, सांसद का काम गांव-गांव घूमना है क्या? चिल्लाते रहिए, मोदी जी की सरकार बनने की गारंटी है। विक्रम कुमार कहते हैं, मगर रोजगार की गारंटी तो तेजस्वी यादव दे रहे। अमित शाह तो बोले थे कि सहारा का पैसा दिलवाएंगे, अभी तक हम इंतजार ही देख रहे।

सुरेंद्र राय कहते हैं, यादव एकजुट है। सरकार कोई बने, विपक्ष भी टाइट रहना चाहिए। बरूराज के मोतीपुर में कभी चीनी मिल थी मगर ढाई दशकों से ताला लटका है। इलाके में तीन-चार इथेनाल व अन्य प्लांट लगे हैं, मगर स्थानीय लोगों को उस स्तर पर रोजगार नहीं मिल पाया है। मोतीपुर से साहेबगंज जाने वाली सड़क में लछमिनिया चौक के पास पकौड़े की दुकान के बाहर मजमा लगा है। शिवजी साह कहते हैं, सड़क खराब है। कोई नेता नहीं आता है।

हियालाल ठाकुर कहते हैं, प्लांट तो बना मगर मजदूर गांव के बाहर से आते हैं। अवध सिंह कहते हैं, वीणा देवी की जगह मुन्ना शुक्ला लोजपा से टिकट पर रहते तो जीत जाते। कैंडिडेट ही गलत है, मगर मजबूरी में वोट जाएगा। युवा वोटर अजीत और राहुल कहते हैं, हमलोग कोई छाप नहीं जानते, मोदी जी को जानते हैं। शिवजी साह जातीय समीकरण समझाते हुए बताते हैं कि पासवान लोजपा के साथ है।

कांटी के कोल्हुआ में लीची की तुड़ाई जारी है। बगान में करीब 50-60 महिलाओं-लड़कियों का झुंड लीची को तोड़ने और पेटियों में पैक करने में जुटा है। यह लीची की पहली खेप है, जो लखनऊ और मुंबई जाएगी। प्रमिला देवी, माला देवी, तिलिया देवी, फूलो देवी कहती हैं, 300 रुपया दिहाड़ी मिलती है। दो टाइम खाना और घर जाते समय 10 लीची फ्री। वोट के नाम पर कहती हैं, यहां तो लालटेन छाप चलता है।

लीची व्यापारी धर्मेंद्र चौबे कहते हैं, इस बार गर्मी से लीची जल गई है, महज 20 प्रतिशत उत्पादन है। लीची में सरकार, सांसद किसी की दिलचस्पी नहीं है। ट्रांसपोर्ट सुविधा बेहतर हो तो कमाई बढ़ेगी और लीची व्यवसाय भी।

वैशाली को पहला गणराज्य माना जाता है। ऐतिहासिक प्रमाणों के मुताबिक, ईसा से 725 वर्ष पूर्व लिच्छवी गणतंत्र विकसित हुआ था, जिसे वज्जि संघ कहा जाता था। इसके शासक जनता के प्रतिनिधियों द्वारा चुने जाते थे। वहां उस समय छोटी-छोटी समितियां थीं, जो जनता के लिए नियम और नीतियां बनाती थीं। माना जाता है कि लोकतंत्र की प्रेरणा यहीं से मिली।

वैशाली लोकसभा सीट में वैशाली विधानसभा के अलावा मुजफ्फरपुर के पांच विधानसभा क्षेत्र मीनापुर, कांटी, बरूराज, पारू और साहेबगंज हैं। इनमें भाजपा के पास तीन, राजद के पास दो और जदयू के पास एक विधानसभा सीट है। इस लोकसभा क्षेत्र में राजपूत, यादव और भूमिहार जाति के सर्वाधिक मतदाता हैं। पिछड़ों और दलितों की संख्या भी निर्णायक है।

वैशाली लोकसभा सीट कभी राजद का गढ़ थी। राजद के कद्दावर नेता रघुवंश प्रसाद सिंह यहां 1996 से 2009 तक लगातार पांच बार सांसद चुने गए। लोजपा ने इस गढ़ में सेंधमारी की। लोजपा के टिकट पर वर्ष 2014 में रामाकिशोर सिंह तो पिछले चुनाव में वीणा देवी सांसद बनीं। इस बार वीणा देवी फिर से लोजपा (रामविलास) के टिकट पर किस्मत आजमा रही हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com